दैनिक

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 37 रायपुर, गुरुवार, 12 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 विधायक राजेश मूणत ...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

बेटी थिएटर से एटिंग ही ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

साय कैबिनेट : बजट प्रस्ताव पारित... 25 लाख किसानों को 10 हजार करोड़ का भुगतान करेगी सरकार

होली से पहले किसानों को मिलेगी धान के अंतर की एकमुश्त राशि

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों के हित में बड़ा निर्णय लिया गया है। राज्य में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 रूपये प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि होली पर्व से पहले एकमुश्त भुगतान किया जाएगा।

कैबिनेट बैठक के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण को मंजूरी प्रदान की गई। इसके साथ ही आगामी बजट प्रक्रिया से जुड़े विनियोग विधेयक 2026 के प्रारूप को भी स्वीकृति दे दी गई है, जिसे राज्य की वित्तीय दिशा तय करने वाला अहम कदम माना जा रहा है।

खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 में 25 लाख 24 हजार 339 किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। कृषक उन्नति योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार धान के मूल्य के अंतर की राशि का भुगतान करेगी। लगभग 10 हजार करोड़ रूपये का भुगतान होली पर्व से पहले एकमुश्त किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के बजट सत्र से पहले यह बैठक महत्वपूर्ण थी। राज्य सरकार की तरफ से चलाई जा रही प्रमुख योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट भी मंत्रिपरिषद के सामने रखी गई। जिन योजनाओं के लिए अतिरिक्त बजटीय प्रावधान की आवश्यकता है, उन पर भी विचार–विमर्श किया गया।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीद 3100 रूपये प्रति क्विंटल के मान से की जा रही है, जो देश में सर्वाधिक है। बीते दो वर्षों में कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के किसानों को धान के मूल्य के अंतर के रूप में 25 हजार करोड़ रूपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। इस साल होली से पूर्व किसानों को 10 हजार करोड़ रूपये का भुगतान होने से यह राशि बढ़कर 35 हजार करोड़ रूपये हो जाएगी।

किसान-गरीब को बेचने वाले हमें समझौते पर नसीहत दे रहे : निर्मला सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि यह विडंबना है कि किसान और गरीब के हितों के साथ समझौता करने वाले कांग्रेस पार्टी के नेता आज हमें समझौता कैसे किया जाता है, इस पर नसीहत दे रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में कहा कि आतंकवाद के बावजूद पाकिस्तान से समझौता करने वाले आज हमें समझौता करने के बारे में बता रहे हैं।

उन्होंने कहा, जो लोग शर्म–अल–शेख में आतंकवाद के बावजूद पाकिस्तान के साथ बातचीत करना चाहते हैं, वे अब हमें बातचीत पर सुझाव दे रहे हैं।

लोकसभा में कल केंद्रीय बजट 2026–27 पर चर्चा के आरंभ के बाद आज दिनभर सदन में इसी विषय पर चर्चा चली। इसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाग लिया और केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चर्चा पर जवाब देते हुए बजट में महिला, युवा और मजदूरों के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया।

लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पर चर्चा के दौरान विपक्ष की कई आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए कोई नई योजना नहीं होने का आरोप गलत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में पांच क्षेत्रीय मेडिकल हब स्थापित किए जाएंगे। इनका उद्देश्य मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देना है। केवल इस योजना से अगले पांच वर्षों में एक लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

वित्त मंत्री ने कहा कि पांच बड़े टेक्सटाइल टू लेदर पार्क स्थापित किए जाएंगे। इनसे बड़ी संख्या में नए रोजगार के अवसर बनेंगे। उन्होंने वृद्धजनों की देखभाल के लिए एक व्यापक केयर इकोसिस्टम तैयार करने की भी घोषणा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय का स्मरण करते हुए राष्ट्र सर्वोपरि की भावना का दिया संदेश

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वस्व समर्पण, राष्ट्र सर्वोपरिता और मानवता की भावना को सर्वोच्च बताते हुए कहा कि सर्वस्व समर्पण उसी चेतना की अभिव्यक्ति है, जिसमें राष्ट्र और मानवता सर्वोपरि होते हैं। इसी भावना से अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देश के जन–जन को सशक्त बनाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

प्रधानमंत्री ने बुधवार को इस संबंध में एक्स पर वैदिक सुभाषित साझा किया, यस्येमे हिमवन्तो महित्वा यस्य समुद्रं रसया सहाहुः। यस्येमाः प्रदिशो यस्य बाहू कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

इस सुभाषित का अर्थ है कि यह संपूर्ण सृष्टि एक ही सर्वोच्च चेतना से संचालित है। हिमालय, समुद्र और चारों दिशाएं उसी की महिमा और सामर्थ्य का प्रतीक हैं। मंत्र यह भाव व्यक्त करता है कि वही शक्ति राष्ट्र, प्रकृति और मानवता की आधार है। इसी चेतना के प्रति समर्पण और आहुति देकर सेवा, त्याग और राष्ट्रहित के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी गई है।

भाजपा सिविल लाइन मंडल ने मनाया समर्पण दिवस

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी सिविल लाइन मंडल द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर 11 फरवरी को समर्पण दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया गया।

कार्यक्रम में जनसंघ एवं भाजपा की संगठनात्मक एवं वैचारिक गंगोत्री 'एकात्म मानववाद' की विचारधारा तथा 'अंत्योदय' की अवधारणा को स्मरण करते हुए पं. दीनदयाल उपाध्याय के योगदान को याद किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि पं. उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत आज भी संगठन और राष्ट्र निर्माण के लिए मार्गदर्शक हैं।

इस अवसर पर भाजपा सिविल लाइन मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार कुकरेजा, पार्षद एवं एमआईसी सदस्य अमर गिदवानी, शैलेंद्र सिंह सोमवंशी, पदमा साहू, कृपाराम चतुर्वेदी, थानुराम पटेल, इला दुबे, कुंदन दाऊ ठाकुर, सूरज यादव, धनेश मटलानी, गौरी महानंद, नीरज मनवानी, प्रकाश जोशी, गणेश गुप्ता, लवी ठाकुर, आशा अरोरा सहित सम्माननीय वरिष्ठ एवं देवतुल्य कार्यकर्ताओं ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने और अंत्योदय के सिद्धांत को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कलश यात्रा एवं वैदिक विधि–विधान के साथ संपन्न हुआ धार्मिक आयोजन

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े गृह ग्राम बीरपुर में नवनिर्मित शिव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में शामिल हुईं

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने गृह ग्राम बीरपुर में नवनिर्मित शिव मंदिर के प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में सहभागिता कर विधिवत पूजा–अर्चना की तथा क्षेत्र की सुख–समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के अंतर्गत प्रातः राम मंदिर, पासंग नाला से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कलश यात्रा शिव मंदिर परिसर तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि–विधानपूर्वक प्राण–प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। कार्यक्रम के दौरान भंडारे का आयोजन किया गया, वहीं रात्रि में भजन–कीर्तन के माध्यम से भक्तिमय वातावरण बना रहा।

इस अवसर पर मंत्री राजवाड़े ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी सौहार्द, एकता और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने ग्रामवासियों को इस सफल एवं भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि नवनिर्मित शिव मंदिर ग्राम बीरपुर में आस्था और सांस्कृतिक चेतना का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

कार्यक्रम में विधायक भूलन सिंह मरावी, पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा, बाबूलाल अग्रवाल, अनिल सिंह मेजर, भीमसेन अग्रवाल, अजय गोयल सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एपस्टीन के अपराधों से उनका कोई सरोकार नहीं, राहुल के आरोप निराधारः हरदीप पुरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अमेरिकी अरबपति जेफ्री एपस्टीन से अपना नाम जोड़े जाने पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। पुरी ने कहा कि एपस्टीन के अपराधों से उनका कोई लेना–देना नहीं है। राहुल गांधी के आरोप बेबुनियाद हैं।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय पर पत्रकार वार्ता में कहा कि राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि एपस्टीन फाइल्स गलत कामों और आपराधिक मामलों से संबंधित है। एपस्टीन फाइल्स में आरोप हैं कि जेफ्री के पास एक द्वीप था जहां वे लोगों को उनकी यौन कल्पनाओं को पूरा करने के लिए ले जाते थे, उन पर बाल यौन शोषण के आरोप हैं। उन पीड़ितों ने अधिकारियों के खिलाफ मामले दर्ज कराए हैं जिनका उनकी मुलाकात से कोई संबंध नहीं है।

मुलाकात को लेकर पुरी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने एपस्टीन से मुलाकात की थी, लेकिन यह मुलाकात अंतरराष्ट्रीय पीस इंस्टिट्यूट के एक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहते हुए हुई थी। पुरी ने कहा, ''साल 2009 में जब वे अमेरिका में राजदूत थे तब ये मुलाकात हुई। यह सारी जानकारी सार्वजनिक तौर पर मौजूद है। सार्वजनिक रूप से एपस्टीन फाइल के 30 लाख ई–मेल हैं।''

राजिम कुंभ मेला : रेल वन ऐप के प्रचार हेतु रायपुर रेल मंडल का वाणिज्य विभाग चला रहा विशेष अभियान

राजिम (प्रतिदिन राजधानी)

राजिम कुंभ मेला 2026 एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं यात्री शामिल होते हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल का वाणिज्य विभाग यात्रियों को रेलवे से संबंधित सेवाओं एवं जानकारियों तक सरल एवं त्वरित पहुँच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे रायपुर मंडल द्वारा रेल वन ऐप के प्रचार हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत दिनांक 01 फरवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 तक राजिम कुंभ मेला क्षेत्र में प्रतिदिन सहायता डेस्क / हेल्प डेस्क लगाई जा रही है। इस दौरान रेलवे के वाणिज्य निरीक्षक एवं वाणिज्य कर्मचारी यात्रियों को रेल वन ऐप डाउनलोड करने, उसके उपयोग एवं विभिन्न सुविधाओं की जानकारी प्रदान कर रहे है।

रेल वन ऐप के माध्यम से यात्री टिकट बुकिंग, ट्रेन की लाइव स्थिति, पीएनआर स्टेटस, शिकायत निवारण, रेल मदद, स्टेशन सुविधाएँ एवं अन्य महत्वपूर्ण रेलवे सेवाएँ एक ही प्लेटफॉर्म पर प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनकी यात्रा अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनती है।

रायपुर - राजिम - रायपुर के लिए 02 स्पेशल मेमू ट्रेन की सुविधा सहित कुल 06 मेमू ट्रेन की सुविधा उपलब्ध है

इसी कड़ी में राजिम कुंभ मेला 2026 के दौरान दिनांक 01 फरवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 तक रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा यात्रियों के लिए स्टेशन परिसर पर विशेष ठहराव की वयवस्था की गई हैं।

यात्रियों के आने जाने के सुविधा हेतु स्पेशल मेमू ट्रेन परिचालन की व्यवस्था की गई है। यह सुविधा 1 फरवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 तक रहेगी।

रायपुर से राजिम

(1). गाड़ी नम्बर 08755 रायपुर से 11:55 रवाना हो कर राजिम 13:20 पहुँचेगी।

(2). गाड़ी नम्बर 08757 रायपुर से 14:30 रवाना हो कर राजिम 16: 00 पहुँचेगी।

राजिम से रायपुर

(1). गाड़ी नम्बर 08756 राजिम से 14:00 रवाना हो कर रायपुर 15:30 पहुँचेगी।

(2). गाड़ी नम्बर 08758 राजिम से 20:30 रवाना हो कर रायपुर 22 : 00 पहुँचेगी।

उपरोक्त 02 गाड़ियों के अतिरिक्त प्रतिदिन रायपुर से राजिम के लिए चार मेमू ट्रेन और राजिम से रायपुर के लिए चार मेमू ट्रेनों की सुविधा उपलब्ध है।

एनएचआरसी ने गुरुग्राम में 5 नाबालिगों के कथित यातना मामले पर लिया स्वतः संज्ञान

पुलिस आयुक्त से दो सप्ताह में रिपोर्ट तलब

एजेंसी, ई दिल्ली

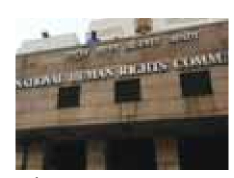

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुरुग्राम के डीएलएफ फेज–3 क्षेत्र में 5 नाबालिग बच्चों के साथ हुई कथित यौन उत्पीड़न और यातना की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने गुरुग्राम पुलिस को नोटिस जारी कर 15 दिन के भीतर जवाब तलब किया है।

आयोग ने बताया कि समाचारों में हरियाणा के गुरुग्राम में 11 से 14 वर्ष आयु के 5 नाबालिग बच्चों को चोरी के शक में एक अधनिर्मित इमारत में 18 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। समाचारों में ठेकेदार और उसके चार मजदूरों द्वारा बच्चों के कपड़े उतरवाकर यौन उत्पीड़न किया और उन्हें पेट्रोल डालकर यातना देने की जानकारी भी दी गई। यह घटना 3 फरवरी 2026 को सामने आई जब एक पीड़ित बच्चे की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बताया गया कि मौके पर पहुंची माताओं को भी बच्चों के साथ बैठाकर अपमानित किया गया।

आयोग ने कहा कि अगर समाचार रिपोर्टों दिखाई गई खबर सही है तो यह गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन का मामला है। इसलिए एनएचआरसी ने गुरुग्राम पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

राइस मिलरों की बैठक में कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले के कलेक्टर एस. जयवर्धन ने आज जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के सभी राइस मिलरों की बैठक की। बैठक का उद्देश्य धान मिलिंग की प्रगति की समीक्षा करना, फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफआरके) राइस उत्पादन की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और पीडीएस दुकानों में चावल की नियमित आपूर्ति को सुनिश्चित करना था। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि जिले के सभी राइस मिलरों को अपनी निर्धारित क्षमता के अनुसार धान मिलिंग कार्य में तेजी लानी होगी। उन्होंने एफआरके राइस उत्पादन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि गुणवत्ता और समयबद्धता दोनों बनाए रखना अनिवार्य है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल सेरीखेड़ी-20, तहसील व जिला रायपुर

//आम सूचना//

जारी दिनांक 11/02/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पिरदा, प.ह.नं. 76, रा.नि.मं. सेरीखेड़ी-20, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदक प्रतीक साहू पिता रमेश चन्द्र साहू निवासी तुलसीपुर वार्ड नं. 16, राजनांदगांव द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नं. 560/3 (शा.ख.561/9) रकबा 0.1070 हे. के सीमांकन / बटांकन हेतु आवेदन अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र./ वाचक/अति. तहसीलदार/वर्ष 2025 आदेश दिनांक 11/12/2025 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन / बटांकन हमारे द्वारा दिनांक 20/02/2025 को दोप. 01.00 बजे किया जाना नियत है। अतएंव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी उजर दावा अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन / बटांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन बटांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

से सूचना जानें।

मुहर

रा.नि.मं. रायपुर 20

तहसील - राय रायपुर

शपथ पत्र

मै शपथकर्ता प्रदीप सोनी पिता पुरुषोत्तम सोनी, निवासी- पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं:-

1. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।

2. यह कि, मेरे पुत्र का जन्म दिनांक - 22/04/2023 को हुआ, जिसका जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या- बी-2023: 22-90434-004314 एवं पंजीकरण दिनांक- 29/04/2023 है।

3. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम- इशांत सोनी (ISHANT SONI) दर्ज है, जिसे मेरे द्वारा परिवर्तित कर नया नाम- ईशान सोनी (ISHAN SONI) रख दिया गया है, जिसे मैं अपने पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज करवाना चाहता हूं।

4. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज मेरे पुत्र का पूर्व नाम- इशांत सोनी (ISHANT SONI) को विलोपित कर नया परिवर्तित नाम- ईशान सोनी (ISHAN SONI) दर्ज किया जावें, जिस हेतु यह शपथपत्र सक्षम अधिकारी के स है।

सत्यापन :-

मै शपथकर्ती यह सत्यापित करती हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 से 4 तक में वर्णित सभी तथ्य सही एवं सत्य है अतः मैने आज दिनांक को स्वयं के हस्ताक्षर कर स्थान रायपुर में सत्यापित कर दिया।

दिनांक - 11.02.2026

शपथकर्ता

प्रदीप सोनी

युवा बजट संवाद-विधायक शर्मा ने युवाओं को बताया प्रदेश के विकास का सारथी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

आज रायपुर के रावतपूरा सरकार यूनिवर्सिटी में युवा संवाद बजट पे चर्चा कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वक्ता के रूप में धरसींवा विधायक अनुज शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने कॉलेज के छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद करते हुए बजट की बारीकियों और युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों पर विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा नें कहा कि किसी भी देश का बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं होता, बल्कि वह भविष्य के विकास का रोडमैप होता है। उन्होंने कहा, ऽयुवाओं को बजट की प्रक्रिया और इसमें अपने लिए किए गए प्रावधानों को समझना चाहिए। प्रदेश सरकार का लक्ष्य युवाओं को केवल रोजगार पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना है। रायपुर स्थित रावतपूरा सरकार कॉलेज में हुआ भव्य आयोजन; छात्रों के साथ साझा किए बजट के मुख्य बिंदु बजट वह माध्यम है जिससे हम अपनी प्राथमिकताओं को तय करते हैं। आज का युवा जागरूक है और उसे पता है कि राय की प्रगति में उसकी भूमिका क्या है। अनुज शर्मा सरकार अपनी नीतियां बना रही है, लेकिन उन नीतियों में रंग भरने का काम आप युवाओं को करना है। आप केवल आने वाले कल के भविष्य नहीं हैं, बल्कि आप आज के सारथी हैं। आज की तकनीकी शिक्षा को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा रहा है। नवाचार (Innovation) और स्टार्टअप्स के लिए सरकार नए रास्ते खोल रही है। छत्तीसगढ़ की प्रतिभा को अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर चमकने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे देश की अर्थव्यवस्था और सरकारी योजनाओं को समझने में रुचि लें, क्योंकि आने वाला समय उन्हीं का है ।युवाओं को केवल नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला (Entrepreneur) बनना चाहिए । बजट में स्टार्टअप्स और स्थानीय व्यवसायों के लिए जो छूट और सुविधाएं दी गई हैं, उनका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राय सरकार के विकसित भारत 2047 के विजन को साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे बजट में शिक्षा, तकनीक और बुनियादी ढांचे पर निवेश किया जा रहा है ताकि युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के अवसर मिलें।

संवाद और सुझाव कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने बजट में शिक्षा, कौशल विकास और स्टार्टअप्स के लिए आवंटित फंड को लेकर अपनी जिज्ञासाएं रखीं। शर्मा ने बड़े ही सरल ढंग से तकनीकी बिंदुओं को स्पष्ट किया और छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनें।

इस अवसर पर मंत्री खुशवंत साहेब,सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक अमर अग्रवाल,अनुज शर्मा,पुरंदर मिश्रा, राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, इंद्र कुमार साहू,प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा छ.ग. राहुल योगराज टिकरीहा, जिलाध्यक्ष भाजपा रायपुर शहर रमेश सिंह ठाकुर उपस्थित रहे ।

महापरीक्षा अभियान 2025 में 91 प्रतिशत शिक्षार्थी उत्तीर्ण

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी। छत्तीसगढ़ राज्य में 07 दिसम्बर 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अनुशंसित उल्लास -नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत महापरीक्षा अभियान का सफल आयोजन किया गया। परीक्षा का परिणाम राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), नई दिल्ली द्वारा घोषित किया गया, जिसमें प्रदेश के प्रतिभागियों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। इस अभियान में प्रदेश में पहली बार 984 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से भाग लेकर बंदूक छोड़ कलम के माध्यम से विकास की नई राह चुनने का संदेश दिया। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश भर से कुल 4 लाख 55 हजार 44 शिक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, इनमें से 4 लाख 13 हजार 403 शिक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं। इसी प्रकार प्रदेश का कुल परीक्षा परिणाम 90.85 प्रतिशत रहा, जो साक्षरता अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्गवार परिणाम के अनुसार एक लाख 37 हजार 350 पुरुष शिक्षार्थियों में से एक लाख 23 हजार 743 उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं। 3 लाख 17 हजार 617 महिला शिक्षार्थियों में से 2 लाख 89 हजार 597 ने सफलता प्राप्त की है। वहीं 77 ट्रांसजेंडर शिक्षार्थियों में से 63 उत्तीर्ण हुए, जो समावेशी शिक्षा की दिशा में सकारात्मक संकेत है। इस महापरीक्षा अभियान को सफल बनाने में शासकीय एवं अशासकीय सदस्यों, जनप्रतिनिधियों तथा स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही। जिला एवं जनपद स्तर पर कलेक्टर एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा व्यापक स्तर पर अपील, बैठकों और सोशल मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाया गया। स्कूली छात्र-छात्राओं, पंच-सरपंचों एवं ग्राम प्रभारियों द्वारा प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया तथा सायंकाल जनप्रतिनिधियों द्वारा मशाल रैलियां निकालकर सकारात्मक शैक्षिक वातावरण का निर्माण किया गया। जिला एवं विकासखंड स्तर पर निरंतर वेबीनार और समीक्षा बैठकों के माध्यम से दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अभियान में प्रदेश के विभिन्न जिला जेलों के लगभग 795 बंदियों ने भी परीक्षा में सम्मिलित होकर अंधकार से उजाले की ओर बढ़ने की प्रेरणादायक पहल की। 77 ट्रांसजेंडर शिक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लेकर आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)

-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-

ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28286/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026

रायपुर दिनांक 11/02/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28286

वार्ड का नाम - 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651A00299 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती GOVT. NAZUL LAND SANT SEVAK SAHU , RAVINDRA KUMAR SAHU पिता/पति श्री/श्रीमती KAMAL SINGH SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती BHANESHWARI SAHU पिता/पति श्री/श्रीमती SANT SEWAK SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ मृत्यु प्रमाण पत्र व सपथ पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)

-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-

ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28288/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026

रायपुर दिनांक 11/02/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28288

वार्ड का नाम - 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446H85018 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती M/S HARIOM INFRATECH THROUGH PROPRITOR - SHRI KUMAR NAVLANI पिता/पति श्री/श्रीमती LATE. SHRI MANSHA RAM NAVLANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती बरखा हजारिका पिता/पति श्री/श्रीमती तोकेश्वर बलिराम हजारिका ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ वसीयतनामा अंतिम ईच्छा पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)

-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-

ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28287/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026

रायपुर दिनांक 11/02/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28287

वार्ड का नाम - 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651A00075 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती 1. SHIV SHARMA 2. SANTOSH SHARMA 3. SUNIL SHARMA 4.DEVIDAYAL SHARMA 5. GHANSHYAM SHARMA 6. BABITA SHARMA पिता/पति श्री/श्रीमती LATE. GUPTESHWAR SHARMA 6. W/O LATE. POONAM SHARMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती CHHAYA HOMES PREMIUM THROUGH SUMAN DEVI SHARMA पिता/पति श्री/श्रीमती CHIRANJI LAL SHARMA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)

-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-

ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28289/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026

रायपुर दिनांक 11/02/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28289

वार्ड का नाम - 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446H00085 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती M/S HARIOM INFRATECH (MAYFAIR) DWARA- SHRI KUMAR NAVLANI पिता/पति श्री/श्रीमती MANSHA RAM NAVLANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती MANOJ KINGRANI पिता/पति श्री/श्रीमती SW. RANAMAL KINGRANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)

-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-

ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28285/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026

रायपुर दिनांक 11/02/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28285

वार्ड का नाम - 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446F00542 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ANSHUL ASHOK KOTECHA पिता/पति श्री/श्रीमती ASHOK KOTECHA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती V A S U N D H A R A KESHARWANI पिता/पति श्री/श्रीमती SUBHASH GUPTA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

एमजी रोड में मार्गो को जनहित में अभियान चलाकर अतिक्रमण किया गया मुक्त

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप और यातायात एसपी श्री अजय कुमार के निर्देशानुसार एएसपी यातायात श्री विवेक शुक्ला, नगर निगम अपर आयुक्त नगर निवेश श्री पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक श्री अभाष मिश्रा, जोन 2 जोन कमिश्नर श्री संतोष पाण्डेय,कार्यपालन अभियंता नगर निवेश श्री आशुतोष सिंह, जोन 2 कार्यपालन अभियंता श्री पी. डी. धृतलहरे सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता, जोन 2 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा राजधानी शहर नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन 2 क्षेत्र अंतर्गत जयस्तम्भ चौक से के. के. रोड मौदहापारा, पिथालिया काम्प्लेक्स, एमजी रोड में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत बाजार के प्रमुख मार्गो को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने चलाया गया।

अभियान के अंतर्गत आज लगभग 40 से अधिक दुकानों के संचालकों पर सड़क पर सामान रखकर कब्जा करने पर लगभग 80000 रूपये का ई जुर्माना वसूला गया. लगभग 120 दुकानों से अधिक दुकानों के सामने सड़क पर कब्जा जमाकर रखे गए लगभग 12 ट्रक से अधिक मात्रा में सामानों को व्यवस्था सुधार हेतु कड़ाई के साथ सड़क से जब्त कर लिया गया. इस दौरान सड़क पर बाजार के मार्गो में लगभग 8 से अधिक कंडम वाहनों की यातायात पुलिस प्रशासन की टीम के साथ मिलकर कार्यवाही की गयी. टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत अतिक्रमण मुक्त अभियान से बाजार के प्रमुख मार्गो का यातायात सुगम और सुव्यवस्थित हो गया और नागरिकों को यातायात जाम की समस्या से त्वरित राहत प्राप्त हुई।

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -01 सिरपुर भवन व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)

ई-मेल-eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा वीर सावरकर नगर हीरापुर कालोनी, रायपुर में निर्मित LIG भवन योजना के अतंर्गत, दुकानों/भवनों में से भूखण्ड/भवन क्रमांक LIG-1460 श्रीमती सीमा रोचलानी पति श्री राजकुमार रोचलानी को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 20.07.2018 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 02/02/2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्रीमती अर्चना जयशंकर चौधरी पति श्री विभाकर मिश्रा के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)

ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर

Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./28348/न.पा.नि./ जोन क्र.- 5/2026

रायपुर, दिनांक 10.02.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 28348

वार्ड का नाम - 68- डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 68 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR568A00579 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती JYOTI SONI पिता/पति श्री/श्रीमती SURAJ SONI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती ADITYA KUMAR JHA , ADARSH KUMAR JHA , ANAND KUMAR JHA पिता/पति श्री/श्रीमती LT. SHRISH KUMAR JHA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ FAUTI NAMANTARAN /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)

ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर

Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./28408/न.पा.नि./ जोन क्र.- 5/2026

रायपुर, दिनांक 10.02.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 28408

वार्ड का नाम - 67- भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 67 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR567E0387C जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती DINESH KUMAR SAHU पिता/पति श्री/श्रीमती NAND KUMAR SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती ANIL KUMAR NAGPURE पिता/पति श्री/श्रीमती SALIK RAM NAGPURE ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)

मोहबा बाजार, रायपुर

Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./28426/न.पा.नि./ जोन क्र.-8/2026

रायपुर, दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28426

वार्ड का नाम -69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568G0132B जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SUDHA SONI पिता/पति श्री/श्रीमती SANJAY KUMAR SONI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती ANJALI MISHRA पिता/पति श्री/श्रीमती AKASH MISHRA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)

मोहबा बाजार, रायपुर

Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./28412/न.पा.नि./ जोन क्र.-8/2026

रायपुर, दिनांक 11/02/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28412

वार्ड का नाम -20- रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802C0202A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAJESH PAL पिता/पति श्री/श्रीमती LATE JOGINDER PAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती rakesh dilip kumar shukla पिता/पति श्री/श्रीमती dilip kumar shukla ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)

मोहबा बाजार, रायपुर

Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./28413/न.पा.नि./ जोन क्र.-8/2026

रायपुर, दिनांक 11/02/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28413

वार्ड का नाम -20- रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802C0202B जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती DIPAK PAL पिता/पति श्री/श्रीमती LATE JOGINDER PAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती rakhi kumari पिता/पति श्री/श्रीमती niraj kumar singh ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

'छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग' धमतरी वनमंडल धमतरी

काष्ठागार नगरी का ई-ऑक्सन का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि धमतरी वनमंडल धमतरी के अन्तर्गत नगरी काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ, जलाऊ एवं बल्ली का ई-ऑक्सन द्वारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/वन काष्ठागार नगरी से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम दिनांक - 16 फरवरी 2026

नीलाम समय - प्रातः 9.00 बजे से

प्रजाति	नया वनोपज		अविक्रित वनोपज		योग वनोपज	
	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)
सागौन	-	-	123.837	1012	123.837	1012
साल	604.299	455	332.465	158	936.764	613
साजा	80.804	895	22.238	191	103.042	1086
बीजा	63.357	-	30.657	-	94.014	-
हल्दू/मुण्डी/ खम्हार	14.173	-	5.280	-	19.453	-
सलई / मोयन	-	-	0.395	-	0.395	-
धावड़ा	26.898	678	1.539	45	28.437	723
कर्रा/ सेन्हा/अन्य	171.627	5853	41.103	399	212.730	6252
योग :-	961.158	7881	557.514	1805	1518.672	9686
सागौन जलाऊ चट्टा	292	Chatta	-	Chatta	292	Chatta
साल जलाऊ चट्टा	269	Chatta	106	Chatta	375	Chatta
मिक्स जलाऊ चट्टा	315.5	Chatta	119	Chatta	434.5	Chatta
योग	876.5	Chatta	225	Chatta	1101.5	Chatta

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

टीप:- (1) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई- कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं।

(2) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।

(3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई- कार्मस पोर्टल में अपने आईडी से लॉगइन करके देख सकते है।

(4) ई-ऑक्सन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 40 सेंकड़ का समय प्राप्त होगा उसी लॉट मे अन्य क्रेताओ द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

फोन - 07722-238371

फैक्स - 07722-236137

G-252606604/7

वनमंडलाधिकारी
धमतरी वनमंडल धमतरी

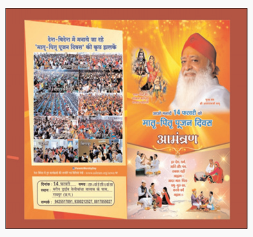

14 को मनेगा माता पिता पूजन दिवस

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारत को विशव गुरु बनाना है तो भारतीय सस्कृति की रक्षा हेतु 14 फरवरी को माता पिता पूजन दिवस मनाये ,एक दिन अपने माता पिता का आदर सत्कार करें, 14 फरवरी को मरीन ड्राइव तेलीबंधा मे विशाळ आयोजन रखा है जिसमे बच्चों के द्वारा सस्कृति रक्षा हेउ व नेत्र हीन बच्चों द्वारा प्रस्तुति व वृद्धा आश्रम के बुजुर्गो का सम्मान व पूजन वैदिक मंत्रो द्वारा करवाया जायेगा इस सेतु: आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है अत: आमंत्रण कार्ड आप सहज् स्वीकार कीजिये प्लीज 10 मिनट के लिए ही सही अवश्य पधारे

चितलनार के विद्यार्थियों की जिला पंचायत सीईओ से मुलाकात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन में जिला दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला चितलनार के विद्यार्थियों ने जिला पंचायत कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों की भेंट जिला पंचायत सुकमा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुन्द ठाकुर से हुई। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को जिला पंचायत की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक संरचना एवं विभिन्न विभागों की भूमिका की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर सीईओ ठाकुर ने विद्यार्थियों को करियर एवं भविष्य निर्माण को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने लक्ष्य निर्धारण, नियमित अध्ययन, अनुशासन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास और परिश्रम से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को अपनाने की भी सलाह दी।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा विद्यालय से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं को भी सीईओ के समक्ष रखा गया। सीईओ ठाकुर ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं को ध्यानपूर्वक सुना तथा सामान्य ज्ञान, प्रशासन और समाज से जुड़े प्रश्न पूछकर उन्हें प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए सटीक उत्तरों और उनकी सक्रिय सहभागिता से प्रभावित होकर सीईओ ठाकुर ने उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप चॉकलेट वितरित की।

स्मार्ट अधोसंरचना का स्वर्णिम अभ्युदय

विधायक राजेश मूणत ने समर्पित किया प्रदेश का सबसे भव्य महतारी सदन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विकास की परिभाषा अब केवल कंक्रीट की सड़कों और आधारभूत ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं, मातृशक्ति के सम्मान और भविष्य की पीढ़ी को संस्कारित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। क्षेत्र के विकासपुरुष और दूरदर्शी राजनीति के प्रणेता विधायक राजेश मूणत की विशेष पहल पर नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 08 अंतर्गत शहीद भगत सिंह वार्ड (टाटीबंध) में प्रदेश का पहला सर्वसुविधायुक्त महतारी सदन सह आंगनबाड़ी का गरिमामयी लोकार्पण संपन्न हुआ। ?85 लाख की भारी-भरकम लागत से तैयार यह केंद्र छत्तीसगढ़ की आंगनबाड़ी व्यवस्था के इतिहास में एक नया मील का पत्थर

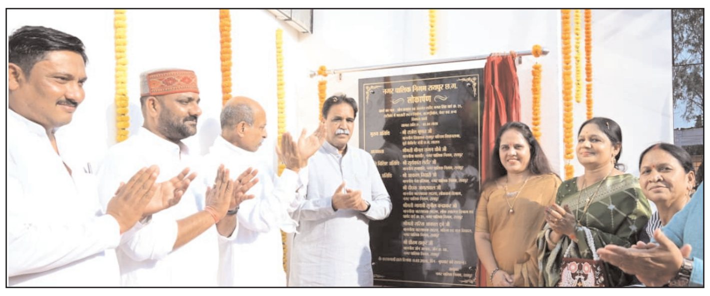

स्थापित कर रहा है। विधायक राजेश मूणत ने कहा कि साहस और संकल्प से बदला क्षेत्र का परिदृश्यसभा को संबोधित करते हुए विधायक राजेश मूणत ने अपनी दूरगामी सोच को साझा करते हुए कहा मेरा संकल्प रायपुर पश्चिम को केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि देश का सर्वश्रेष्ठ मॉडल बनाना है। महतारी सदन मेरी उस परिकल्पना का मूर्त रूप है जहाँ हमारी मातृशक्ति को पूर्ण सम्मान मिले और नौनिहालों को वही वातावरण प्राप्त हो जो किसी संभ्रांत निजी प्ले-स्कूल में मिलता है। मुझे गौरव है कि सरकारी तंत्र के माध्यम से निर्मित यह संभवत: भारत का पहला ऐसा आंगनबाड़ी केंद्र है जो निजी क्षेत्रों की सुविधाओं को भी पीछे छोड़ता है। यहाँ बचे न केवल पोषण प्राप्त करेंगे, बल्कि खेल-खेल में अपने भविष्य का निर्माण करेंगे।

?मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार- क्षेत्र के विकास के लिए केवल बजट की नहीं, बल्कि प्रबल इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। मैं विशेष रूप से प्रदेश के यशस्वी उपमुख्यमंत्री अरुण साव जी के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिनका रायपुर नगर निगम और विशेषकर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र पर सदैव स्नेह बना रहता है। उनके मार्गदर्शन और उदारता के कारण ही हमारे क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए कभी भी धन की कमी आड़े नहीं आती। साथ ही, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी की विकासोन्मुखी सोच ने हमें वह धरातल प्रदान किया है जहाँ हम जन-आकांक्षाओं को मूर्त रूप दे पा रहे हैं। उन्हीं के सहयोग से आज रायपुर पश्चिम में अधोसंरचना का स्वर्णिम युग प्रारंभ हुआ है।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे का विस्तृत वक्तव्य- वात्सल्य और विकास का अनूठा संगम नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा- ?आज टाटीबंध की धरा पर जो महतारी सदन खड़ा है, वह केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं है, बल्कि विधायक राजेश मूणत जी की संवेदनशीलता का जीता-जागता प्रमाण है। उन्होंने राजनीति को सेवा और नव-सृजन का माध्यम बनाया है। यह सदन हमारी बहनों-माताओं के लिए एक सुरक्षित आश्रय और बचों के लिए ज्ञान का मंदिर बनेगा। जिस तरह से यहाँ दिव्यांग बचों के लिए रैम्प और सर्वसुविधायुक्त वाशरूम बनाए गए हैं, वह यह दर्शाता है कि राय सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता करती है। रायपुर नगर निगम क्षेत्र में यह परियोजना एक मिसाल बनेगी जिसे आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी।

सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने कहा कि भविष्य की पीढ़ी के लिए ग्रोथ सेंटर

नगर निगम के सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा राजेश मूणत जी की कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सूक्ष्म कार्ययोजना (माइक्रो प्लानिंग) है। 7000 वर्गफुट के भूखंड पर 4500 वर्गफीट का यह भव्य निर्माण यह सिद्ध करता है कि यदि विजन स्पष्ट हो, तो सरकारी आंगनबाड़ी भी कॉरपोरेट ऑफिस से बेहतर दिख सकती है। यहाँ ट्रेम्पोलिन, बास्केटबॉल और डिजिटल क्लासरूम जैसी सुविधाएं देकर उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि गरीब और मध्यम वर्ग के बचों का बचपन अभावों में न दबे। यह केंद्र केवल पोषण प्रदान नहीं करेगा, बल्कि बचों के सर्वांगीण विकास का एक शक्तिशाली ग्रोथ सेंटर बनेगा।

कांग्रेस के पास कोसने के अलावा कोई काम नहीं - पाण्डेय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का संपूर्ण जीवन देश और समाज की सेवा के लिए समर्पित था। उनकी मृत्यु 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय स्टेशन पर संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी। आज पूरा देश उनकी स्मृति में उन्हें नमन कर रहा है। श्री पाण्डेय ने कहा कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय- पंडितजी द्वारा प्रतिपादित %एकात्म मानववाद% और %अंत्योदय% का सिद्धांत आज भी भाजपा की विचारधारा का मूल आधार है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकारें पंडितजी की कल्पनाओं को साकार कर रही हैं। भाजपा मुख्य प्रवक्ता व सांसद श्री पाण्डेय ने बुधवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पं. उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आहूत पुष्पांजलि अर्पण और समर्पण दिवस की शुरुआत के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी। श्री पाण्डेय ने कहा कि बस्तर-सरगुजा समेत पूरे छत्तीसगढ़ के आदिवासी यह अच्छी तरह समझ चुके हैं कि केवल आदिवासियों का शोषण करने, उनके सरल-निश्छल स्वभाव का फायदा उठाने और बाद में मौका पड़ने पर उनको जेल में डालने का काम कांग्रेस के नेताओं ने ही किया है। केवल प्रचार मिलता रहे, इसलिए फोटो खिंचवाकर छपवा रहे हैं। कवासी लखमा के दिल्ली प्रवास और कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं से हुई मुलाकात को लेकर श्री पाण्डेय ने कहा कि जो कर्म किए हैं, उसकी सफाई भी तो देनी होती है न! तो लखमा राष्ट्रीय नेताओं को वास्तविकता बताने गए होंगे। अब वास्तविकता क्या है, यह पूरे प्रदेश की जनता तो जानती है।

महापौर मीनल चौबे ने पाईप लाईन लीकेज होने पर तत्काल सुधारें गड्ढे को बन्द करें- अधिकारियो को सख्त निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने भाठागांव मार्ग में बार - बार पाईप लाईन लीकेज होने को लेकर गहन नाराजगी व्यक्त की है और पाईप लाईन लीकेज और गन्दा पानी की समस्या आने पर तत्काल स्पाट पर उसको श्रेष्ठ तकनीकी रूप में सुधार कर पाईप लाईन लीकेज सुधार हेतु सड़क पर किया गया गड्ढा तत्काल बन्द करवाने के निर्देश दिए हैं, ताकि इससे संभावित सड़क दुर्घटना की आशंका ना रहने पाए. इस कार्य को प्राथमिकता से करवाने के निर्देश महापौर ने दिए हैं.महापौर मीनल चौबे ने भाठागांव रोड में बार - बार होने वाले पाईप लाईन लीकेज पर गहन नाराजगी व्यक्त की, पाईप लाईन लीकेज होने पर श्रेष्ठ तकनीकी रूप में तत्काल सुधारें और इस हेतु किये गए गड्ढे को तत्काल बन्द करें- अधिकारियो को दिए सख्त निर्देश एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा और दीपक जायसवाल एवं अधिकारियों सहित किया निरीक्षण और कार्य समीक्षा भाठागांव चौक से तिफरा चौक तक निर्माणाधीन सड़क डामरीकरण कार्य तेज गति से करवाकर शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग के अध्यक्ष श्री मनोज वर्मा और लोक कर्म विभाग अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल सहित नगर निगम अधीक्षण अभियंता श्री इमरान खान और उप अभियंता श्री रमेश पटेल की उपस्थिति में भाठागांव चौक से तिफरा चौक तक 15वें वित्त आयोग मद से लगभग 3 करोड़ 43 लाख रूपये की लागत से निर्माणाधीन सड़क डामरीकरण कार्य की प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन कर स्थल समीक्षा की और निर्माणाधीन सड़क डामरीकरण कार्य को तत्काल गतिमान करते हुए सतत मॉनिटरिंग करवाकर उच्च स्तरीय गुणवत्ता सहित पूर्ण करवाना जनहित में जनउपयोग की दृष्टि से प्राथमिकता से सुनिश्चित करवाने निर्देशित किया.

मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज का भव्य वार्षिक सम्मेलन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

एल.आई.सी. कॉलोनी, व्ही.आई.पी. रोड स्थित *सत्संग भवन, मोवा में दिनांक 7 फरवरी को मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज का वार्षिक सम्मेलन गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन में समाज की एकजुटता, शिक्षा, संगठनात्मक मजबूती और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर समाज के भवन निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू के कर-कमलों से भूमि पूजन संपन्न हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम को समाज के विकास और स्थायी पहचान की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया गया। विधायक महोदय ने समाज को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

सम्मेलन के दौरान समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया, वहीं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके दीर्घकालीन सेवा और योगदान के लिए सम्मान प्रदान कर कृतज्ञता व्यक्त की गई। यह सम्मान समारोह उपस्थित जनसमुदाय के लिए प्रेरणास्रोत बना।

कार्यक्रम में मंत्री टंकराम वर्मा जी, वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद देवदत्त द्विवेदी, वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद मोहन साहू, रायपुर राजप्रधान जागेश्वर प्रसाद वर्मा, इकाई प्रमुख लक्ष्मी नायक, सचिव राधारमण वर्मा, महिला अध्यक्ष अन्नू वर्मा, युवा अध्यक्ष विजय वर्मा सहित समाज के अनेक पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य अनीता वर्मा, अर्जुन वर्मा, उमा वर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजजन सम्मेलन में शामिल हुए और कार्यक्रम को सफल बनाया।

सम्मेलन में वक्ताओं ने समाज की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उन्नति के लिए संगठित प्रयासों पर बल दिया तथा युवाओं को शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम संबंधी जानकारी मीडिया प्रभारी दिग्विजय वर्मा द्वारा दी गई। सम्मेलन का समापन समाज के उज्ज्वल भविष्य, आपसी भाईचारे और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

मीसाबंदियों को पेंशन देना पुन: प्रारंभ किया साय सरकार ने

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

साय सरकार ने मीसाबंदियों को पेंशन देना पुन: प्रारंभ किया है, सीएम साय ने अपने ट्वीट में लिखा, माँ भारती के सच्चे सपूत कोमलचन्द जैन एवं श्री शिव कुमार सोनी जी को मेरा बारंबार प्रणाम। साथ ही उन एक लाख से अधिक मीसाबंदियों के तप, त्याग और बलिदान को नमन, जिन्होंने दमनकारी सोच के विरुद्ध संघर्ष कर लोकतंत्र-विरोधी साजिशों को नाकाम किया और हमें व हमारी आने वाली पीढ़ियों को लोकतंत्र का अमर वरदान प्रदान किया।

25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला दिन है, जब इंदिरा सरकार ने सत्ता की दंभ में देश पर आपातकाल थोपकर लोकतंत्र की हत्या और स्वतंत्रता का गला घोंटने का कुकृत्य किया था। उस भयावह दौर में यदि हमारे मीसाबंदियों ने अदम्य साहस, त्याग और संघर्ष का परिचय न दिया होता, तो देश का लोकतंत्र जंजीरों में जकड़ा रह जाता।

हमारी सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्षों का सम्मान करते हुए पूर्ववर्ती सरकार द्वारा रोकी गई उनकी पेंशन को पुन: प्रारंभ किया है। साथ ही विधिक प्रावधान कर उन्हें व उनके परिजनों के सम्मान, अधिकारों एवं सामाजिक सुरक्षा को स्थायी संरक्षण प्रदान किया गया है, ताकि राष्ट्र के इन सच्चे लोकतंत्र सेनानियों का योगदान सदैव आदरपूर्वक स्मरण किया जाता रहे। लोकतंत्र की रक्षा में उनका त्याग हम सबके लिए प्रेरणा और संकल्प का स्रोत है।

समर्पण दिवस पर कोरबा में गूंजा एकात्म मानववाद, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को भाजपा का भावपूर्ण नमन

कोरबा (प्रतिदिन राजधानी)

ी को भारतीय जनता पार्टी द्वारा परम श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि प्रत्येक वर्ष समर्पण दिवस के रूप में मनाई जाती है। इसी क्रम में इस वर्ष भी 11 फरवरी को जिला भाजपा कार्यालय, कोरबा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को पूर्णत: सादगी एवं श्रद्धा के साथ श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके पश्चात घंटाघर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। लोकप्रिय व ऊर्जावान जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी, सह संभाग प्रभारी रायपुर डॉ. राजीव सिंह, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विपणन एवं विकास संघ श्री भोजराम देवांगन के गरिमामय उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा के ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता व पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे तथा सभी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद आज भी भारत के विकास का मार्गदर्शक-गोपाल मोदी

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी जी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक महान चिंतक, दूरदर्शी संगठनकर्ता और राष्ट्रवादी विचारधारा के सशक्त प्रवक्ता थे। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, संगठन निर्माण तथा समाज के गरीब, वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए पूर्णत: समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि पंडित जी का एकात्म मानववाद का दर्शन आज भी भारत के विकास का मार्गदर्शक सिद्धांत है। यह दर्शन हमें बताता है कि विकास केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज के हर वर्ग का संतुलित और समग्र विकास ही सच्चे अर्थों में राष्ट्र को मजबूत बनाता है।

एकात्म मानववाद सिद्धांत के प्रणेता महामानव पंडित दीनदयाल उपाध्याय को जयंती पर महापौर मीनल ने दी आदरांजलि

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन 9 के सहयोग से एकात्म मानववाद सिद्धांत के प्रणेता महामानव पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर राजधानी शहर रायपुर में तेलीबांधा रिंगरोड तिराहा के समीप स्थित उनके प्रतिमा स्थल के समक्ष उन्हें सादर नमन करने संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन रखा गया। आयोजन में पहुंचकर राजधानी शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने समस्त राजधानीवासियों की ओर से महामानव पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुण्यतिथि पर आदरांजलि अर्पित की। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, सभापति सूर्यकांत राठौड़, छ.ग. राज्य नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छ.ग. लौह शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा, छ.ग. अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरप्रीत सिंह छाबडा, निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों ने किया सादर नमन

नगर निगम संस्कृति विभाग और जोन 9 के संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर प्रमुख रूप से रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, नगर निगम रायपुर के सभापति सूर्यकांत राठौड़, छ.ग. राज्य नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छ.ग. राज्य लौह शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा, छ.ग. राज्य अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबडा, नगर निगम रायपुर संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, जोन 10 जोन अध्यक्ष सचिन बी. मेघानी, जोन 6 जोन अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, पार्षद श्रीमती पुष्पा रोहित साहू, पूर्व नेताप्रतिपक्ष सुभाष तिवारी सहित महिलाओ, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवको, आमजनो ने महामानव पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुण्यतिथि पर प्रतिमा स्थल पर बड़ी संख्या में पहुंचकर सादर नमन किया।

सम्पादकीय

साइबर डकैती पर सख्ती

देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर ठगी के मामलों पर शीर्ष अदालत का सख्त रुख वक्त की जरूरत है। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में 54 हजार करोड़ रुपये का डिजिटल फ्रॉड सीधे-सीधे डकैती है। साइबर ठगी खासकर डिजिटल अरेस्ट के जरिये उपभोक्ताओं का करोड़ों रुपये हड़पने के मामले में सुनवाई करते हुए अदालत ने जवाबदेह हितधारकों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने सीबीआई, बैंकों, आरबीआई की कोताही पर प्रश्न खड़े किए। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इन संस्थाओं ने लोगों के खून-पसीने की कमाई को बचाने के लिये समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाये हैं। कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामलों में कतिपय बैंक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट का कहना था कि यह कैसे संभव है कि बैंक अधिकारियों की नाक के नीचे साइबर ठग खाताधारकों का करोड़ों रुपया ठिकाने लगाने में कामयाब हो जाते हैं। कोर्ट ने आशंका जताई कि इन साइबर ठगी में बैंक अधिकारियों की लापरवाही या मिलीभगत हो सकती है। साइबर ठगी को सीधी डकैती की संज्ञा देते हुए अदालत ने कहा कि इस ठगी पर रोक के लिये केंद्र सरकार स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर यानी एसओपी तैयार करे। इतना ही नहीं कोर्ट ने गृह मंत्रालय को निर्देश दिया कि आरबीआई, दूरसंचार विभाग और अन्य हितधारकों के लिये चार सप्ताह में एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया जाए। बैंकों की कारगुजारी पर नाराजगी जताते हुए कोर्ट ने कहा कि बैंकों को अहसास होना चाहिए कि वे जनता के पैसों के ट्रस्टी हैं। उन्हें जनता के भरोसे को नहीं तोड़ना चाहिए। कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई कि आखिर कैसे साइबर ठगी के लाखों केस सामने आ रहे हैं। अकसर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि डिजिटल अरेस्ट व अन्य धोखाधड़ी के मामलों में करोड़ों रुपये साइबर अपराधी दूसरे खातों में डाल रहे होते हैं तो बैंक समय पर कार्रवाई क्यों नहीं करते? जबकि बैंकों के पास डेबिट कार्ड को अस्थायी रूप से होल्ड करने का भी अधिकार है। इसमें दो राय नहीं कि बैंकों के पास ऐसा सिस्टम होना जरूरी है, जिसके जरिये निगरानी हो सके कि कैसे किसी के खाते से निकाली गई बड़ी धनराशि जल्दी-जल्दी दूसरे खातों में हस्तांतरित हो रही है।

स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती पर विशेष

धर्म, समाज और राष्ट्र की चेतना जगाने वाले स्वामी दयानंद

देश के स्वतंत्रता संग्राम में स्वामी दयानंद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी और 'स्वराज' का नारा उन्होंने ही दिया था, जिसे बाद में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने अपनाया और 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा दिया। वेदों का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उनकी महत्ता लोगों तक पहुंचाने तथा समझाने के लिए उन्होंने देशभर में भ्रमण किया।

योगेश कुमार।

आर्य समाज के संस्थापक के रूप में वंदनीय महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात के टंकारा में 12 फरवरी 1824 को हुआ था और 12 फरवरी को उनकी जयंती मनाई जाएगी। स्वामी दयानंद ऐसे देशभक्त, समाज सुधारक, मार्गदशक और आधुनिक भारत के महान चिंतक थे, जिन्होंने न केवल ब्रिटिश सत्ता से जमकर लोहा लिया बल्कि अपने कार्यों से समाज को नई दिशा और ऊर्जा भी प्रदान की। 1857 की क्रांति में उनका अमूल्य योगदान था। स्वामी दयानंद का बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके जीवन में घटी एक घटना ने उन्हें इस कदर प्रभावित किया कि वे 21 वर्ष की आयु में ही अपना घर बार छोड़कर आत्मिक एवं धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े और एक सन्यासी बन गए। जीवन में ज्ञान की तलाश में वे स्वामी विरजानंद से मिले, जिन्हें अपना गुरु मानकर उन्होंने मथुरा में वैदिक तथा योग शास्त्रों के साथ ज्ञान की प्राप्ति की। 1845 से 1869 तक कुल 25 वर्षों की अपनी वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई प्रकार के दैविक क्रियाकलापों के बीच विभिन्न प्रकार के योगों का भी गहन अभ्यास किया।

जीवनपर्यन्त वेदों, उपनिषदों का पाठ करने वाले स्वामी जी ने पूरी दुनिया को इस ज्ञान से लाभान्वित किया। उनकी किताब 'सत्यार्थ प्रकाश' आज भी दुनियाभर में अनेक लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है। वेदों को सर्वोच्च मानने वाले स्वामी दयानन्द ने वेदों का प्रमाण देते हुए हिन्दू समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों का डटकर विरोध किया। जातिवाद, बाल विवाह, सती प्रथा जैसी समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है, इसीलिए उन्हें 'सन्यासी योद्धा' भी कहा जाता है। दलित उद्धार तथा स्त्रियों की शिक्षा के लिए भी उन्होंने कई आन्दोलन किए। हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम तथा ईसाई धर्म में फैली बुराईयों और अंधविश्वासों का भी उन्होंने जोरदार खंडन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण, धार्मिक कुरीतियों की रोकथाम तथा वैश्विक एकता के प्रति समर्पित कर दिया। वे आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक थे। स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना मुम्बई के गिरगांव में गुड़ी पड़वा के दिन 10 अप्रैल 1875 को की थी, जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति के साथ समूचे विश्व को एक साथ जोड़ना था। आर्य समाज के द्वारा उन्होंने दस मूल्य सिद्धांतों पर चलने की सलाह दी।

मूर्ति पूजा के अलावा वे जाति विवाह, महिलाओं के प्रति असमानता की भावना, मांस के सेवन, पशुओं की बलि देने, मंदिरों में चढ़ावा देने इत्यादि के सख्त खिलाफ थे और इसके लिए उन्होंने लोगों में जागरुकता पैदा करने के अथक प्रयास किए। अपने 59 वर्ष के जीवनकाल में महर्षि दयानंद ने न सिर्फ देश में व्याप्त बुराईयों के खिलाफ लोगों को जागृत किया बल्कि अपने वैदिक ज्ञान से नवीन प्रकाश को भी देशभर में फैलाया। हालांकि कई लोगों ने उनका जमकर विरोध भी किया लेकिन स्वामी दयानंद सरस्वती के तार्किक ज्ञान के समक्ष बड़े-बड़े विद्वानों और पंडितों को भी नतमस्तक होना पड़ा। वे अपने जीवन को पुनर्जन्म, ब्रह्मचर्य, सन्यास तथा कर्म सिद्धांत के चार स्तंभों पर खड़ा मानते थे। स्वामी दयानंद हिन्दी भाषा के प्रबल समर्थक थे और उनका मत था कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में एक ही भाषा 'हिन्दी' बोली जानी चाहिए। मानव शरीर को नश्वर बताते हुए वह कहते थे कि हमें इस शरीर के जरिये केवल एक अवसर मिला है, स्वयं को साबित करने का कि 'मनुष्यता' और 'आत्मविवेक' क्या है। वे कहा करते थे कि शक्ति किसी अलौकिकता या चमत्कारिता के प्रदर्शन के लिए नहीं होती। सभी धर्मों और उनके अनुयायियों को वे एक ही ध्वज तले बैठा देखना चाहते थे। दरअसल उनका मानना था कि आपसी लड़ाई का फायदा सदैव तीसरा उठाता हैं, इसलिए इस भेद को दूर करना आवश्यक है। कर्म करने को लेकर स्वामी जी तर्क देते थे कि काम करने से पहले सोचना बुद्धिमानी, काम करते हुए सोचना सतर्कता और काम करने के बाद सोचना मूर्खता है। वह कहा करते थे कि दुनिया को अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए और तब आपके पास सर्वश्रेष्ठ लौटकर आएगा। उनका कहना था कि अज्ञानी होना गलत नहीं है लेकिन अज्ञानी बने रहना गलत है।

परीक्षा का डर नहीं, आत्मविश्वास का उत्सव जब अपेक्षाओं का बोझ उतरे, तब सीखने की उड़ान शुरू हो

कांतिलाल मांडोत।

शिक्षकों के कंधों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। अगर कक्षा में लगातार यह एहसास दिलाया जाए कि टेस्ट सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, अंतिम फैसला नहीं, तो बच्चों का नजरिया बदल सकता है। अंक के साथ-साथ प्रयास, रचनात्मकता और समझ की सराहना की जाए, तो छात्र खुद को सिर्फ नंबरों में सीमित नहीं मानते। कक्षा शुरू होने से पहले कुछ पल का ध्यान या शांत बैठना, बच्चों की एकाग्रता बढ़ाता है और मन को स्थिर करता है।

फरवरी-मार्च का नाम आते ही घरों का माहौल बदलने लगता है। वही कमरे, वही मेज, वही किताबें, लेकिन हवा में एक अनकहा तनाव घुल जाता है। रात भर जलती लाइटें, कॉफी या चाय के कप, आंखों में नींद और मन में आशंका यह दृश्य आज असामान्य नहीं रहा। परीक्षा अब केवल ज्ञान की परख नहीं रह गई है, वह बच्चों के मन के लिए एक कसौटी बन चुकी है। जैसे ही तारीखें नजदीक आती हैं, कई बच्चों के पैरों में कंपन, दिल की धड़कन तेज होना और अगर अच्छा नहीं हुआ तो जैसे सवाल मन पर हावी हो जाते हैं। डर धीरे-धीरे आत्मविश्वास को ढक लेता है और पढ़ा हुआ ज्ञान भी धुंधला पड़ने लगता है। असल समस्या परीक्षा नहीं है, समस्या वह माहौल है जो परीक्षा के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया गया है। जब परीक्षा को जीवन-मरण का सवाल बना दिया जाता है, तब बच्चा सवाल हल करने से ज्यादा अपने भविष्य को लेकर डरने लगता है। माता-पिता की उम्मीदें, समाज की तुलना और स्कूल का अंक-केंद्रित ढांचा मिलकर बच्चों के कंधों पर ऐसा बोझ रख देते हैं, जिसे उठाना हर किसी के बस की बात नहीं होती। परिणाम यह होता है कि परीक्षा ज्ञान का उत्सव बनने के बजाय भय का कारण बन जाती है।

मनोरोग विशेषज्ञ और शिक्षा मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि अत्यधिक दबाव में शरीर में तनाव हार्मोन बढ़ जाते हैं। इससे नींद प्रभावित होती है, भूख कम हो जाती है और ध्यान भटकने लगता है। बच्चा जितना ज्यादा डरता है, उतना ही उसका प्रदर्शन गिरने की आशंका बढ़ती जाती है। यह एक दुष्चक्र है।डर से प्रदर्शन कमजोर, और कमजोर प्रदर्शन से डर और गहरा। ऐसे में सबसे जरूरी सवाल यह है कि इस डर को कैसे तोड़ा जाए। डर तोड़ने की शुरुआत सोच बदलने से होती है। बच्चे को यह महसूस कराना जरूरी है कि परीक्षा उसकी काबिलियत का एक पड़ाव है, पूरी पहचान नहीं। जब बच्चा यह समझ लेता है कि एक पेपर उसका भविष्य तय नहीं करता, तब उसके भीतर छुपा आत्मविश्वास धीरे-धीरे बाहर आने लगता है। पढ़ाई का मकसद नंबर जुटाना नहीं, समझ विकसित करना है।यह बात अगर घर और स्कूल दोनों जगह दोहराई जाए, तो आधा डर अपने आप कम हो जाता है। बच्चों के लिए सबसे पहला और असरदार उपाय है दिनचर्या को संतुलित करना। लगातार घंटों पढ़ने से दिमाग थक जाता है और डर बढ़ता है। छोटे-छोटे अंतराल में पढ़ाई करने से न सिर्फ याददाश्त बेहतर होती है, बल्कि मन भी हल्का रहता है। पर्याप्त नींद लेना कोई विलास नहीं, बल्कि जरूरत है। सात से आठ घंटे की नींद दिमाग को तरोताजा रखती है और परीक्षा के समय घबराहट कम करती है। हल्की शारीरिक गतिविधि जैसे टहलना, स्ट्रेचिंग या योग, शरीर में सकारात्मक रसायन छोड़ती है जो तनाव को काबू में रखते हैं। डर अक्सर अनिश्चितता से पैदा होता है। अगर सवाल नहीं आया तो?, अगर भूल गया तो? जैसे विचार मन को जकड़ लेते हैं। ऐसे में बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि वे अपने डर को नाम दें और उससे बात करें। जब डर को मन में दबाने के बजाय स्वीकार किया जाता है, तो उसकी तीव्रता कम होने लगती है। गहरी सांस लेने की सरल तकनीकें, परीक्षा से पहले कुछ मिनट आंखें बंद कर खुद को शांत करना, मन को वर्तमान में लाने में मदद करता है। अभिभावकों की भूमिका यहां निर्णायक हो जाती है। बच्चे जितना परीक्षा से डरते हैं, उतना ही वे माता-पिता की प्रतिक्रिया से भी डरते हैं। अगर हर बातचीत का अंत अंकों पर हो, तो बच्चा खुद को मशीन समझने लगता है। तुलना बच्चों का आत्मविश्वास सबसे तेजी से तोड़ती है। जब किसी और के बच्चे की सफलता को आदर्श बनाकर पेश किया जाता है, तो संदेश साफ होता है।तुम जैसे हो, वैसे पर्याप्त नहीं हो। इसके उलट, अगर माता-पिता बच्चे की मेहनत को सराहें, उसकी कोशिशों को महत्व दें और असफलता की स्थिति में भी साथ खड़े रहें, तो बच्चा डर के बजाय भरोसे के साथ परीक्षा का सामना करता है। सुनना भी एक बड़ी दवा है। कई बार बच्चे समाधान नहीं, सिर्फ समझ चाहते हैं। जब वे अपनी घबराहट, थकान या उलझन साझा करते हैं और सामने वाला बिना टोके, बिना उपदेश दिए उनकी बात सुन लेता है, तो मन का बोझ हल्का हो जाता है। घर का माहौल अगर सुरक्षित हो, जहां गलती पर डांट नहीं बल्कि बातचीत हो, तो परीक्षा का डर दरवाजे पर ही दम तोड़ देता है।

दुनिया के कई देशों ने यह समझ लिया है कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धा बच्चों को मजबूत नहीं, कमजोर बनाती है। सहयोग, कौशल और जीवन-उद्देश्य पर आधारित शिक्षा मॉडल यह दिखाते हैं कि जब परीक्षा का दबाव कम होता है, तब सीखने की खुशी बढ़ती है। भारत में भी हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि शिक्षा का लक्ष्य केवल रैंक नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ व्यक्तित्व होना चाहिए। न्यायपालिका तक यह स्वीकार कर चुकी है कि लगातार मानसिक दबाव बच्चों के लिए नुकसानदेह है और संस्थानों को मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। अंत में, यह समझना जरूरी है कि डर का इलाज डर से नहीं, विश्वास से होता है।

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास : लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

ललित गर्ग।

लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।

100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं। विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है।

विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए, जहाँ तीखी असहमति भी मर्यादा में व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। अविश्वास प्रस्ताव जैसे कदम यदि चेतावनी के रूप में लिए जा रहे हैं, तो उन्हें आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। प्रश्न यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि लोकतंत्र की संस्था को कैसे स्वस्थ, विश्वसनीय और प्रभावी बनाया जाए।

जनता ने सांसदों को नारे लगाने या कार्यवाही बाधित करने के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर गंभीर विमर्श के लिए चुना है। यदि संसद इस अपेक्षा पर खरी नहीं उतरती, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है। यह भी तथ्य है कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में श्री ओम बिरला का संसदीय संचालन अब तक सामान्यतः अनुशासित, कार्यकुशल और नियमसम्मत माना जाता रहा है। उनके कार्यकाल में लोकसभा की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने, विधायी कार्यों को प्राथमिकता देने और विभिन्न दलों को साथ लेकर चलने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अनेक अवसरों पर उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है तथा संसदीय परंपराओं और नियमों के पालन पर बल दिया है।

भारत को अपनी उपलब्धियों को बचाए रखने हेतु एआई के उपयोग की जरूरत

रुबल चिब

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर चल रहा विमर्श अब परिपक्व होता जा रहा है। ध्यान अब अमूर्त क्षमता से हटकर व्यावहारिक प्रभाव पर केन्द्रित होता जा रहा है। चर्चा एआई की सैद्धांतिक क्षमता से हटकर व्यवहार में उसके द्वारा हल की जा सकने वाली समस्याओं पर टिकती जा रही है। खाद्य और कृषि जैसे कुछ ही क्षेत्र इस अंतर को इतनी स्पष्टता से दर्शा पा रहे हैं। ये वो क्षेत्र हैं जहां अक्षमताएं मामूली नहीं बल्कि प्रणालीगत हैं और प्रौद्योगिकी को जहां जलवायु, लॉजिस्टिक्स एवं बाजार से जुड़ी गहरी स्थानीय वास्तविकताओं के दायरे में काम करना चाहिए। खाद्य प्रणालियां इस समस्या को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। भारत अपनी आबादी को खिलाने के लिए पर्याप्त से अधिक उत्पादन करता है, फिर भी अनुमानित 68 मिलियन टन भोजन हर साल बर्बाद हो जाता है। इसमें अनियमित आपूर्ति, खराब गुणवत्ता मूल्यांकन और खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के कारण कटाई के बाद 35-40 प्रतिशत फल एवं सब्जियां नष्ट हो जाती हैं। संकट उत्पादन का नहीं, बल्कि रोके जा सकने वाले नुकसान का है। यह नुकसान किल्लत का नहीं, बल्कि पैदावार एवं उपभोग और आंकड़ों एवं निर्णय लेने की प्रक्रिया के बीच के असंतुलन का नतीजा है। सालों से, गुणवत्ता और समय से जुड़ी विश्वसनीय एवं वास्तविक जानकारियों का अभाव भारतीय किसानों तथा नियामकों के लिए एक चुनौती बना हुआ है। जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप डिजाइन किया जाता है, तो यह इस खाई को पाटने का एक रास्ता खोलती है। जैविक वास्तविकता और आर्थिक निर्णय लेने की प्रक्रिया के बीच की यह खाई ही वह क्षेत्र है जहां व्यावहारिक एआई का खासा कारगर हो सकता है। क्यूजेंस लैब्स में, हमारा काम एक साधारण अवलोकन से शुरू हुआ: अब जबकि भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे ने भुगतान, पहचान और सेवाओं की आपूर्ति को पूरी तरह बदल दिया है, गुणवत्ता का आकलन करने के तरीके के मामले में खाद्य अर्थव्यवस्था काफी हद तक एनालॉग ही बनी हुई है। 'क्यूस्कैन' नाम की जो एआई-संचालित संवेदन प्रणाली हमने विकसित की है, वह फलों और सब्जियों में आंतरिक गुणवत्ता संबंधी संकेतों को पकड़ने हेतु अवरक्त (इंफ्रारेड) स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा कृत्रिम सूंघने की क्षमता (आर्टिफीशियल ओल्फैक्शन) का उपयोग करती है और उन्हें निर्णय लेने के समय उपयोगी जानकारियों में परिवर्तित करती है। इरादा स्वचालन को सिर्फ दिखावे की मंशा से लागू करना भर नहीं, बल्कि कम लाभ पर काम करने वाले उपभोक्ताओं, किसानों और खुदरा विक्रेताओं के लिए अनिश्चितताओं को कम करना था। इस अनुभव से यह बात स्पष्ट हो गई है कि एआई की प्रभावशीलता मूल रूप से संदर्भ पर निर्भर करती है। विदेशी आंकड़े (डेटासेट) या मानकीकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं पर प्रशिक्षित मॉडल भारत की उन विविधता भरी परिस्थितियों में विफल हो जाते हैं, जहां फसलों की किस्में, जलवायु, भंडारण की पद्धतियां और बाजार की संरचनाएं विभिन्न क्षेत्रों में बिल्कुल ही अलग-अलग होती हैं। खासकर खाद्य प्रणालियों में, सटीकता को स्थानीयता से अलग नहीं किया जा सकता। भारतीय उपज, भारतीय लॉजिस्टिक्स और भारतीय व्यवहारिक मानदंडों को न समझने वाली एआई के लिए न्यूनतम रूप से अप्रासंगिक और अधिकतम रूप से भ्रामक होने का जोखिम होता है। इसीलिए संप्रभु एवं घरेलू जड़ों में निहित एआई पर वर्तमान नीतिगत जोर सामयिक और जरूरी, दोनों है। 'इंडियाएआई मिशन' कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति राज्य के दृष्टिकोण में एक स्पष्ट बदलाव का संकेत देता है - इसे रोजमर्रा की वास्तविकताओं से कटे एक अत्याधुनिक तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि विकासात्मक बुनियादी ढांचे के रूप में देखा जा रहा है। स्वदेशी एआई अनुप्रयोगों के लिए लक्षित वित्तपोषण, राष्ट्रीय कंप्यूटिंग क्षमता में निवेश, भारतीय डेटासेट के लिए समर्थन और क्षेत्र-विशिष्ट समाधानों को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों के जरिए, यह मिशन सक्रिय रूप से एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है जहां नवाचार स्थानीय जरूरतों पर आधारित है। स्वदेशी मॉडलों, स्टार्टअप और जनहित की परियोजनाओं का समर्थन करके, यह मिशन अन्य भौगोलिक क्षेत्रों से लिए गए एआई प्रणालियों के बजाय भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप डिजाइन की गई एआई प्रणालियों के लिए जगह बना रहा है। खाद्य और कृषि के उदाहरणों से साफ होता है कि यह क्यों महत्वपूर्ण है। फसल की कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने से किसानों की आय, खाद्य पदार्थों की कीमतों और पर्यावरण से जुड़े नतीजों पर सीधा असर पड़ता है। बचाई गई उपज की प्रत्येक इकाई भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों पर दबाव को कम करती है, जोकि जलवायु परिवर्तन और जिम्मेदार उपभोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है। अक्सर व्यवहार में बदलाव या नए इनपुट की जरूरत वाले उपज बढ़ाने के उपायों के उलट, बेहतर गुणवत्ता मूल्यांकन समन्वय में सुधार करके बेहतर नतीजों को संभव बनाता है - जिससे प्रणाली सही समय पर कार्य करने में सक्षम होती है। समावेशन का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक हित में एआई का सदुपयोग तभी संभव है जब यह सिर्फ बड़े उद्यमों के बजाय छोटे व्यवसायों के लिए भी सुलभ हो। भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था में इसका आशय ऐसे उपकरणों से है जो अनौपचारिक बाजारों में काम करें, स्थानीय भाषाओं का समर्थन करें और मानवीय निर्णय को दरकिनार करने के बजाय उसका पूरक बनें। अस्पष्ट सुझाव थोपने वाली प्रौद्योगिकियां विश्वास अर्जित करने के लिए जूझेंगी। अदृश्य जानकारी को दृश्यमान बनाकर निर्णय लेने की प्रक्रिया को सुगम बनाने वाली प्रौद्योगिकियों के स्वाभाविक रूप से व्यापक होने की संभावनाएं कहीं अधिक हैं। हमारे देश की राजधानी में 16 से 20 फरवरी 2026 के दौरान आयोजित होने वाला 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' ऐसे समय में हो रहा है जब ये अंतर और भी स्पष्ट होते जा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, एआई से जुड़ी चर्चाएं शक्तियों के केन्द्रीकरण, डेटा संबंधी विषमताओं और पर्यावरण से जुड़ी कीमतों जैसे मुद्दों से जूझ रही हैं। भारत के लिए मौका एक अलग राह दिखाने में निहित है, एक एक ऐसी राह जहां बुद्धिमत्ता विकेन्द्रीकृत, संदर्भों के प्रति जागरूक और वास्तविक आर्थिक प्रणालियों में समाहित हो। कृषि, खाद्य संबंधी लॉजिस्टिक्स और जलवायु अनुकूलन एआई से जुड़ी कहानी में हाशिए पर नहीं, बल्कि इसके केन्द्र में हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एआई अपने आप ही प्रभाव उत्पन्न नहीं करता। इसके लिए विषय-वस्तु की गहरी समझ, जटिल नीतिगत वास्तविकताओं के प्रति धैर्य और सार्वजनिक संस्थानों के साथ घनिष्ठ समन्वय की जरूरत होती है। हालांकि, जब ये शर्तें पूरी की जाती हैं, तो एआई उन क्षेत्रों को चुपचाप बदल सकता है जिन्होंने लंबे समय से सुधार का विरोध किया है। यह बदलाव व्यवधान के जरिए नहीं, बल्कि पूर्व में लिए गए बेहतर निर्णयों के जरिए होता है। इम्पैक्ट समिट जैसे-जैसे करीब आता जा रहा है, नीति निर्माताओं, प्रौद्योगिकीविदों और उद्यमियों के सामने एआई को अंधाधुंध रूप से अपनाने के बजाय सोच-समझकर और गहराई से लागू करने की चुनौती है। सफलता को मॉडल के मानकों के बजाय अपव्यय को कम करने, आय को स्थिर करने और सुदृढ़ता को मजबूत करने में बुद्धिमत्ता की कामयाबी के आधार पर मापा जाना चाहिए। भारत के विकास के कई अन्य क्षेत्रों की तरह, खाद्य प्रणालियों में एआई का सबसे बड़ा योगदान शायद समय रहते कार्रवाई करने में हमारी मदद करना ही है।

(लेखिका क्यूजेंस लैब्स प्राइवेट लिमिटेड की सह-संस्थापक हैं)

प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, गुरूवार, 12 फरवरी 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

औद्योगिक और शैक्षणिक क्रांति का शंखनाद

बजट 2026-27 आत्मनिर्भर और विकसित भारत का स्पष्ट रोडमैप-बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने बुधवार को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 पर हो रही सामान्य चर्चा में भाग लेते हुए इसे %आत्मविश्वास का बजट% करार दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण को समर्पित है। सांसद बृजमोहन ने कहा कि, बीते ग्यारह वर्षों में देश ने गति पाई है, गौरव पाया है, वैश्विक पहचान बनाई है। आज भारत इस बजट के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत बन रहा है। 2026 का बजट आत्मविश्वास का परिणाम है। यह बजट कहता है अब भारत रुकेगा नहीं, अब भारत झुकेगा नहीं, अब भारत

थमेगा नहीं।

छत्तीसगढ़ के विकास को मिलेगी नई ऊंचाई

सांसद अग्रवाल ने बजट के प्रावधानों को छत्तीसगढ़ की प्रगति से जोड़ते हुए कहा कि %भारत विस्तार एआई (द्व) मिशन% के तहत अब राज्य के किसानों को छत्तीसगढ़ी भाषा में खेती की उन्नत तकनीक सिखाई जाएगी। उन्होंने धान के समर्थन मूल्य का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस काल के 1310 रुपये के मुकाबले आज मोदी सरकार 2369 रुपये दे रही है, जबकि छत्तीसगढ़ में %मोदी की गारंटी% के तहत 3100 रुपये में खरीदी कर किसानों को समृद्ध किया जा रहा है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव

सदन को संबोधित करते हुए श्री अग्रवाल ने आंकड़ों के जरिए विकास की रफ्तार को रेखांकित किया उन्होंने कहा कि, कांग्रेस शासन के 12 किमी प्रतिदिन के मुकाबले आज 33 किमी प्रतिदिन सड़कें बन रही हैं। पहले जहाँ 6.4 किमी प्रतिवर्ष रेलवे ट्रैक बिछते थे, आज 100 किमी प्रतिवर्ष का लक्ष्य हासिल किया जा रहा है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तहत दानकुनी से सूरत तक बनने वाला कॉरिडोर छत्तीसगढ़ से गुजरेगा, जिससे राज्य में औद्योगिक क्रांति आएगी। वहीं भुवनेश्वर से विशाखापट्टनम कॉरिडोर का लाभ भी छत्तीसगढ़ को मिलेगा।

सांसद बृजमोहन ने बताया कि बजट में रेयर अर्थ और सेमीकंडक्टर मिशन के लिए 40,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे छत्तीसगढ़ में मिले लिथियम 15,000 नए स्कूलों व 5,000 कॉलेजों की स्थापना की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ये संस्थान अब केवल खेल के मैदान नहीं, बल्कि अनुसंधान की प्रयोगशालाएं बनेंगे।

अन्नदाता का मान ही हमारी सरकार की पहचान -सीएम साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को ?3100 प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि होली पर्व से पूर्व एकमुश्त प्रदान की जाएगी। इस निर्णय के तहत लगभग ?10,000 करोड़ की राशि 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता भाइयों-बहनों की मुस्कान ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि सरकार

केवल धान की खरीदी नहीं करती, बल्कि किसानों के परिश्रम का उचित मूल्य सुनिश्चित करना और उनके सम्मान की रक्षा करना अपना दायित्व मानती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस निर्णय से किसानों को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही उत्सव का उल्लास बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में राज्य के 25 लाख 24 हजार 339 किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत बीते दो वर्षों में किसानों को धान मूल्य अंतर की राशि के रूप में ?25,000 करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। होली से पूर्व किसानों के खाते में ?10,000 करोड़ के भुगतान के साथ यह राशि बढ़कर ?35,000 करोड़ से अधिक हो जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसान प्रदेश की आत्मा और अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव हैं। उनकी मेहनत और पसीने से ही राज्य की समृद्धि सुनिश्चित होती है। राज्य सरकार किसानों की खुशहाली, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

निजी हॉटल सहित अन्य आवासीय इकाइयों का टुरिज्म बोर्ड के साथ कराना होगा पंजीयन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार सम्भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटकों को सुरक्षित गुणवत्तापूर्ण एवं मानक सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने हेतु निजी होटलों, लॉज, रिसॉर्ट, होम स्टे एवं अन्य आवासीय इकाईयों का छत्तीसगढ़ टुरिज्म बोर्ड साथ पंजीयन कराना आवश्यक किया गया है।

कलेक्टर दीपक सोनी ने जिले में संचालित निजी होटलों, लॉज, रिसॉर्ट, होम स्टे एवं अन्य आवासीय इकाईयों का पंजीयन हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को समयबद्ध पंजीयन कराने के निर्देश दिये है।पंजीयन की प्रक्रिया ऑनलाइन टुरिज्म बोर्ड के वेबसाईट tourism. cgstate. gov. in/hotel- registration sew ऑफलाइन दोनों माध्यम से किया जा सकेगा।

बस्तर पण्डुम एवं ओलंपिक जैसे आयोजन से बस्तर को वैश्विक पहचान मिली है - किरण देव

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने बस्तर संभाग को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि बस्तर में आज विकास की बयार चल रही है। बस्तर अंचल की सोच अब तेजी से बदल

रही है। बस्तर अंचल की कलाकृति, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सरल जीवन, प्राकृतिक सौंदर्यता आज दुनिया में सबसे ज्यादा लोकप्रिय हुआ है। बस्तर पंडुम एवं बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन में देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने इस भव्य आयोजन में शामिल होकर बस्तर की संस्कृति को अलौकिक बताया, वहीं केन्द्रीय गृह अमित शाह बस्तर को एक विकसित अंचल बनाने के लिए कार्य कर रहें है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि आज बदले हुए बस्तर की झलक हाल ही में आयोजित बस्तर पंडुम महोत्सव में देखने को मिली जिसकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से खुले दिल से सराहना की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि बस्तर पंडुम ने बस्तर की संस्कृति, परंपरा और जनजातीय विरासत को राष्ट्रीय मंच पर मजबूती से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि जब बस्तर का नाम सुनते ही माओवाद और हिंसा की छवि सामने आती थी लेकिन आज यह क्षेत्र विकास शांति और स्थानीय लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास के लिए जाना जा रहा है। बस्तर की पहचान अब केवल संघर्ष की नहीं बल्कि सांस्कृतिक संभावनाओं की भूमि के रूप में उभर रही है।

15 वें वित्त आयोग मद से ढाई करोड़ में सड़क डामरीकरण के कार्य शीघ्र मार्गो को सुगम और सुव्यवस्थित स्वरूप देने का कार्य

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न वार्डो में जनप्रतिनिधि वार्ड पार्षदो की अनुशंसा से शीघ्र वार्डो के विभिन्न प्रमुख मार्गों में 15 वें वित्त आयोग मद अंतर्गत ढाई करोड रू. की स्वीकृत लागत से सड़क डामरीकरण के नये विकास कार्य करवाकर विभिन्न प्रमुख मार्गो को यातायात सुगम व सुव्यवस्थित बनाया जायेगा।

आज नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने निगम वित्त विभाग अध्यक्ष महेन्द्र खोडियार, निगम राजस्व विभाग अध्यक्ष अवतार भारती बागल, शहीद हेमूकालाणी वार्ड क्रमांक 28 की पार्षद श्रीमती कृतिका जैन, श्रीमती पुष्पा रोहित साहू, कैलाश बेहरा, पूर्व पार्षद भावेश पिथालिया, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि सुभाष अग्रवाल, महिलाओं, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवकों,

आमजनों सहित नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, नगर निगम अधीक्षण अभियंता इमरान खान, जोन 2 कार्यपालन अभियंता पी.डी घृतलहरे एवं अन्य संबंधित अभियंताओं की उपस्थिति में नगर निगम जोन 2 क्षेत्र अंतर्गत नहर पारा झूलेलाल चौक में रोड टारींग मशीन के समक्ष श्रीफल फोड़कर एवं कुदाल चलाकर सडक डामरीकरण के नये विकास कार्यों को भूमिपूजन करते हुए शुभारंभ किया।

झूलेलाल चौक नहर पारा में सड़क डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन कर शुभारंभ, महापौर मीनल चौबे और सभापति सूर्यकांत राठौड ने एमआईसी सदस्यों, पार्षद सहित करके नागरिको सहित दी शानदार सौगात, सडक निर्माण के दौरान ढाल का विशेष ध्यान रखने दिये निर्देश

महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति सूर्यकांत राठौड ने नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर और अधीक्षण अभियंता को तत्काल संबंधित स्वीकृत मार्गों में सडक डामरीकरण के नये विकास कार्य प्रारंभ करवाकर शीघ्र सतत मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता युक्त तरीके से जनहित में जनउपयोग हेतु प्राथमिकता से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया। अधिकारियों को सडक डामरीकरण के नये विकास कार्य करवाने के दौरान सड़क की ढाल का विशेष ध्यान रखने महापौर और सभापति ने निर्देशित किया ताकि सड़क किनारे निकास सुगमता से कायम हो सके और लंबे समय तक नये सड़क डामरीकरण कार्यों का वांछित लाभ नागरिको को प्राप्त हो सके।

मोर पेड़ मोर दाई अभियान चलाने की निगम आयुक्त विश्वदीप को दी गयी जानकारी

सेब का जैविक प्राकृतिक पौधा किया भेंट, लोगों को जैविक, प्राकृतिक फल उपलब्ध होगा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

हरिहर बहिनी संस्था द्वारा रायपुर शहर में चलाये जा रहे मोर पेड़ मोर दाई अभियान को लेकर हरियाली दीदी श्रीमती पुष्पा साहू के कृषि वैज्ञानिक डॉ कृष्ण कुमार साहू और महिला सामाजिक कार्यकर्त्ता सुउषा साव और सुमंजू सहित नगर पालिक निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन में पहुंचकर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप से मिलकर उनसे मोर पेड़ मोर दाई अभियान रायपुर में प्रभावी तरीके से संचालित करने जनजागरण अभियान नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र में चलाने सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश देने का विनम्र अनुरोध किया.

राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में मोर पेड़ मोर दाई अभियान भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के महाभियान एक पेड़ माँ के नाम से प्रेरित होकर हरिहर बहिनी संस्था द्वारा चलाया जा रहा है. हरियाली दीदी ने हरिहर बहिनी संस्था की ओर से नगर निगम

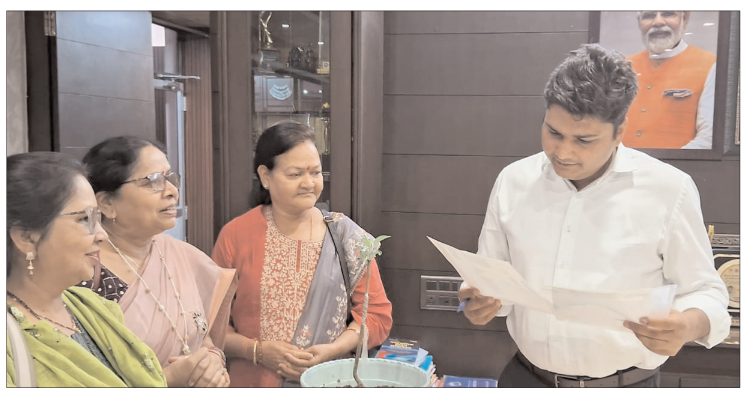

आयुक्त विश्वदीप को सेब का जैविक प्राकृतिक पौधा भेंट किया.

इस अभियान के सम्बन्ध में श्रीमती पुष्पा साहू हरियाली दीदी ने नगर निगम आयुक्त विश्वदीप को बताया कि भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के आव्हान पर देश भर में चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम महाभियान को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने एवं इसका सफल क्रियान्वयन करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर शहर की हरिहर बहिनी संस्था द्वारा मोर पेड़ मोर दाई अभियान चलाया जा रहा है इसके अंतर्गत लोगों द्वारा स्वयं के घर प्रांगण में जमीन /बरामदा/ बालकनी / छत में अपनी मां के नाम पर एक फलदार पेड़ का वृक्षारोपण करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है घर के सभी सदस्यों द्वारा स्वयं के खर्च से उत्साहपूर्वक फलदार पौधा लगाया जा रहा है छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में इस प्रयास का अच्छा परिणाम मिल रहा है. इस अभियान के तहत एक घर में परिवार के सदस्यों द्वारा तीन से पांच फलदार पौधे लगाये जा रहे हैं एवं इस अभियान से जुड़कर वे इस पुनीत कार्य को अन्य लोगों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं इसका सीधा लाभ यह होगा कि लोगों को जैविक/ प्राकृतिक फल उपलब्ध होगा. साथ ही घर - घर में अधिक आक्सीजन मिलेगा तथा पर्यावरण संरक्षण भी होगा ।

नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने हरिहर बहिनी संस्था द्वारा रायपुर शहर में भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के एक पेड़ माँ के नाम चलाये जा रहे महाभियान से प्रेरित होकर चलाये जा रहे मोर पेड़ मोर दाई अभियान की जानकारी को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की है और भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी से प्रेरित मोर पेड़ मोर पेड़ अभियान को लेकर जनजागरण अभियान चलाने में यथासम्भव सहयोग की बात कही है द्य

स्वस्थ समाज ही समृद्ध राज्य की नींव- सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जीपीएम जिले की स्थापना की छठवीं वर्षगांठ के अवसर पर जिले को स्वास्थ्य क्षेत्र की एक बड़ी सौगात दी है। उन्होंने जिला अस्पताल के नवीन भवन के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। नवीन जिला अस्तपाल करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होगा। यह अत्याधुनिक अस्पताल 100 बिस्तरयुक्त होगा। इस अस्पताल के बनने से जिले के नागरिकों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक प्रणव मरपच्ची ने की।

،द्यह्यश ऋड्डुस्र - परिवहन विभाग ने कर व शास्ति बकाया होने के कारण पांच वाहनों को किया जप्त

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते

हुए कहा कि स्वस्थ समाज ही समृद्ध राज्य की नींव होता है। जीपीएम जिले में नए अस्पताल भवन का निर्माण स्वास्थ्य सुविधाओं को नई मजबूती देगा। टीबी मुक्त और बाल विवाह मुक्त पंचायतें इस बात का प्रमाण हैं कि जब शासन और समाज मिलकर काम करते हैं, तो बड़े सामाजिक बदलाव संभव होते हैं। छत्तीसगढ़ को रोगमुक्त, सुरक्षित और सशक्त बनाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में जिले की 52 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त एवं 71 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया। इन पंचायतों के सरपंचों को प्रशस्ति पत्र एवं महात्मा गांधी जी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि बाल विवाह मुक्त घोषित ग्राम पंचायतों में पिछले दो वर्षों में एक भी बाल विवाह के प्रकरण सामने नहीं आए हैं, वहीं टीबी मुक्त पंचायतों में दो से तीन वर्षों से कोई नया प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने सैलरी पैकेज के लिए एमओयु पर हस्ताक्षर किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारत का अंतर्राष्ट्रीय बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के कर्मचारियों को सैलरी पैकेज देने के लिए एक एमओयुपर हस्ताक्षर किया है। एमओयु पर छत्तीसगढ़ सरकार की विशेष सचिव (वित्त) श्रीमती शीतल शाश्वत वर्मा और बैंक ऑफ़ बड़ौदारायपुर अंचल के महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख दिवाकर पी. सिंह ने हस्ताक्षर किए । इस अवसर पर उप महाप्रबंधक व क्षेत्रीय प्रमुख,रायपुर किसलय प्रसाद भी उपस्थित थे।

बैंकऑफ़बड़ौदाइस कस्टमाइज़्ड सैलरी पैकेजमें 2.00 करोड .रुपये का कुलदुर्घटना बीमा (व्यक्तिगतदुर्घटनाबीमा + हवाईदुर्घटनाबीमा) और 12.00* लाख रुपये तक का जीवन बीमा कवरप्रदान कर रहा है।मृत्य होनेकी स्थिति में,बैंकसंतान की

उच्चशिक्षा और बालिका के विवाह केलिए एक निर्दिष्टसीमा तक अतिरिक्त सहायता राशि भी प्रदान कर रहाहै । इसके साथ हीड्यूटीपर दुर्घटना होने पर अतिरिक्त 25 ,अधिकतम 25 लाखरुपये,तकव्यक्तिगतदुर्घटनाबीमामेंलाभमिलेगा।इन सबके अतिरिक्त होम, ऑटो, एजुकेशन औरपर्सन लोन के प्रोसेसिंग चार्ज परछूट, वेतन सीमा के आधार पर ओवर ड्राफ्ट सुविधा भी उपलब्ध है। इस कस्टमाइज़्ड सैलरी पैकेज में अन्य अतिरिक्त सेवाएँ जैसे डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, चेक बुक, डिमांड ड्राफ्ट, , ट्रांज़ैक्शन चार्ज, डीमैट अकाउंट का वार्षिक मेंटेनेंस चार्ज*, लॉकर रेट पर 50% छूट* आदि भी शामिल हैं । बैंक ऑफ़ बड़ौदा के संबंध में 20 जुलाई, 1908 को सर महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा की स्थापना की थी । यह भारत के जाने-माने वाणिज्यिक बैंकों में से एक है।,63.97% हिस्सेदारी के साथ इसका मालिकाना हक भारत सरकार के पास है। बैंक वैश्विक स्तर पर अपने 9180 मिलियन से ज़्यादा कस्टमर बेस को पाँच महाद्वीपों के 15 देशों में फैले लगभग 65,000 टच पॉइंट्स और बैंकिंग प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए सभी बैंकिंग प्रोडक्ट और सेवाएँ निर्धाब रूप से प्रदान कर रहा है। बैंक का दृष्टिकोण अपने विविध ग्राहक आधार की आकांक्षाओं स मेलखाता है।

और बैंक के साथ उनके सभी व्यवहारों में विश्वास और सुरक्षा कीभावनाविकसित करनाहै।

विधायक मोतीलाल साहू ने पार्षदो सहित जोन 9 के विभिन्न वार्डो में 1 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर - आज रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर जोन 9 क्षेत्र अंतर्गत कुशाभाउ ठाकरे वार्ड पंडित विद्याचरण शुक्ल वार्ड, डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड में 8 विभिन्न नये विकास कार्यो सीसी रोड निर्माण, धीवर समाज भवन के पास दलदल सिवनी में शेड निर्माण, रहेजा अर्थ के पास अधूरी सड़क का विस्तार लाभांडी हाई स्कूल में शेड रंगमंच निर्माण, स्कूल में एक अतिरिक्त कक्ष निर्माण, स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय मोवा में रंगमंच शेड निर्माण, वार्ड 11 में रोड निर्माण एवं रोड और नाली

का निर्माण कार्य का 1 करोड 4 लाख 35 हजार की लागत से लोकार्पण कर नगरवासियों को अनुपम सौगात दी। ग्रामीण विधायक ने लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, महात्मा गांधी वार्ड, कुशाभाउ ठाकरे वार्ड, पंडित विद्याचरण शुक्ल वार्ड में नाला निर्माण कार्य सीसी रोड निर्माण कार्य, सामुदायिक भवन व चबूतरा निर्माण कार्य, शौचालय निर्माण कार्य के विविध नये विकास कार्यों का 7 भिन्न स्थानो पर 2 करोड 57 लाख 4 हजार की लागत से श्रीफल फोडकर व भूमिपूजन करते हुए वार्डवासियों को शानदार सौगात दी

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने जोन 9 अध्यक्ष गोपेश साहू, एमआईसी सदस्य खेमकुमार सेन, पार्षद श्रीमती सावित्री धीवर, देवदत्त द्विवेदी, मोहन कुमार साहू, श्रीमती प्रभा मनोज विश्वकर्मा, श्रीमती रेणु जयंत साहू सहित जोन 9 कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर, कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव, सहायक अभियंता सैयद जोहेब, उप अभियंता श्रीमती अंकिता जनार्दन सहित मंडल अध्यक्षो, महिलाओ, सामाजिक कार्यकर्ताओं, गणमान्यजनो, नवयुवको, आमजनो की बड़ी संख्या में उपस्थिति के मध्य 1 करोड से अधिक के 8 स्थानो पर नये विकास कार्यों का लोकार्पण करते हुए और 7 स्थानो पर 2 करोड 50 लाख से अधिक के कार्यों हेतु भूमिपूजन करते हुए अनुपम सौगात नागरिको को दी ।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत आवेदनों का समय सीमा में करें निराकरण – कलेक्टर

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर आकाश छिकारा ने कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करें, अन्यथा संबंधित कर्मचारी को अर्थदण्ड अधिरोपित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि शासन के महत्वपूर्ण निर्देशों का और प्राथमिकता वाले योजनाओं के क्रियान्वयन को समय सीमा में पूरा किया जाना है। उक्त विषय की समीक्षा हर साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में होगी, इसकी जानकारी सभी विभाग अद्यतन कर रखें। कलेक्टर आकाश बुधवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक ले रहे थे। बैठक में कलेक्टर ने सम्पूर्णता अभियान के संकेतकों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी अपने अनुभाग क्षेत्र में पीडीएस दुकानों के निगरानी समिति का गठन करवाएँ। तहसीलदारों के द्वारा

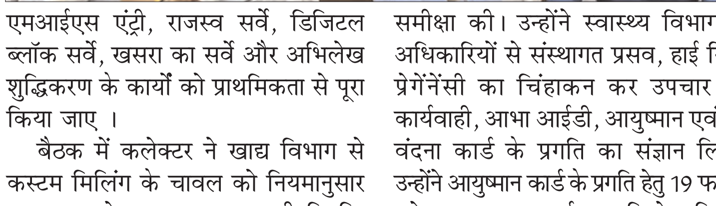

एमआईएस एंट्री, राजस्व सर्वे, डिजिटल ब्लॉक सर्वे, खसरा का सर्वे और अभिलेख शुद्धिकरण के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जाए ।

बैठक में कलेक्टर ने खाद्य विभाग से कस्टम मिलिंग के चावल को नियमानुसार जमा करवाने, धान का उठाव की स्थिति, चावल उत्सव का आयोजन, खाद्यान भण्डारण की स्थिति, एफआरके के तहत भण्डारण की स्थिति और ई-केवाईसी की स्थिति की समीक्षा किए। महिला एवं बाल विकास विभाग के सक्षम आंगनबाड़ी, पोषण ट्रैकर के तहत पोषण आहार सामग्री वितरण, मातृ वंदना योजना की प्रगति, 0-6 वर्ष के बच्चों का सेल्फ आधार की जानकारी, बच्चों का आधार नंबर पोषण ट्रैकर पोर्टल पर एंट्री की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से संस्थागत प्रसव, हाई रिस्क प्रेगेनेंसी का चिंहाकन कर उपचार हेतु कार्यवाही, आभा आईडी, आयुष्मान एवं वय वंदना कार्ड के प्रगति का संज्ञान लिया। उन्होंने आयुष्मान कार्ड के प्रगति हेतु 19 फरवरी को आयुष्मान कार्ड का विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए, जिसमें लंबित वाले गांवों के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके कलेक्टर ने कहा कि नवजात बच्चों का टीकाकरण समय पर पूर्ण करवाएं, लक्ष्य के आधार पर कार्यवाही कर आरसीएच पोर्टल पर संख्या दर्ज करवाएं। टीकाकरण में एक भी बच्चा नहीं छूटना चाहिए। अस्पतालों में एएनएम की अनुपस्थिति में टीकाकरण हेतु लिंक कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई जाए। साथ ही कोल्ड चैन से दवाइयों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करें। बैठक में आदि कर्मयोगी, नक्सल पुर्नवास नीति, लखपति योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, पीएम सूर्य घर के लक्ष्य, योजना के बैंक के संबंधित प्रकरणों का तत्काल निराकरण, सामाजिक सहायता पेंशन के लिए चिन्हांकित केंद्रीय स्कीम पेंशन, डीएलसी की प्रगति, किसान क्रेडिट कार्ड के बैंक से प्रकरणों मे आवश्यक प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत आधार सीडिंग की प्रगति, एग्रीस्टैक की प्रगति के लंबित पंजीयन को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुनादी करवाकर किसानों को एग्रीस्टैक कहा कि उल्लास साक्षरता अभियान के तहत ताकि शत-प्रतिशत साक्षर जिला का लक्ष्य को पूरा किया जा सके। उन्होंने पीएम स्कूल के आवश्यक निर्माण कार्यो की प्रगति एवं मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के निर्माण का सत्यापन करवाने के निर्देश दिए।

धान के साथ वैकल्पिक फसलों की ओर बढ़ते धमतरी के किसान

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

धमतरी जिले में कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव के संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। पारंपरिक धान फसल के साथ-साथ अब किसान फसलचक्र परिवर्तन को अपनाते हुए दलहन, तिलहन एवं मोटे अनाजों की खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं। सरसों, चना, मक्का के साथ-साथ रागी (मंडुआ) की खेती में भी जिले में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। यह परिवर्तन न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि भूमि की उर्वरता बनाए रखने और जल संरक्षण की दिशा में भी उपयोगी साबित हो रहा है।

जिले में वर्तमान रबी मौसम के दौरान दलहन फसलों के अंतर्गत चना, अरहर एवं मसूर की खेती की जा रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार जिले में दलहन फसलें लगभग 18,450 हेक्टेयर क्षेत्र में बोई गई हैं, जिनमें चना का क्षेत्रफल लगभग 14,200 हेक्टेयर, अरहर 2,150 हेक्टेयर एवं मसूर लगभग 2,100 हेक्टेयर है। वहीं तिलहन फसलों में सरसों प्रमुख रूप से किसानों द्वारा अपनाई जा रही है। जिले में तिलहन फसलें लगभग 9,600 हेक्टेयर क्षेत्र में ली जा रही हैं, जिनमें सरसों का रकबा 8,300 हेक्टेयर तथा अन्य तिलहन फसलें 1,300 हेक्टेयर में बोई गई हैं।

इसी कड़ी में मोटे अनाजों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिले में रागी फसल की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। रागी कम लागत में अधिक पोषण देने वाली एवं कम पानी में तैयार होने वाली फसल है, जिससे छोटे एवं सीमांत किसानों को विशेष लाभ मिल रहा है। वर्तमान में धमतरी जिले में रागी फसल लगभग 1,250 हेक्टेयर क्षेत्र में ली जा रही है, जिसमें करीब 1,180 किसान रागी की खेती कर रहे हैं। जिले के मगरलोड विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी (म), भटगांव, सिरकट्टा आदि में रागी फसल की रोपाई का कार्य प्रगति पर है, जहां इस कार्य में महिला कृषकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं खेतों में रागी की रोपाई कर आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। इससे ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलने के साथ-साथ उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो रहा अबिनाश मिश्रा ने कहा कि 'धमतरी जिले में फसलचक्र परिवर्तन को प्रोत्साहित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

निःशुल्क नेत्रजांच एवं चश्मा वितरण शिविर का सफल आयोजन

छोटेडोंगर/ नारायणपुर, प्रतिदिन राजधानी

जायसवाल निको इंडस्टीज लिमिटेड छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान जिला नारायणपुर द्वारा समय समय पर सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतरगत ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने के लिए कार्य करती आ रही है इसी सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतरगत जायसवाल निको इंडस्टीज लिमिटेड छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान जिला नारायणपुर द्वारा तीन दिवसीय निःशुल्क नेत्रकजांच एवं चश्मा वितरण शिविर का सफल आयोजन राजपुर,बड़गाव एवं छोटेडोंगर ग्राम में किया गया।

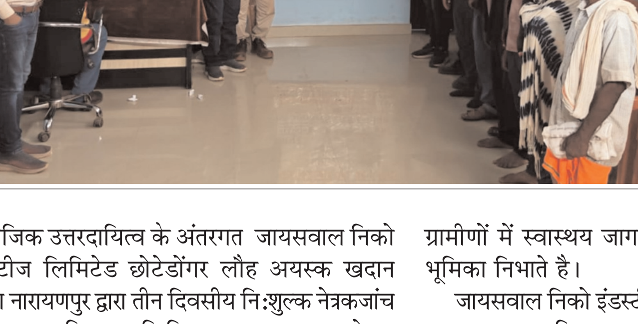

तीन दिवसीय निःशुल्क नेत्रजांच एवं चश्मा वितरण शिविर में कुल 245 से अधिक ग्रामीणों ने अपना नेत्र जाँच कराया।

इस शिविर में कुशल नेत्र विशेषज्ञों की टीम ने ग्रामीणों की आँखों की जांच की और गंभीर नेत्र पीड़ित मरीजों को आवश्यक परामर्श दिया गया एवं उपचार की सलाह दी गई तथा उसके अनुरूप चश्मा निर्माण के लिए प्रेषित किया गया। जिसे चश्मा बनने के बाद में निको आफिस छोटेडोंगर के माध्यम से वितरण किया जायेगा।

ऐसे शिविर ग्रामीणों में स्वास्थय जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

जायसवाल निको इंडस्टीज लिमिटेड छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान जिला नारायणपुर द्वारा भविष्य में भी ऐसे स्वस्थ्य शविर आयोजित करने का संकल्प लिया

गंगरेल-ठेमली आईलैंड को विकसित करने प्रशासन प्रतिबद्ध : कलेक्टर मिश्रा

पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और गुणवत्ता पूर्ण निर्माण पर दिया विशेष जोर

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज गंगरेल क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु संचालित विभिन्न विकास कार्यों तथा ग्राम ठेमली अंतर्गत ठेमली आईलैंड में प्रगति पर चल रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों ने पैदल चलकर पाथवे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और व्यू प्वाइंट और वाच टावर हेतु स्थल का भी चिन्हांकन किया।

कलेक्टर मिश्रा ने ठेमली आईलैंड में किये जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान वनमंडलाधिकारी कृष्ण जाधव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह ठाकुर, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने गंगरेल जलाशय के आसपास विकसित किए जा रहे पर्यटन अधोसंरचना कार्यो जैसे पहुंच मार्गों का सुदृढ़ीकरण, सौंदर्यीकरण, पर्यटक सुविधाओं का विस्तार, स्वच्छता व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन तथा सांकेतिक बोर्ड की स्थापना की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गंगरेल धमतरी जिले

की पहचान है और इसे एक सुव्यवस्थित, स्वच्छ एवं आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यटन विकास से स्थानीय युवाओं, महिला स्व-सहायता समूहों एवं ग्रामीण उद्यमियों के लिए स्वरोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। ठेमली आईलैंड, जो गंगरेल जलाशय के मध्य स्थित एक प्रमुख आकर्षण के रूप में उभर रहा है, वहां निर्मित हो रहे खरंजा फुटपाथ, विश्राम स्थल, बैठने की व्यवस्था, रेलिंग, सोलर लाइटिंग, व्यू प्वांइट एवं हरित क्षेत्र विकास कार्यों का कलेक्टर ने अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों तथा दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि फुटपाथ का निर्माण स्वीकृत मानक डिजाइन के अनुरूप हो तथा वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या से बचाव हेतु समुचित ढलान एवं ड्रेनेज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि ठेमली आईलैंड में पर्यटकों की सुविधा हेतु पेयजल, शौचालय, कचरा प्रबंधन, पार्किंग, प्राथमिक उपचार किट एवं सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, पर्यटन स्थल की जानकारी देने हेतु आकर्षक सूचना पट्ट, दिशासूचक बोर्ड एवं स्थानीय जैव-विविधता से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की जाए, जिससे पर्यटक क्षेत्र की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं से अवगत हो सकें। उन्होंने वन विभाग एवं पंचायत विभाग को समन्वय स्थापित कर आईलैंड क्षेत्र में स्थानीय प्रजातियों का वृक्षारोपण, हरित पट्टी विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि विकास कार्य पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए किए जाएं, ताकि प्राकृतिक सौंदर्य अक्षुण्ण बना रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, तथा गुणवत्ता कलेक्टर ने कहा कि सुनियोजित प्रयासों, विभागीय समन्वय और जनसहभागिता से गंगरेल-ठेमली आईलैंड क्षेत्र निकट भविष्य में प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा।

पालिकाध्यक्ष के हाथों छात्राओं को साइकिल वितरित

बचेली, प्रतिदिन राजधानी

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पुराना मार्केट बचेली में मंगलवार को सरस्वती साइकिल वितरण योजना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती की पूजा एवं छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल, उपाध्यक्ष सतीश प्रेम चंदानी द्वारा किया गया।

इसके पश्चात अध्यक्ष ने रिबन काटकर साइकिल वितरण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह योजना बालिकाओं की नियमित उपस्थिति, आत्मनिर्भरता और शिक्षा में निरंतरता को बढ़ावा देती है। सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत कक्षा 9वीं की गरीबी रेखा के नीचे सभी वर्गों की 42 बालिकाओं को साइकिल प्रदान की गई। इससे दूर-दराज व ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अमलेंदु चक्रवर्ती, प्राचार्य चंद्रकला ठाकुर, वार्ड पार्षद विलासिनी धन सिंह सिंह, विद्यालय शिक्षिकाएँ मीनू डोली दयाल, लक्ष्मी कुंजाम, मधुलिका श्रीवास्तव, परीक्षा चन्नावर, टी. साहू, संगीता कौशिक, रूपा झा, रूपम दास, अरे नागमणि, नूपुर सरकार एवं अन्य शिक्षकों का सराहनीय सहयोग रहा।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में दिया जाएगा विभिन्न पाठ्यक्रमां में निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण आवेदन 18 तक

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 18 फरवरी है। सहायक परियोजना अधिकारी, जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 से 45 वर्ष तक होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सुरक्षा गार्ड प्रशिक्षण के लिए शैक्षणिक 6 इंच ऊंचाई वाले पुरूष अभ्यर्थी आवेदन संचालक (नलजल मित्र), असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन, टेक्सी ड्रायवर, रिटेल (सेल्समेन), एफटीसीपी (कम्प्यूटर हार्डवेयर) प्रशिक्षण के लिए दसवीं पास तथा फील्ड टेक्नीशियन-एसी रिपेयरिंग प्रशिक्षण के लिए शैक्षणिक योग्यता बारहवीं पास होना अनिवार्य है।

संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम में कोंडागांव के कलाकारों ने वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति से मोहा मन

वाद्य यंत्रों के प्रदर्शन और आंचलिक साहित्य में कोंडागांव

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

जनजातीय संस्कृतियों और परंपराओं से सजे संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम का भव्य समापन सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं का मनोहारी प्रदर्शन विभिन्न जिलों से आए कलाकारों द्वारा किया गया।

कोंडागांव जिले के केशकाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम कलेपाल के रजऊ मंडावी और उनके साथियों वाद्य यंत्रों के प्रदर्शन और आंचलिक साहित्य प्रदर्शन में श्री उत्तम नाईक प्रथम स्थान प्राप्त किया। समापन कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कलाकारों को चेक और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। शासन द्वारा जनजातीय कला एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन हेतु आयोजित बस्तर पंडुम में रजऊ मंडावी और उनके साथियों ने बस्तर की पारंपरिक वाद्य यंत्रों मांदर, कोटोडका, मोहिर, निशान, ढोल सहित लगभग 19 वाद्य यंत्र से मनमोहक प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ शासन की यह आयोजन न केवल विलुप्त होती लोककलाओं, नृत्य, गीत और संगीत को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है, बल्कि युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का भी सशक्त प्रयास है। इस मंच के माध्यम से युवाओं में अपनी परंपराओं के प्रति गर्व की भावना विकसित हो रही है।

फौजी पिता ने बेटी के जन्मदिन पर बुनागांव स्कूल में कराया न्योता भोजन

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

कोंडागांव जिले के ग्राम बुनागाँव स्थित जनपद प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला में 9 फरवरी को न्योता भोजन का आयोजन किया गया। यह आयोजन सतीश कुमार नेताम और सारिका नेताम द्वारा अपनी पुत्री गंगा नेताम के जन्मदिवस के अवसर पर किया गया।

आंगनबाड़ी के बच्चों तथा ग्राम के अभिभावकों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

भोजन में खीर, पूड़ी, मिक्सचर, पेड़ा, बर्फी और मटर-पनीर की सब्जी शामिल थी। सतीश कुमार नेताम ने बताया कि वे विद्यालय में पूर्व में आयोजित न्योता भोजन कार्यक्रमों से प्रेरित हुए और अपनी पुत्री का जन्मदिवस शाला परिवार

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा शुरू की गई न्योता भोजन पहल के तहत यह आयोजन किया गया। सतीश कुमार नेताम 14वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल में पदस्थ हैं और वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में तैनात हैं। उनके अनुरोध पर विद्यालय एवं के साथ मनाने का निर्णय लिया।

संस्था के प्रधान अध्यापक एवं संकुल समन्वयक धरम देवांगन ने बताया कि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना को सामुदायिक सहयोग से प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा न्योता भोजन की पहल की गई है।

साल का प्रथम नेशनल लोक अदालत , तैयारी बैठक

कोंडागांव, 10 फरवरी। आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण किरण चतुर्वेदी के निर्देशानुसार मध्यस्थता केन्द्र में आगामी नेशनल लोक अदालत 14 मार्च के आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंक प्रबंधक के कर्मचारी उपस्थित रहे। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय ने सभी संबंधित अधिकारियों / कर्मचारियों से लोक अदालत में लंबित मामलों की जानकारी ली और उन्हें जल्द से जल्द निपटाने के लिए कहा।

प्राकृतिक आपदा के पीड़ित परिवारों को 12 लाख की सहायता

जगदलपुर, कलेक्टर आकाश छिकारा द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के संशोधित प्रावधानों के तहत तीन अलग-अलग मामलों में पीड़ित परिवारों को कुल 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति की गई है। जिसके तहत तहसील जगदलपुर के राजीव कारटामी की गड्ढे के पानी में डूबने से हुई मृत्यु होने के कारण पति सुकटा कारटामी और ग्राम हुई असामयिक मृत्यु होने के कारण पत्नि श्रीमति सुदरी को चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई

चितलनार के विद्यार्थियों ने जिपं दफ्तर का किया शैक्षणिक भ्रमण

सुकमा, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन में जिला दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला चितलनार के विद्यार्थियों ने जिला पंचायत कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों की भेंट जिला पंचायत सुकमा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुन्द ठाकुर से हुई।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को जिला पंचायत की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक संरचना एवं विभिन्न विभागों की भूमिका की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सीईओ ठाकुर ने विद्यार्थियों को करियर एवं भविष्य निर्माण को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने लक्ष्य निर्धारण, नियमित अध्ययन, अनुशासन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास और परिश्रम से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को अपनाने की भी सलाह दी।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा विद्यालय से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं को भी सीईओ के समक्ष रखा गया।

सीईओ ठाकुर ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं को ध्यानपूर्वक सुना तथा सामान्य ज्ञान, प्रशासन और समाज से जुड़े प्रश्न पूछकर उन्हें प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए सटीक उत्तरों और उनकी सक्रिय सहभागिता से प्रभावित होकर सीईओ ठाकुर ने उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप चॉकलेट वितरित की। सीईओ ठाकुर ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए यथासंभव समाधान एवं आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दो वरिष्ठ कर्मियों का सेवानिवृत्ति सम्मान

बचेली/किरंदुल, प्रतिदिन राजधानी

मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (इंटक), शाखा किरंदुल के तत्वावधान में गांधी भवन, किरंदुल में एनएमडीसी बीआईओएम किरंदुल परियोजना से जनवरी 2026 में सेवानिवृत्त हुए दो वरिष्ठ कर्मियों के सम्मान में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम गरिमामय एवं भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर दुकाल दास लहरे (सीनियर एम.सी.ओ., ग्रेड-1) एवं धर्मेन्द्र कुमार सोनी (मास्टर इलेक्ट्रीशियन, ग्रेड-2) को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनियन के सचिव एके सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति सेवा भरे एक गौरवशाली अध्याय की पूर्णता है। उन्होंने दोनों साथियों के दीर्घ सेवाकाल, तकनीकी दक्षता एवं श्रमिक हितों के प्रति उनके समर्पण की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सम्मानपूर्ण भविष्य की कामना की। समारोह आत्मीयता, सम्मान और कृतज्ञता के भाव से ओत-प्रोत रहा।

अनुसंधान पार्क से होगा जनजातीय उत्कर्ष

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

राज्य शासन द्वारा जनजातीय उत्कर्ष हेतु विशेष पहल की गई है। जनजातीय संस्कृति, परंपराओं एवं पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण व संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के निदेशक राजीव प्रकाश नें संयुक्त जिला कार्यालय में कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव से सौजन्य भेंट की।

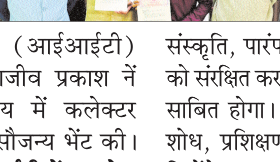

प्रशासन और आईआईटी में एमओयू

इस दौरान दंतेवाड़ा में जनजातीय अनुसंधान पार्क की स्थापना हेतु दोनों पक्षों के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। प्रस्तावित जनजातीय अनुसंधान पार्क के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध जनजातीय विरासत, पारंपरिक ज्ञान, कला-कौशल एवं आजीविका के साधनों का संरक्षण, प्रलेखन एवं संस्थागत विकास किया जाएगा। यह पहल स्थानीय समुदायों को शोध, नवाचार और प्रशिक्षण से जोड़ते हुए सतत विकास की दिशा में सहायक सिद्ध होगी। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि यह एमओयू जिले के जनजातीय समाज की संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान और आजीविका को संरक्षित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इससे स्थानीय युवाओं को शोध, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा दंतेवाड़ा की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त होगी।

मृतक स्तंभों का जायजा

अपने प्रवास के दौरान आईआईटी भिलाई के निदेशक ने कुम्हाररास माटी गमावाड़ा स्थित मेमोरी पिलर तथा पावन मां दंतेश्वरी मंदिर का भी अवलोकन किया।

टी-20 वर्ल्डकप : ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 67 रन से हराया

जम्पा और एलिस ने 4-4 विकेट झटके, स्टोयनिस ने 45 रन बनाए

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। ट्रेविस हेड की कप्तानी में खेलते हुए कंगारू टीम ने आयरलैंड क्रिकेट टीम को 67 रन से हराया। प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 182/6 का स्कोर बनाया। जवाब में आयरिश टीम 115 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया ने दर्ज की आसान जीत

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को कप्तान हेड (6) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद जोश इंग्लिस (37), मैट रेनशॉ (37) और मार्कस स्टोइनिस (45) ने उपयोगी पारियां खेलते हुए टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में आयरलैंड ने सिर्फ 43 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए। इनके अलावा कप्तान पॉल स्टर्लिंग (1) रिटायर्ड हर्ट हुए। खराब बल्लेबाजी के

बीच आयरलैंड की टीम जॉर्ज डॉकरेल के संघर्ष (41) के बावजूद लक्ष्य से दूर रही।

अर्धशतक से चूके स्टोइनिस : मध्यक्रम में बल्लेबाजी के लिए आए स्टोइनिस ने 29 गेंदों पर 45 रन की पारी खेली, जिसमें 2 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। वह अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय के 7वें अर्धशतक से चूक गए। उनके नाम अब 84 मैचों में 31.95 की औसत और 146.76 की स्ट्राइक रेट के साथ 1,406 रन हो गए हैं। इस प्रारूप में उनका सर्वोच्च स्कोर 78 रन रहा है। टी-20 विश्व कप में वह कुल 400+ रन बना चुके हैं।

जैम्पा ने की उम्दा गेंदबाजी : जैम्पा ने लोरकन टकर (24) को आउट करते हुए अपने विकेटों का खाता खोला। उन्होंने अपने अनुभव का भरपूर फायदा उठाते हुए आयरिश बल्लेबाजों से कठिन सवाल पूछे। इस दिग्गज लेग स्पिनर ने आयरलैंड के बल्लेबाजी क्रम से गैरेथ डेलानी (11), जॉर्ज डॉकरेल (41) और मार्क अडायर (12) को अपनी फिरकी के जाल में फंसाया। उन्होंने 4 ओवर के कोटे में 5.80 की इकॉनमी रेट के साथ 23 रन दिए। ऑस्ट्रेलिया की इस जीत में नाथन एलिस की अहम भूमिका रही। इस तेज गेंदबाज ने अपने 3.5 ओवर में 12 रन देते हुए 4 सफलताएं हासिल की। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन बन गया। उन्होंने नई गेंद के साथ-साथ पुरानी गेंद से डेथ ओवर्स के दौरान भी उम्दा गेंदबाजी की। उन्हें इस मुकाबले के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टी-20 विश्व कप में दूसरे सर्वाधिक विकेट वाले गेंदबाज बने जैम्पा

जैम्पा ने टी-20 विश्व कप में 22 मैचों में 12.90 की औसत से 40 विकेट लिए हैं। इस बीच उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 19 रन देते हुए 5 विकेट लेना रहा है। उन्होंने इस टूर्नामेंट में विकेटों के मामले में वनिंदु हसरंगा और राशिद खान की बराबरी की है। बता दें कि बांग्लादेश के शाकिब अल हसन (50) टी-20 विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम आज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम गुरूवार को नामीबिया के खिलाफ ग्रुप ए के टी20 विश्वकप मुकाबले में बड़ी जीत के साथ ही लय हासिल करने उतरेगी। भारतीय टीम को अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था। वहीं इस मैच में उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर आसान जीत हासिल करना रहेगा। इस बार कमजोर टीमों ने भी सभी को हैरान किया है इसलिए भारतीय इस मुकाबले को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम को इसके बाद पाकिस्तान से भी खेलना है। ऐसे में इस मैच से उसे अभ्यास को भी अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय टीम को पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ कप्तान सूर्यकुमार यादव की पारी से जीत मिली थी पर इस मैच में सभी अन्य बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना पड़ेगा। भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तबियत ठीक नहीं है और इस कारण वह इस मैच में नहीं खेलेंगे। ऐसे में ईशान किशन और संजू सैमसन पारी की शुरआत कर सकते हैं। इसस मैच में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस मैच में वापसी तय है। ऐसे में अलावा मोहम्मद सिराज या अर्शदीप सिंह में से किसी को बाहर बैठना होगा। वहीं दूसरी ओर नामीबिया को शुरू से ही आक्रामक होना होगा और स्ट्राइक रोटेट करनी होगी, और ऐसी साझेदारी बनानी होगी जिससे वे एक बड़ा स्कोर बना सकें या उसका पीछा कर सकें। उनके गेंदबाजों के लिए भारतीय बल्लेबाजों को रोकना बेहद कठिन हरेगा।

भारत अंतिम ग्यारह : सूर्यकुमार यादव (कप्तान),इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

टी-20 वर्ल्डकप : डबल सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका की रोमांचक जीत, गुरबाज की पारी पर फिरा पानी

अहमदाबाद। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 13वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अफगानिस्तान को डबल सुपर ओवर के रोमांचक मुकाबले में हराकर 'ग्रुप ऑफ डेथ' से बाहर होने से खुद को बचा लिया। दोनों टीमों ने निर्धारित 20 ओवर में 187-187 रन बनाए, जिसके बाद मैच सुपर ओवर में गया और फिर दूसरा सुपर ओवर खेला गया। अफगानिस्तान को आखिरी ओवर में 13 रन की जरूरत थी और एक विकेट शेष था। कागिसो रबाडा ने दबाव में दो नो-बॉल फेंकी, जिससे मुकाबला बराबरी पर पहुंच गया। रन लेने में हुई एक गलती के कारण मैच टाई हो गया और सुपर ओवर की नौबत आई। पहले सुपर ओवर में अफगानिस्तान ने लुंगी एनगिडी के खिलाफ 17 रन बनाए। जवाब में ट्रिस्टन स्टब्स ने आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर मैच को दूसरे सुपर ओवर में पहुंचा दिया। दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत 23 रन

बनाए। अफगानिस्तान को 24 रन का लक्ष्य मिला। केशव महाराज की गेंदबाजी में मोहम्मद नबी आउट हुए, लेकिन रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने लगातार तीन छक्के जड़कर उम्मीद जगाई। आखिरी गेंद पर छह रन की जरूरत थी, लेकिन गुरबाज़ पॉइंट पर कैच आउट हो गए और अफगानिस्तान की उम्मीदें टूट गईं।

दक्षिण अफ्रीका की पारी : टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी अफगान टीम ने शुरुआत में ऐडन मार्करम का विकेट झटका। इसके बाद क्विंटन डी कॉक (59 रन, 41 गेंद) और रयान रिकेल्टन (61 रन, 28 गेंद) ने शानदार साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। डी कॉक टी20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए (737 रन)। राशिद खान ने दोनों सेट बल्लेबाजों को आउट कर मैच में वापसी कराई। अंत में डेविड मिलर (नाबाद 20) और मार्को यानसन (16 रन, 7 गेंद) की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में 187/6 का स्कोर खड़ा किया। अजमतुल्लाह ओमरजई ने 3 विकेट लिए।

अफगानिस्तान की पारी : रहमानुल्लाह गुरबाज़ (84 रन, 42 गेंद) और इब्राहिम जादरान ने तेज शुरुआत दी। हालांकि बीच के ओवरों में लुंगी एनगिडी और रबाडा ने विकेट लेकर दबाव बनाया। कप्तान राशिद खान ने 20 रन की तेज पारी खेली, लेकिन आखिरी ओवर के रोमांच ने मुकाबले को टाई करा दिया। अंततः डबल सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने बाजी मार ली और अफगानिस्तान को दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा।

टी-20 वर्ल्ड कप : चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के पहले मैच से बाहर हुए मिचेल मार्श

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के अपने पहले मुकाबले से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान मिचेल मार्श ग्रोइन (जांघ के ऊपरी हिस्से) में चोट के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती मैच से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से कुछ घंटे पहले यह जानकारी बयान जारी कर दी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार मार्श को इस सप्ताह ट्रेनिंग सत्र के दौरान ग्रोइन पर सीधा प्रहार लगा था, जिसके बाद उन्हें लगातार दर्द और असहजता महसूस हो रही है। बयान में कहा गया है कि स्कैन रिपोर्ट में आंतरिक टेस्टिकुलर ब्लीडिंग (अंडकोष में अंदरूनी रक्तस्राव) की पुष्टि हुई है। फिलहाल उनकी गतिविधियां सीमित हैं और उन्हें आराम व पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) की आवश्यकता होगी। उनकी मैदान पर वापसी पूरी तरह लक्षणों में सुधार और मेडिकल सलाह पर निर्भर करेगी। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक मार्श की वापसी को लेकर कोई निश्चित समयसीमा घोषित नहीं की है। इस बीच चयनकर्ताओं ने स्टैंडबाय में शामिल अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को कवर के तौर पर श्रीलंका रवाना होने के लिए बुलाया है, ताकि जरूरत पड़ने पर वे टीम के साथ जुड़ सकें और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें।

हसरंगा टी20 विश्व कप से बाहर हुए दुशान हेमंथा को मिल सकती है जगह

कोलंबो। श्रीलंका के रहस्यमयी स्पिनर वानिंदु हसरंगा हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गये हैं। हसरंगा जैसे बेहतरीन गेंदबाज का इस प्रकार टूर्नामेंट से बाहर होना सह-मेजबान श्रीलंका के लिए करारा झटका है। हसरंगा को कोलंबो में रविवार को आयरलैंड के खिलाफ हुए मैच के दौरान चोट लगी थी और एमआरआई स्कैन जांच के बाद ये पाया गया कि वह अब आगे नहीं खेल पायेंगे क्योंकि उनकी चोट गंभीर है। इंग्लैंड के एक विशेषज्ञ ने रिपोर्ट देखने के बाद उन्हें टी20 विश्व कप से बाहर होने की सलाह दी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अब हसरंगा चार सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। हसरंगा की कमी पूरी करना लंकाई टीम के लिए संभव नहीं है। वह एक मैच विजेत गेंदबाज होने के साथ ही निचले क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। आयरलैंड के खिलाफ ग्रुप स्तर के पहले ही मैच में हसरंगा ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी और 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए थे। हसरंगा की जगह अब टीम में लेगस्पिनर दुशान हेमंथा को शामिल किये जाने की संभावना है। हेमंथा ने श्रीलंका की ओर से अब तक 5 एकदिवसीय और तीन टी20 खेले हैं, जिसमें उन्होंने 6 विकेट लिए हैं। श्रीलंका को दूसरा ग्रुप मैच 12 फरवरी को ओमान से खेलना है। इसके बाद 16 फरवरी को उसे पल्लेकेले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और अंत में 19 फरवरी को कोलंबो में जिम्बाब्वे से खेलना है।

एसए20 में खेलने से फायदा हुआ : राशिद खान

अहमदाबाद। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान राशिद खान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग एसए20 में खेलने से उन्हें काफी लाभ हुआ है। राशिद विश्वकप से पहले एसए20 खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका गये थे। वहां खेलने से उनको लय हासिल हो गयी थी। राशिद के अनुसार अपने इस अनुभवी को उन्होंने टीम के अन्य खिलाड़ियों से भी साझा किया है। जिससे भी युवाओं को लाभ होगा। राशिद पिछले चार सत्र से दक्षिण अफ्रीकी लीग में खेल रहे हैं। वह एसए20 में एमआई केपटाउन की ओर से खेलते हैं। राशिद ने कहा, इस तरह का अनुभव टीम के साथ जानकारी साझा करने में सहायता करता है। मैं लंबे समय से खेल रहा हूं और लगभग सभी दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के साथ खेला हूं।

टी20 विश्व कप : श्रीलंका-ओमान के बीच मैच आज

नई दिल्ली। श्रीलंका की टीम विश्व कप के ग्रुप बी के मुकाबले में आज अपने घरेलू मैदान पर ओमान के खिलाफ जीत हासिल करने उतरेगी। इस मैच में उसे ओमान से सावधान रहना होगा। मेजबान बल्लेबाजों को बीच के ओवरों में अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। इस मैच में स्पिनर वानिंदु हसरंगा के बाहर होने से भी टीम के अन्य गेंदबाजों पर अधिक दबाव रहेगा। होगी। हसरंगा हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। श्रीलंका को पहले ही मैच में आयरलैंड के खिलाफ 20 रन की जीत के लिए काफी प्रयास करना पड़ा था। सकारात्मक शुरुआत की। उस मैच में उसके बल्लेबाज स्पिनरों के खिलाफ काफी कमजोर नजर आये थे। आयरलैंड के स्पिनरों के सामने लंकाई बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। सातवें और 15वें ओवर के

बीच एक भी चौका नहीं लगा सके। ओमान भी उसकी इसी कमजोर नस को दबाना चाहेगा। पिछले मैच में कामिंदु मेंडिस ने आखिरी ओवरों में 19 गेंदों पर 44 रन बनाकर श्रीलंका एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था। टीम उनसे इस मैच में भी वैसा ही प्रदर्शन चाहेगी। वहीं कुसल मेंडिस ने भी अर्धशतक लगाया। टीम को सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका और कामिल मिशारा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो अब तक रन नहीं बना पाये हैं। शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में विफल रहे। हसरंगा ने आयरलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। चोटिल होने के बावजूद उन्होंने अपने चार ओवर पूरे किए और तीन विकेट लिए। उनकी जगह शामिल दुशान हेमंथा कैसा प्रदर्शन करते हैं ये देखना होगा। ऐसे में पहले मैच में भी तीन विकेट लेने वाले स्पिनर महेश थीक्षाना को अतिरिक्त जिम्मेदारी लेनी होगी। दूसरी ओर ओमान का को जिम्बाब्वे के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ओमान के बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजी और अतिरिक्त उछाल के सामने संघर्ष करना पड़ा। कोलंबो में उसके शीर्ष पांच बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। कप्तान जतिंदर सिंह को पता है कि उनकी टीम को अगर श्रीलंका के सामने कड़ी चुनौती पेश करनी है तो उनके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि पिछले मैच में उसके गेंदबाजों ने अच्छा खेल दिखाया था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, डुनिथ वेललागे, महेश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, प्रमोद मदुशन, दुशान हेमंथा।

ओमान: जतिंदर सिंह (कप्तान), आमिर कलीम, हम्माद मिर्जा, वसीम अली, करण सोनावाले, जितेन रामानंदी, विनायक शुक्ला (विकेटकीपर), सुफियान महमूद, नदीम खान, शाह फैसल, शकील अहमद, मोहम्मद नदीम, जय ओडेदरा, आशीष ओडेदरा, शफीक जान।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से अन्य टीमों को रहना होगा सावधान : बिशप

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर इयान बिशप का मानना है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया ऐसी टीमें हैं जिनसे उन्हें डर लगाता है। बिशप के अनुसार इंग्लैंड टीम की आक्रामण रणनीति और कौशल इससे अन्य टीमों से अधिक खतरनाक बनाती है। जैसे-जैसे मुकाबले आगे बढ़ेंगे ये और भी खतरनाक होती जाएगी। साथ ही कहा कि विश्वकप जैसे बड़े टूर्नामेंट में अनुभव, ताकत और सही रणनीति का सही प्रयोग किसी भी टीम को विजेता बना सकता है। इसलिए अन्य टीमों को उससे सावधान रहने की जरुरत है। इस पूर्व क्रिकेटर ने इस छोटे प्रारुप के अनुसार इंग्लैंड की तूफानी बल्लेबाजी, संतुलित गेंदबाजी और की प्रशंसा की है। बिशप के अनुसार, इंग्लैंड की टीम ऐसे क्षेत्रों में रन बना रही है, जिसमें पारंपरिक टीमें असफल रही हैं। बिशप के अनुसार इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया से भी उन्हें डर लगता है

क्योंकि वह कभी भी बाजी पलट देती है। उसके पास बेहतरीन बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। उनका मानना है कि इंग्लैंड के पास जबरदस्त पावर-हिटिंग क्षमता है और उनकी बल्लेबाजी बड़े चौके और छक्कों पर आधारित है। उसके कप्तान हैरी ब्रूक किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को बिखेर सकते हैं। बिशप ने कहा कि लीग क्रिकेट के अनुभव से भी उसे लाभ हुआ है। इंग्लैंड की टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का बेहतर संयोजन है। उसके पास आदिल राशिद जैसे अनुभवी स्पिनर के आलाव जैकब बेथेल जैसे युवा खिलाड़ी हैं। ये खिलाड़ी बेखौफ होकर खेलते हैं और नई सोच टीम में लाये हैं। इसी संतुलन का लाभ इंग्लैंड को मिलता रहा है। बिशप के अनुसार उसके पा जोफ्रा आर्चर जैसा तेज गेंदबाज है। उससी वापसी से इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी बेहतर हुई है। तेज़ रफ्तार, उछाल और सटीक यॉर्कर डालने की उसकी क्षमता बड़े मैचों में प्रभवी साबित हो सकती है। इसके अलावा, सैम करन और लियाम डॉसन जैसे ऑलराउंडर होने से टीम की क्षमता बढ़ती है। नेपाल के खिलाफ मैच को देखें तो उसमें भी टीम ने दबाव के पलों में विकेट लेकर मैच अपनी ओर मोड़ा।

अभिषेक शर्मा को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती हुए थे। अब उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। इसकी जानकारी भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने नामीबिया क्रिकेट टीम के खिलाफ मैच के पहले हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। अभिषेक यूएसए क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले मैच में कुछ खास नहीं कर पाए थे। पिछले मुकाबले से पहले ही अस्वस्थ थे, लेकिन मैच खेलने के बाद उनकी तबीयत और बिगड़ गई।

अभिषेक को लेकर तिलक ने कहा, 'अभिषेक को आज अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। उनकी स्थिति देखकर तय किया जाएगा कि वह मैच खेलेंगे या नहीं।' अगर अभिषेक को नामीबिया के खिलाफ मैच से आराम दिया जाता है तो उनकी जगह संजू सैमसन को मौका मिल सकता है। खराब फॉर्म के कारण यूएसए के खिलाफ मैच में संजू प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे। ईशान किशन और अभिषेक सलामी बल्लेबाज के रूप में आए थे।

भारत के लिए क्यों जरूरी हैं अभिषेक : अभिषेक भारतीय टीम के लिए इसलिए बेहद अहम हैं क्योंकि वह पावरप्ले में तेज शुरुआत दिलाने की क्षमता रखते हैं। आक्रामक सलामी बल्लेबाज होने के कारण वह गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाते हैं और मैच की दिशा शुरुआती ओवरों में बदल सकते हैं। इसके अलावा, वह उपयोगी स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं, जिससे टीम को अतिरिक्त विकल्प मिलता है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मुकाबले से पहले अभिषेक पूरी तरह से फिट होना चाहेंगे।

बीडब्ल्यूएफ कार्यक्रम में भारतीय बैडमिंटन को नुकसान

सैयद मोदी टूर्नामेंट का दर्जा कम हुआ, दो सुपर 100 टूर्नामेंट हटाये गये

कुआलालंपुर । विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने भारतीय बैडमिंटन को करार झटका देते हुए सैयद मोदी टूर्नामेंट का दर्जा कम किया गया है हालांकि इंडिया ओपन बैडमिंटन का दर्जा पहले जैसा ही रखा गया है। इसके अलावा भारत में होने वाले आयोजनों की संख्या को चार से कम करते हुए दो कर दिया गया है।

इंडिया ओपन का सुपर 750 दर्जा बना रहेगा पर सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 का दर्जा घटाकर सुपर 100 कर दिया गया है जबकि विश्व टूर कार्यक्रम से गुवाहाटी और ओडिशा में आयोजित सुपर 100 टूर्नामेंट को बाहर कर दिया गया है। इन टूर्नामेंटों को साल 2023 में शुरू किया गया था। सैयद मोदी टूर्नामेंट साल 2018 से ही विश्व टूर सुपर 300 स्तर का टूर्नामेंट रहा है पर अब ये अगले सत्र से आठ सुपर 100 टूर्नामेंटों में से एक होगा। इस टूर्नामेंट के स्तर को कम करने या ओडिशा और गुवाहाटी के टूर्नामेंटों को कैलेंडर से हटाने के पीछे के कारण विश्व संस्था ने नहीं बताये हैं। दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया ओपन को 2023 में सुपर 750 का दर्जा दिया गया था जो बना रहेगा। वह अपनी ग्रेड दो, लेवल तीन स्थिति बनाए रखेगा और 2027-30 के नए चक्र में भी पांच सुपर 750 टूर्नामेंटों में शामिल रहेगा। अब नए बदलावों के तहत विश्व टूर की छह-स्तरीय संरचना में 36 टूर्नामेंट शामिल रहेंगे।

ओल्ड ब्रिज म्यूचुअल फंड ने ओल्ड ब्रिज फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्च किया इक्विटी पोर्टफोलियो का विस्तार

नई दिल्ली। ओल्ड ब्रिज म्यूचुअल फंड ने आज ओल्ड ब्रिज फ्लेक्सी कैप फंड के लॉन्च की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड डायनामिक इक्विटी स्कीम है, जो लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश करती है और निवेशकों को एक ही विविध पोर्टफोलियो के माध्यम से बाजार चक्रों में लचीलापन प्रदान करती है। ओल्ड ब्रिज फ्लेक्सी कैप फंड का न्यू फंड ऑफर 13 फरवरी 2026 को खुलेगा और 23 फरवरी 2026 को बंद होगा। यह स्कीम 10 प्रति यूनिट के शुरुआती मूल्य पर उपलब्ध होगी। इसमें न्यूनतम निवेश राशि एकमुश्त निवेश के लिए 5,000 और एसआईपी के लिए 1,000 निर्धारित की गई है। यह फंड बॉटम-अप, बिजनेस-बाय-बिजनेस निवेश दृष्टिकोण अपनाता है, जिसमें पूंजी आवंटन बाजार पूंजीकरण के यांत्रिक विभाजन के बजाय व्यवसाय की गुणवत्ता और विकास की दीर्घायु पर आधारित होता है। यह रणनीति बदलती जोखिम-रिटर्न स्थितियों और बाजार चक्रों के आधार पर विभिन्न बाजार सेगमेंट्स में निवेश को गतिशील रूप से समायोजित करने की सुविधा देती है। ओल्ड ब्रिज फ्लेक्सी कैप फंड का प्रबंधन केनेथ एंड्रेडे करेंगे, जो ओल्ड ब्रिज एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और मुख्य निवेश अधिकारी हैं। उन्हें भारतीय पूंजी बाजारों में 34 से अधिक वर्षों का अनुभव और पोर्टफोलियो प्रबंधन व निवेश अनुसंधान में मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड प्राप्त है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, केनेथ एंड्रेडे, सीआईओ, ओल्ड ब्रिज एसेट मैनेजमेंट ने कहा, 'बाजार चक्र लगातार बदलते रहते हैं और अतीत के विजेता आवश्यक नहीं कि भविष्य में भी विजेता बने रहें।

एयरटेल ने 'ओटीपी लीक से होने वाले फ्रॉड' रोकने के लिए नया एआई-आधारित सुरक्षा फीचर लॉन्च किया

नई दिल्ली। एयरटेल ने स्पैम की समस्या से निपटने के अपने लगातार प्रयासों के तहत आज अपना नया एआई-पावर्ड फ्रॉड अलर्ट सिस्टम लॉन्च किया है। यह फीचर ग्राहकों को ओटीपी (वन-टाइम पासवर्ड) से जुड़े बैंकिंग फ्रॉड से रियल-टाइम में सुरक्षित रखने में मदद करेगा। आजकल धोखेबाज डिलीवरी, कस्टमर सपोर्ट या अन्य रोजमर्रा की सेवाओं का बहाना बनाकर ग्राहकों पर जल्दबाजी का दबाव बनाते हैं और उनसे बैंकिंग ट्रांजैक्शन से जुड़ा ओटीपी साझा करवा लेते हैं। जैसे ही ओटीपी साझा किया जाता है, ग्राहक के बैंक खाते में जमा राशि धोखाधड़ी के खतरे में पड़ जाती है।

एयरटेल का नया एआई-पावर्ड सिस्टम ऐसी संदिग्ध परिस्थितियों की पहचान कर ग्राहकों को समय रहते सचेत करता है। जब किसी संभावित जोखिम भरी इनकमिंग कॉल के दौरान बैंक द्वारा भेजा गया ओटीपी डिटेक्ट होता है, तो एयरटेल तुरंत 'फ्रॉड अलर्ट' के जरिये ग्राहक को चेतावनी देता है कि कॉल पर रहते हुए बैंकिंग ट्रांजैक्शन का ओटीपी साझा करना जोखिम भरा हो सकता है। एआई की इंटेलिजेंस और मानवीय सूझबूझ का यह प्रभावी संयोजन ग्राहकों को सोचने, परखने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समय देता है, जिससे स्कैमर्स द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सुरक्षा अंतर को प्रभावी रूप से बंद किया जा सके। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए एयरटेल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शाश्वत शर्मा

ने कहा, 'हम एयरटेल को एक सुरक्षित नेटवर्क बनाने के मिशन पर काम कर रहे हैं। इस दौरान हमने महसूस किया है कि डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित रखने में ओटीपी की अहम भूमिका होने के बावजूद, अपराधी अलग-अलग तरीकों से इसकी उपयोगिता को कमजोर कर रहे हैं। इसी को देखते हुए हमें एयरटेल के नेटवर्क स्तर पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जिसे बैंकिंग फ्रॉड से सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए तैयार किया गया है। हमारा नया, एआई-पावर्ड और स्वत: संचालित समाधान नेटवर्क स्तर पर पहले से सक्रिय रूप से काम करता है और रियल-टाइम में धोखाधड़ी की पहचान कर उसे रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। व्यापक परीक्षणों में इस समाधान ने ऐसे स्कैम्स को रोकने में उच्च स्तर की सटीकता और प्रभावशीलता दिखाई है।' पिछले दो वर्षों में एयरटेल ने एआई-आधारित कई सुरक्षा उपाय शुरू किए हैं, जैसे स्पैम कॉल अलर्ट और खतरनाक लिंक को ब्लॉक करना, ताकि फ्रॉड को शुरुआत में ही रोका जा सके। इन प्रयासों से नेटवर्क पर फ्रॉड में काफी कमी आई है, लेकिन ठग अब भी नकली पहचान और मनोवैज्ञानिक दबाव के जरिए लोगों को निशाना बना रहे हैं।

यह नया फीचर ऐसे ही खतरों से मोबाइल यूजर्स को बचाने की दिशा में एक और बड़ा कदम है। यह समाधान फिलहाल हरियाणा में सक्रिय है और एयरटेल इसे अगले दो हफ्तों में अपने सभी ग्राहकों के लिए चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराएगा।

उतार चढ़ाव के बीच सपाट स्तर पर बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 41 हजार करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को पूरे दिन सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। बुधवार को कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ बुधवार को कारोबार का अंत किया। बुधवार को दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, पीएसयू बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थकेयर, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में तेजी बनी रही। दूसरी ओर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव

बना रहा। बाजार में लगातार जारी उतार-चढ़ाव के कारण मिडकैप पर स्मॉलकैप इंडेक्स भी सपाट स्तर पर बंद हुए। बुधवार को शेयर बाजार में सपाट कारोबार होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 40 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन बुधवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 474.89 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 474.48 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को बुधवार को कारोबार से करीब 41 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,383 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

बेटी थिएटर से एक्टिंग ही नहीं सीखेगी, एक अच्छी इंसान भी बन जाएगी : मृदुला त्रिपाठी

रंगमंच की दुनिया से निकलकर रुपहले पर्दे पर अपनी पहचान बनाने वाले पंकज त्रिपाठी और उनकी पत्नी मृदुला ने 'रूपकथा' रंगमंच की शुरुआत की है। थियेटर को सब कुछ मानने वाली मृदुला त्रिपाठी का कहना है कि जब यहीं से सब कुछ मिला है, तो यह हमारी तरफ से रिटर्न गिफ्ट जैसा है। कभी स्कूल में बच्चों को पढ़ाने वाली शिक्षिका की भूमिका थोड़ी बदल गई है और अब कलाकारों का व्यक्तित्व निखार रही हैं।

रूपकथा रंगमंच का विचार किसका था और इसकी उपयोगिता क्या है?

यह हम दोनों का विचार था। हमारी जिंदगी भी थियेटर से ही शुरू हुई थी। हमारे प्रेम का आधार भी थियेटर ही रहा। हां, कहीं न कहीं इसमें साहित्य यानी रेणु जी की कहानियां और राग दरबारी जैसे उपन्यास भी हैं। मुंबई से पहले दिल्ली और उससे पहले पटना और कलकत्ता में हम रहते थे। इन महानगरों में हमारे पास सिर्फ रंगमंच ही था। आज उसी की देन है कि बड़े पर्दे पर नाम है। पंकज के अभिनय से लोग खुश हैं और उनके अभिनय में आज भी थियेटर की खुशबू है। जब रंगमंच से हमें इतना मिला है, तो हमारा दायित्व है कि हम भी कुछ करें। यह थियेटर को हमारी तरफ से रिटर्न गिफ्ट है। जहां तक मुंबई की बात है, तो इस शहर का अपना रंग है। उसमें हमारी कोशिश है कि लोग मोबाइल और सोशल मीडिया के जमाने में भी जीवंत कला को देखें। हिंदी के दर्शकों का नया वर्ग तैयार करना उद्देश्य है।

आप शिक्षक रह चुकी हैं। आपके हिसाब से एक शिक्षक और फिल्म निर्माता की भूमिका में क्या अंतर है?

कोई अंतर नहीं है। जब मैं शिक्षक थी तो विद्यार्थियों को संस्कार सिखाती थी। अब भी वही काम कर रही हूं, लेकिन अब मेरे साथ कलाकार हैं। स्कूल में भी जोर

व्यक्तित्व निर्माण पर था और आज भी यही है। अब मेरा मकसद रंगमंच को दोनों पक्षों के लिए उपयोगी साबित करना है। पहला, जो रंगमंच से जुड़े कलाकार हैं, वे सशक्त बनें। उन्हें रोजगार मिले और अपने सपनों को पंख दे सकें। दूसरा, जो लोग रंगमंच देखने आएं, वे कुछ न कुछ सीख कर जाएं।

आपकी पहली प्रस्तुति 'लाइलाज' है। इसमें क्या है?

यह काफी मनोरंजक और शिक्षाप्रद है। इसमें म्यूजिक है, कॉमिडी है और कुछ ऐसे सवाल भी हैं, जो समाज के लिए जरूरी हैं। यह देखने के बाद आपको कवि आलोक धन्वा की 'भागी हुई लड़कियां' कविता याद आएगी। आपको लगेगा कि जब कोई लड़की घर से भागती है, तो जरूरी नहीं कि वह किसी लड़के के साथ भागी हो। हो सकता है कि वह अपने सपनों के साथ भागी हो। वह खुद के साथ भी भाग सकती है। फैज मोहम्मद ने इस नाटक को लिखा है और उन्होंने ही इसका निर्देशन भी किया है। इसकी प्रस्तुति देखकर पंकज इतने प्रेरित हुए कि अब वह भी इसमें एक किरदार निभाने जा रहे हैं। हमें भी खुशी है कि वह इतना व्यस्त होने के बाद भी समय निकाल रहे हैं।

आगे क्या योजनाएं हैं?

फिलहाल मुंबई में इसके शो हो रहे हैं। इसके बाद हम इस साल भारत रंग महोत्सव में भी इसका मंचन करेंगे। अच्छी बात है कि उसी महोत्सव में मेरी बेटी आशी का एक और नाटक होने वाला है। इससे वह काफी खुश है। इसके बाद हम कोलकाता, पुणे, अहमदाबाद, भोपाल में भी शो करने वाले हैं। हमारा यह प्लेटफॉर्म महज मुंबई तक सीमित नहीं होने वाला। हम इसे पूरे देश में ले जाने वाले हैं। इसलिए सभी को जोड़ने के लिए देश के अधिकतर शहरों में प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा, हम एक और योजना पर काम कर रहे हैं। रूपकथा रंगमंच का अपना स्थान होने वाला है, जहां कलाकार खुद से अपनी कला को और निखार सकेंगे।

आपकी बेटी आशी भी इसमें अभिनय कर रही है। आजकल अभिनय सिखाने के लिए तो कई बड़े संस्थान है, मगर आप लोगों ने थियेटर ही क्यों चुना?

अभिनय उसकी अपनी पसंद है। हमें जब पता चला तो हमने बस अच्छे रंग संस्कार भरने की कोशिश की। हम तो बस उसे रास्ता दिखा रहे हैं और थियेटर तो अपने आप में एक दर्शन है। जो यहां रच बस जाएगा, वह सब कुछ सीख जाएगा। थियेटर में वह न सिर्फ अभिनय सीखेगी बल्कि एक अच्छी इंसान भी बन जाएगी। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण मेरे पास है। महंगे संसाधन जैसा कुछ नहीं है। अभिनय का संसाधन सिर्फ एक है और वह अभिनेता या अभिनेत्री का व्यक्तित्व होता है। हम दोनों की आशा है कि आशी अपने सपनों के साथ खुलकर जिए।

संघर्ष के दिन याद किए सुभाष घई ने, साझा की यादें

बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कालिचरण' ने अपनी रिलीज के 50 साल पूरे कर लिए। बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक सुभाष घई ने इस खास मौके पर इंस्टाग्राम पर फिल्म की दुर्लभ तस्वीरें साझा कर पुराने दिनों को याद किया। सुभाष घई के लिए उनकी पहली निर्देशित फिल्म 'कालिचरण' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ रही है। तस्वीरों में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय और फिल्म की पूरी टीम नजर आ रही है, जिसने एक युग के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी। सुभाष घई ने भावुक होते हुए लिखा कि आज से ठीक 50 साल पहले उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया था। 'मेरी पहली निर्देशकीय फिल्म 'कालिचरण' रिलीज हुई थी। उस दिन मैं बहुत घबराया हुआ था, क्योंकि उससे पहले मैंने अभिनय और दूसरों के लिए पटकथा लिखने में पूरे 10 साल संघर्ष किया था।' निर्देशक ने कहा कि फिल्म की सफलता ने उनका करियर नया मोड़ दिया और उन्हें पहचान दिलाई, जिसके बाद उनका फिल्मी सफर लगातार आगे बढ़ता गया।

उन्होंने 'कालिचरण' की पूरी टीम के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। सुभाष ने लिखा कि वह आज भी निर्माता, कलाकार, सह-लेखक और तकनीकी टीम के आभारी हैं, जिन्होंने उस समय उन पर भरोसा किया जब उन्हें निर्देशन का कोई अनुभव नहीं था। उन्होंने कहा कि उन सभी की मेहनत और विश्वास ने ही 'कालिचरण' को यादगार फिल्म बनाया और उन्हें एक सफल निर्देशक बनने का मौका दिया। 1976 में रिलीज हुई इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म ने न केवल सुभाष घई को निर्देशक के रूप में स्थापित किया, बल्कि शत्रुघ्न सिन्हा के करियर में भी महत्वपूर्ण भूमिका

निभाई। फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय, अजीत और डैनी डेन्जोंगपा अहम किरदारों में नजर आए थे। कहानी एक ईमानदार पुलिस अधिकारी के हमशक्ल अपराधी को सुधारकर खतरनाक विलेन 'लायन' तक पहुंचने पर आधारित थी। यह प्लॉट उस समय दर्शकों के लिए नया और रोमांचक था, जिसने फिल्म को बड़ी हिट बना दिया। 'कालिचरण' शत्रुघ्न सिन्हा के करियर की पहली बड़ी सफलता मानी जाती है। उनका 'शॉटगन' अंदाज दर्शकों के बीच खूब लोकप्रिय हुआ। वहीं रीना रॉय के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री भी चर्चा में रही। फिल्म के गाने, खासकर 'जा रे जा ओ हरजाई', लंबे समय तक दर्शकों की जुबान पर चढ़े रहे। फिल्म की शानदार सफलता ने सुभाष घई को बॉलीवुड के सबसे सफल और प्रभावशाली निर्देशकों में शामिल कर दिया।

थिएटर कम होने से फिल्में नही कर पाती पूरी कमाई : आमिर खान

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने देश में सिनेमा हॉल की कमी को लेकर चिंता जाहिर की है। एक इंटरव्यू में आमिर खान ने कहा कि भारत में थिएटरों की संख्या बहुत कम है, जिसकी वजह से बड़ी फिल्मों को भी अपनी पूरी क्षमता के मुताबिक बॉक्स ऑफिस कमाई हासिल नहीं हो पाती। आमिर ने अपनी बातें रखते हुए अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' का उदाहरण दिया और बताया कि कैसे ज्यादा स्क्रीन मिलने पर भारतीय फिल्मों की कमाई कई गुना बढ़ सकती है। आमिर खान ने चीन का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां लगभग एक लाख से ज्यादा सिनेमा स्क्रीन मौजूद हैं, जबकि भारत में अभी मुश्किल से 9,000 के आसपास स्क्रीन हैं। उन्होंने कहा, 'हम आउटलेट्स के मामले में चीन के दसवें हिस्से जितने भी नहीं हैं। चीन में जब कोई बड़ी फिल्म रिलीज होती है, तो वह अकेले अपने देश में ही दो बिलियन अमेरिकी डॉलर तक कमा लेती है। इतनी बड़ी कमाई सिर्फ उनके बॉक्स ऑफिस की ताकत से आती है।' उन्होंने आगे कहा कि भारत में इतने सीमित थिएटर होने के कारण फिल्मों की कमाई रुक जाती है। आमिर ने कहा, 'पिछले साल चीन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म एनई झेडएचए 2 ने लगभग 2 बिलियन डॉलर सिर्फ चीन में कमाए। इसके मुकाबले भारत की सबसे बड़ी फिल्म 'धुरंधर' ने देश में सिर्फ 115 मिलियन डॉलर और दुनिया भर में 150 मिलियन डॉलर से कम कमाए। यह फर्क सिर्फ स्क्रीन की संख्या का है।' धुरंधर का उदाहरण देते हुए आमिर ने कहा कि अगर यह फिल्म 5,000 की बजाय 15,000 स्क्रीन पर रिलीज होती, तो इसकी कमाई तीन गुना तक बढ़ सकती थी। उन्होंने कहा, 'धुरंधर ने लगभग 1,000 करोड़ रुपये कमाए और 4 करोड़ टिकट बेचे। सोचिए, अगर हमारे पास चीन जितनी स्क्रीन होतीं, तो भारतीय फिल्मों की कमाई दुनिया के किसी भी देश से आसानी से टक्कर ले सकती थी। देश में आज भी कई जिले ऐसे हैं, जहां एक भी सिनेमा हॉल नहीं है।' रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर' को आदित्य धर ने निर्देशित किया है और यह अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में शामिल है।

श्रेयस तलपड़े के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज

12 अन्य लोगों के नाम भी शामिल, आरोप- निवेश की आड़ में लाखों की ठगी की

बॉलीवुड एक्टर श्रेयस तलपड़े और 12 अन्य सदस्यों के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में शिकायत दर्ज हुई है। आरोप हैं कि श्रेयस तलपड़े ने निवेश के नाम पर एक व्यक्ति से लाखों की ठगी की गई है। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, 10 फरवरी को श्रेयस तलपड़े समेत अन्य के खिलाफ मैनपुरी के भोगांव थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई है। भोगांव के रहने वाले शिकायतकर्ता का आरोप है कि एक्टर और उनके साथियों ने निवेश का झासा देकर उनसे लाखों रुपए की ठगी की है। शिकायत के अनुसार, एक्टर ने भोगांव के मोहल्ला मिश्राना में मुंबई की एक बैंक ब्रांच खोलने और उसमें इन्वेस्ट करने के लिए कई गांव वालों से पैसे लिए, हालांकि बाद में सामने आया कि जिस बैंक का जिक्र किया गया था वो फर्जी है।

शिकायत मिलने के बाद कोर्ट ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। शिकायत में श्रेयस तलपड़े के अलावा समीर अग्रवाल, सानिया अग्रवाल, आरके शेट्टी, संजय मुदगिल, शबाब हुसैन, नरेंद्र नेगी, पंकज अग्रवाल, सुप्रिया, अनुज जैन, अजय श्रीवास्तव और अरविंद त्रिपाठी के नाम भी शामिल हैं। शिकायत में श्रेयस तलपड़े को मार्केटिंग एडवाइज बताया गया है।

श्रेयस तलपड़े के खिलाफ पहले भी हुई धोखाधड़ी की शिकायत

इस मामले से पहले साल 2025 में भी श्रेयस तलपड़े का नाम एक धोखाधड़ी मामले में सामने आ चुका है। बीते साल मितली गांव की बबली ने श्रेयस तलपड़े और आलोक नाथ समेत 22 लोगों के खिलाफ करोड़ों की धोखाधड़ी करने पर शिकायत दर्ज करवाई थी। आरोप थे कि एक ऐसी कंपनी के ब्रांड एंबेसेडर थे, जिसने पैसे दोगुने करने की लालच देकर 500 लोगों से धोखाधड़ी की है। 2025 में ही श्रेयस तलपड़े का नाम एक चिटफंड मामले में भी सामने आया था और उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में शिकायत दर्ज हुई थी।

मेरे पिता असली नाग थे, तो क्या मैं भी नागिन हूं : एकता कपूर

मशहूर टीवी और फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने पिता जितेंद्र के बारे में मजेदार पोस्ट लिखा है। सोशल मीडिया पर जितेंद्र की फिल्म नागिन का वीडियो शेयर कर एकता ने खुलासा किया कि अगर उनके पिता नाग हैं तो क्या एकता प्रोड्यूसर हैं। दरअसल, एकता ने जितेंद्र की फिल्म नागिन का गाना तेरे संग प्यार में का वीडियो शेयर किया। इसमें जितेंद्र अभिनेत्री रीना रॉय के साथ डांस कर रहे हैं। एकता ने पोस्ट कर लिखा, मेरे पिता असली नाग (इच्छाधारी) थे, तो क्या इसका मतलब है कि मैं भी नागिन हूं? 1976 की फिल्म नागिन में जितेंद्र ने एक अहम भूमिका निभाई थी, जो इच्छाधारी नाग-नागिन की कहानी पर आधारित थी। सॉन्ग तेरे संग प्यार में की बात करें तो इसे लता मंगेशकर और महेंद्र कपूर ने अपने सुरों से सजाया है और वर्मा मलिक ने इसके लिरिक्स लिखे हैं, जबकि लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसका संगीत तैयार किया है। साल 1976 में रिलीज हुई लोकप्रिय फिल्म नागिन में जितेंद्र ने मुख्य भूमिका (नाग के रूप में) निभाई थी, और रीना रॉय इच्छाधारी नागिन बनी थीं। राज कुमार कोहली द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपने समय की सबसे बड़ी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक थी, जिसमें सुनील दत्त, रेखा, मुमताज, फिरोज खान और संजय खान जैसे कलाकार भी शामिल थे। फिल्म की कहानी एक इच्छाधारी नागिन की थी, जो अपने प्रेमी (जितेंद्र) की हत्या का बदला लेने के लिए शिकारियों के समूह को एक-एक करके मारती है। एकता कपूर नागिन फ्रेंचाइजी की निर्माता के रूप में भी जानी जाती हैं।

'घूसखोर पंडित' से पहले भी कई फिल्मों के बदलने पडे है टाइटल

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी स्टारर अपकमिंग फिल्म 'घूसखोर पंडित' अपने नाम के चलते विरोध के केंद्र में आ गई है। इस फिल्म के शीर्षक को लेकर विवाद गहरा गया है। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी पर आधारित है, जिसे लोग 'घूसखोर पंडित' के नाम से जानते हैं। इसी नाम को लेकर सोशल मीडिया और कई संगठनों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि शीर्षक किसी विशेष जाति को निशाना बनाता है, इसलिए इसे बदलना चाहिए। यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी फिल्म के नाम या थीम को लेकर इतना विवाद उठ खड़ा हुआ है। बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्मों को विरोध, कानूनी नोटिस और सेंसरशिप की मांगों के चलते अपना टाइटल बदलना पड़ा है। हाल के वर्षों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं। साल 2023 में रिलीज हुई कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' का मूल नाम 'सत्यनारायण की कथा' था। धार्मिक भावनाएं आहत होने के आरोप लगने के बाद मेकर्स ने नाम बदलना पड़ा। इसी तरह 2020 में अक्षय कुमार की फिल्म 'लक्ष्मी बॉम्ब' को भी केवल 'लक्ष्मी' करना पड़ा, जब देवी लक्ष्मी के नाम के साथ 'बॉम्ब' शब्द जोड़ने पर आपत्ति जताई गई और राजनीतिक विवाद शुरू हो गया। अजय देवगन की फिल्म 'थैंक गॉड' भी विवादों से अछूती नहीं रही। फिल्म में अजय का किरदार चित्रगुप्त से प्रेरित था, लेकिन देवता का मजाक उड़ाने के आरोप में विरोध बढ़ा तो टीम ने नाम बदलकर किरदार को केवल 'सीजी' कर दिया। इसी तरह सलमान खान प्रोड्यूस्ड फिल्म 'लवरात्रि' को भी नवरात्रि से मिलते-जुलते नाम पर उठे विवाद के बाद 'लवयात्री' करना पड़ा।

Pratidinrajdhani.in

Daily Morning Newspaper & Webportal

E Paper Also Available

Web Portal : www.pratidinrajdhani.in

Youtube : Pratidin Rajdhani

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर

// निविदा सूचना //

क्रमांक 137/नपानि/ जोन-4/लो.क.नि./2026 रायपुर, दिनांक 10.02.2026

आयुक्त नगर पालिक निगम, रायपुर की ओर से प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति (प्रथम में अमानती राशि, अन्य कागजात एवं द्वितीय में निविदा प्रपत्र) में सील बंद निविदाएं स्पीड पोस्ट से निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

1. आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि – 24.02.2026 को सायं 5.30 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि – 27.02.2026 को सायं 5.30 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि – 06.03.2026 को सायं 4.00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि – 06.03.2026 को सायं 4.30 बजे से

क्र.	कार्य का विवरण	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	अवधि	निविदा प्रपत्र	एस.ओ.एस./नॉन एस.ओ.आर.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	जोन क्रमांक 04 अंतर्गत कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में पाईप लाईन विस्तार कार्य (मरम्मत संधारण)	3.95	4000.00	750.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	1 माह	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल एस.ओ.आर. दिनांक 01/06/2020
2	मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड क्र. 45 अंतर्गत बांसटाल एवं नेहरू नगर सुलभ का मरम्मत / संघाण कार्य। (मरम्मत संधारण)	3.95	4000.00	750.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	2 माह	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. भवन/रोड एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2015
3	सिविल लाईन वार्ड क्र. 46 अंतर्गत विनोबा भावे नगर हेल्थ केयर सेंटर, शांति नगर स्कुल के सामने, भावे नगर मंदिर के पास शौचालय एवं अन्य मरम्मत कार्य। (मरम्मत संधारण)	3.92	4000.00	750.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	2 माह	प्रपत्र ''अ''	पी.डब्ल्यु.डी. भवन/रोड एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2015 एवं विद्युत एस.ओ.आर. 2020
4	पं रविशंकर शुक्ल वार्ड क्र. 34 में विभिन्न स्थानों में रोड/नाली/ पुलिया एवं कल्वर्ट का मरम्मत / संधारण कार्य। (मरम्मत संधारण)	3.94	4000.00	750.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	2 माह	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. भवन/रोड एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2015
5	सिविल लाईन वार्ड क्र. 46 अंतर्गत किये गये बोर में मटेरियल सहित सम्बर्सिबल पंप प्रदाय कर स्थापना का कार्य। (सड़क बाधा / मरम्मत संधारण)	3.79	4000.00	750.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	राशि समाप्ति तक	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल एस.ओ.आर. दिनांक 01/06/2020
6	स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड क्र. 44 अंतर्गत मटेरियल सहित सम्बर्सिबल पंप प्रदाय कर लगाने का कार्य। (सड़क बाधा)	1.32	2000.00	300.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	राशि समाप्ति तक	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल एस.ओ.आर. दिनांक 01/06/2020
7	मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड क्र. 45 जोन क्र. 4 प्रेस क्लब मोतीबाग रायपुर के पास अतिरिक्त निर्माण कार्य। (विधायक निधि)	5.00	5000.00	750.00	''डी'' श्रेणी एवं उससे उपर	6 माह	प्रपत्र ''अ''	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. भवन/रोड एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2015 एवं विद्युत एस.ओ.आर. 2020

नोट– 1. निविदा से संबंधित दस्तावेज/छ.ग. पीडब्ल्यूडी का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र / जीएसटी पंजीयन प्रमाण पत्र/पेन कार्ड/विगत 03 साल का इनकम टैक्स रिटर्न (नवीन पंजीकृत ठेकेदार/फर्म के लिये यह लागू नही होगा) / विगत 03 माह का जीएसटी रिटर्न / राशि रू. 100/– का शपथ पत्र (निविदा जारी होने के बाद का नोटराईजड) राशि 2.00 लाख से अधिक के कार्यो के लिये कम से कम 15 प्रतिशत तक जीवित बैंक सॉल्वेंशी स्वीकार किया जावेगा। (राष्ट्रीयकृत बैंक का अमानती राशि (एफ.डी.आर के रूप में) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा।) (लिफाफा निविदा जारीकर्ता अधिकारी के नाम से पोस्ट किया जावे) निर्धारित अवधि में यदि किसी दिन अवकाश होता है, तो उल्लेखित कार्यवाही अगले कार्य दिवस पर सम्पन्न की जावेगी।

2. निविदा से संबंधित नियम एवं अन्य शर्ते जोन क्रमांक 04 कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है।

3. उक्त निविदा नगर निगम के वेबसाईट nagarnigamraipur.nic.in में देखी जा सकती है।

4. निविदा अंतर्गत (3rd Party Inspection) की राशि का भुगतान ठेकेदार द्वारा किया जायेगा जो कि कुल स्वीकृत राशि के 0.60 प्रतिशत एवं जीएसटी अतिरिक्त होगा।

घरों से निकलने वाले गिला और सूखा कचरों को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक 4
नगर पालिक निगम, रायपुर

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक-....ब/121
ग्राम– फरफौद

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जीवन टण्डन पिता श्री अभिनंदन टण्डन ग्राम फरफौद तहसील आरंग, द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने माता गंगा बाई टण्डन के मृत्यु दिनांक 28/04/2021 है, का पंजीयन कराने हेतु पंजीयक मृत्यु को आदेश जारी करने मांग किया है, ताकि मृत्यु का प्रमाण पत्र आवेदक को प्राप्त हो सके।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 27.02.2026 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 11/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र./ /अ-6/वर्ष 2024-25
रायपुर, दिनांक 10/02/2026
ग्राम-पण्डरीतराई प.ह.नं.- 109/47

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक कमरूजमा खान पिता समसुल्ला खान निवासी पण्डरीतराई, दुर्गा चबुतरा रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम पण्डरीतराई प.ह.नं. 109/47, तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि शीट नंबर 48 भूखण्ड क्रमांक 47, खसरा नंबर 299/1ख/2 का भाग रकबा 1311 वर्गफुट भूमि को विक्रेता एच. के. सिकदर पिता स्व. श्री एम.बी. सिकदर निवासी राजीव नगर, राजाबाड़ा, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 30.10.2025 के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। अतः उक्त क्रय भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर अपने नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 27/02/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार,
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.-......./अ-05/वर्ष 2025-26
ग्राम- छटेरा, प.ह.नं.-34

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका बिसाहिन चंद्राकर पति स्व. बुधुराम चंद्राकर एवं 1 अन्य निवासी ग्राम छटेरा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि, ग्राम छुटेरा प.ह.नं.-37 रा.नि.मं.-भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि बंदोबस्त पूर्व खसरा नंबर 384, 385/2 रकबा क्रमशः 0.0.2430, 1.374 हे. कुल खसरा नंबर 02 कुल रकबा 1.050 हे. भूमि धारति थी, जो कि बंदोबस्त पश्चात खसरा नंबर 846, 847, रकबा क्रमशः 0.27, 0.780 हे. कुल खसरा नंबर 02 कुल रकबा 1.617 भूमि हो गया है। आवेदकगण द्वारा बंदोबस्त के पूर्व दर्ज रकबा के अनुसार सुधार किये जाने हेतु हेतु माननीय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) आरंग महोदय के समक्ष पेश किया गया है। जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव इस संबंध मे जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय मे दिनांक 24/02/2026 तक स्वंय या अपने अभिषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 10/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.-......./अ-05/वर्ष 2025-26
ग्राम- भिलाई, प.ह.नं.-35

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक नारद साहू पिता श्री अभिराम साहू जाति तेली निवासी ग्राम भिलाई तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि, ग्राम भिलाई प.ह.नं.-35 रा.नि.मं.-भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि बंदोबस्त पूर्व खसरा नंबर 165/5 रकबा 1.275 है. भूमि धारति थी, जो कि बंदोबस्त पश्चात खसरा नंबर 1677 रकबा 0.68 हे. भूमि हो गया है। आवेदक द्वारा बंदोबस्त के पूर्व दर्ज रकबा के अनुसार सुधार किये जाने हेतु हेतु माननीय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) आरंग महोदय के समक्ष पेश किया गया है। जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव इस संबंध मे जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय मे दिनांक 24/02/2026 तक स्वंय या अपने अभिषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 10/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस – कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेबीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
मो. 9406200210

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी

आम आदमी का खास अखबार

आम ईश्तहार, खरीदी बिक्री, नाम परिवर्तन, आवश्यकता, कोर्ट नोटिस

संपर्क करें:
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)

62629 04444

ई-मेल : pratidincg@gmail.com

E-paper : https://epaper.pratidinrajdhani.in

बौद्ध समाज बिलासपुर का युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बौद्ध समाज बिलासपुर द्वारा आयोजित बिलासपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन में दुर्ग, भिलाई, रायपुर, रायगढ़, राजनांदगांव, बिलासपुर सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आये 85 युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

परिचय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में महादेव कावरे कमिश्नर रायपुर संभाग, विशिष्ट अतिथि अनिल खोबरागड़े प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ बौद्ध समाज एवं विशेष अतिथि समता सैनिक दल के सुनील गणवीर रायपुर तथा पूर्व जज संजय सेंद्रे दुर्ग की गरिमामयी उपस्थिति रही। अध्यक्षता बौद्ध समाज बिलासपुर के अध्यक्ष सारंग राव हुमने ने की।इस परिचय सम्मेलन को जाति बंधन से पूर्णतः मुक्त रखा गया था जिसके कारण बौद्ध समाज के साथ-साथ देवांगन समाज एवं सतनामी समाज के युवक-युवतियों ने भी सम्मेलन में सहभागिता की।कार्यक्रम के दौरान अंतर्जातीय विवाह को प्रोत्साहन देते हुए सतनामी समाज की युवती एवं ब्राह्मण समाज के युवक का विवाह संपन्न कराया गया, जो पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। इस पहल की सभी ने खुले मन से सराहना की।

प्रदेश स्तरीय युवक युवती परिचय सम्मेलन के शुभारंभ में कार्यक्रम के आयोजक सारंग राव हुमने ने स्वागत भाषण देते हुए अपने विचार रखें। इसके पश्चात मुख्य अतिथि महादेव कावरे, छत्तीसगढ़ बौद्ध समाज के प्रदेश अध्यक्ष अनिल खोबरागड़े,बिलासपुर बौद्ध समाज के संरक्षक महेश चंद्रिकापुरे , भारतीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष राजेश हुमने ने परिचय सम्मेलन की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर मूकनायक समाचार पत्र के प्रमुख कमलेश लव्हात्रे, पूर्व पार्षद जितेन्द्र भावे ,श्रीमती सरिता कामड़े, श्रीमती शैली भीमटे, श्रीमती प्रेरणा उके ,सूर्यकांत भालाधरे, संतोष खोबरागड़े,यस. आर. वाल्के ,दिलीप मेश्राम, कुणाल रामटेके सहित बौद्ध समाज, भारतीय बौद्ध महासभा, डॉ. अंबेडकर युवा मंच, महिला सशक्तिकरण संघ के पदाधिकारी, समाज के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

युवक युवती परिचय सम्मेलन के सूत्रधार सारंग राव हुमने की दूरदर्शिता एवं अथक प्रयासों से यह गरिमामय आयोजन सफल हुआ जिसके लिए बौद्ध समाज के लोगों के साथ-साथ सम्मेलन में आए युवक युवतियों के परिजनों ने भी इस आयोजन के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन जितेंद्र खोबरागड़े , देवेंद्र मोटघरे , श्रीमती संघमित्रा वाहने एवं मनोज बौद्ध के द्वारा किया गया।

रफ्तार बाइक ट्रक से टकराई, पीएससी अभ्यर्थी की मौत

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

शहर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक सड़क हादसे में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे 23 वर्षीय युवक की जान चली गई। निर्माणाधीन जिला न्यायालय भवन के सामने उसकी स्पोर्ट्स बाइक एक भारी वाहन से टकरा गई। गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मनींद्र भूषण सिंह श्याम (23), मूलतः राजनांदगांव जिले के रहने वाला था और रामा लाइफ सिटी में किराए के मकान में रहकर पीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। मंगलवार सुबह करीब 4 बजे वे बाइक लेकर निकले थे। बताया जा रहा है कि सुबह की खाली सड़क में वह तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था।

करीब 5 बजे वह नाश्ता लेकर अपने कमरे की ओर लौट रहा था, तभी निर्माणाधीन जिला न्यायालय परिसर से बाहर निकल रहे ट्रक से उनकी सीधी टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार जिला न्यायालय का नया भवन पुराने आयकर विभाग की इमारत की जगह बनाया जा रहा है।एक ट्रक निर्माण सामग्री लेकर वहां पहुंचा था। सुबह लगभग 5 बजे सामग्री उतारकर लौटते समय ट्रक की बाइक से भिड़ंत हो गई।

शिवरीनारायण मेले में स्काई झूला टूटने से 6 लोग गिरे, तीन की हालत गंभीर

सुरक्षा पर उठे सवाल, प्रशासन ने शुरू की जांच

जांजगीर-चांपा, प्रतिदिन राजधानी

प्रदेश के प्रसिद्ध शिवरीनारायण मेले में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक स्काई झूला अचानक टूट गया। झूले के केबिन का जाल खुलते ही उसमें सवार छह लोग नीचे गिर पड़े। हादसे में दो युवतियों और एक महिला को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि तीन अन्य भी घायल हुए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार झूला पूरी रफ्तार से घूम रहा था। इसी दौरान केबिन का जाल अचानक खुल गया, जिससे अंदर बैठे लोगों का संतुलन बिगड़ गया और वे नीचे गिर पड़े। घटना के बाद मेले में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे। गंभीर घायलों में चंद्रकांता कश्यप और भूमिका कश्यप बताए गए हैं। जानकारी के अनुसार सभी घायल मालदा गांव के निवासी हैं और मेले का आनंद लेने शिवरीनारायण पहुंचे थे। गंभीर रूप से घायल दो युवतियों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद प्रशासनिक अमला सक्रिय हुआ। एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। उनका उपचार जारी है।

शिवरीनारायण मेला छत्तीसगढ़ का प्रमुख और ऐतिहासिक मेला है, जहां महाशिवरात्रि के अवसर पर लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे आयोजन में झूलों और अन्य मनोरंजन साधनों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है और मेला आयोजकों से पूछताछ की जा रही है।

कलेक्टर ने ग्राउंड स्तर पर पहुंचकर चावल उत्सव का जायजा लिया, पारदर्शी वितरण के दिए निर्देश

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

राज्य शासन के निर्देशानुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत संचालित उचित मूल्य दुकानों में प्रतिमाह आयोजित किए जाने वाले 'चावल उत्सव' का कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिले में निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिले के खरसिया विकासखंड के ग्राम चपले स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान के समक्ष आयोजित चावल उत्सव में पहुंचकर कलेक्टर ने लाभार्थियों से सीधे संवाद किया और वितरण प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उत्सव में अधिक से अधिक हितग्राहियों सह लाभार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा वितरण व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी और सुचारु रहे।

निरीक्षण के दौरान खाद्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 664 शासकीय एवं समूह द्वारा संचालित उचित मूल्य दुकानों में प्रतिमाह चावल उत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, निगरानी समिति के सदस्यों तथा हितग्राहियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि राशन वितरण की प्रक्रिया सामाजिक निगरानी के दायरे में पारदर्शी रूप से संपन्न हो। निरीक्षण के दौरान खरसिया एसडीएम श्री प्रवीण तिवारी, जिला खाद्य अधिकारी श्री चितरंजन सिंह, जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य शासन द्वारा जारी विस्तृत दिशा-निर्देशों के अनुसार जिन ग्राम पंचायतों में साप्ताहिक हाट-बाजार लगते हैं, वहां प्रत्येक माह 6 तारीख के बाद लगने वाले प्रथम हाट-बाजार के दिन चावल उत्सव आयोजित किया जाएगा, जबकि अन्य सभी उचित मूल्य दुकानों में प्रत्येक माह की 7 तारीख को उत्सव आयोजित होगा। कलेक्टर ने खाद्य विभाग को निर्देशित किया है कि उत्सव से पूर्व संबंधित दुकान में माह का संपूर्ण आबंटित राशन भंडारित होना सुनिश्चित किया जाए।

उत्सव के समुचित क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक दुकान के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो खाद्य, सहकारिता, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास अथवा अन्य शासकीय विभाग का कर्मचारी हो सकता है। नोडल अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि खाद्य विभाग द्वारा जारी आबंटन के अनुरूप चावल उत्सव के दिन पर्याप्त राशन सामग्री उपलब्ध रहे। साथ ही उत्सव प्रारंभ होने से पूर्व एवं समाप्ति के पश्चात दुकान का निरीक्षण कर स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

मरीजों को मिल रहा नया जीवन

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

कूल्हे में लगातार दर्द और चलने में परेशानी से जूझ रहे मरीजों के लिए रायगढ़ जिला अस्पताल राहत का केंद्र बन रहा है। यहां कूल्हे की टीबी से पीड़ित मरीजों का नियमित उपचार और सर्जरी की जा रही है, जिससे वे फिर से सामान्य जीवन की ओर लौट रहे हैं।

इलाज से लौटी चलने की क्षमता

तहसील तमनार के ग्राम-जरेकेला निवासी 33 वर्षीय गुलाब राम, जो पेशे से मिस्त्री हैं, चार माह पूर्व गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल लाए गए थे। कूल्हे की टीबी से पीड़ित होने के कारण वे चलने में पूरी तरह असमर्थ थे, जिससे उनकी आजीविका भी प्रभावित हो रही थी। जिला अस्पताल में डॉ.राजकुमार गुप्ता, डॉ. दिनेश पटेल, डॉ. विमल नायक, डॉ. सिद्धार्थ सिंह एवं फिजियोथैरेपिस्ट की टीम द्वारा निरंतर उपचार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप आज गुलाब राम पुनः चलने में सक्षम हो गए हैं। इसी प्रकार जिले के लोईंग क्षेत्र के कछार निवासी 22 वर्षीय एम.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा डिम्पल पटेल भी कूल्हे की टीबी से ग्रसित होकर अस्पताल आई थीं। उन्हें चलने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। लगभग 20 दिनों के उपचार और दो सफल ऑपरेशन के बाद उनकी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और वे अब अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुकी हैं।

12 कूल्हे और 7 घुटने रिप्लेसमेंट का हुआ सफल उपचार

जिला प्रशासन के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत तथा सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. दिनेश पटेल के मार्गदर्शन में जिला अस्पताल में कूल्हे की टीबी से ग्रसित मरीजों का विशेष चिकित्सकों की टीम द्वारा सफल उपचार एवं सर्जरी की जा रही है। सिविल सर्जन डॉ. दिनेश पटेल ने बताया कि जिले में कूल्हे की टीबी के मामले सामने आ रहे हैं, जिनका समय पर इलाज कर मरीजों को फिर से सामान्य जीवन जी रहे है। सिविल सर्जन ने बताया कि अब तक जिला अस्पताल में 12 कूल्हे रिप्लेसमेंट और 7 घुटने रिप्लेसमेंट का सही उपचार किया गया हैं। उपचार प्राप्त कर चुके मरीजों ने अस्पताल की सुविधाओं, समय पर दवा, भोजन और देखभाल की सराहना करते हुए आम जनता से अपील की है कि ऐसे लक्षण दिखने पर जिला अस्पताल में आकर सुरक्षित इलाज व सर्जरी कराएं और अपने जीवन को फिर से सुखद व सफल बनाएं।

कूल्हे की टीबी के प्रमुख लक्षण

कूल्हे की टीबी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया से होने वाला गंभीर लेकिन इलाज योग्य रोग है। इसके लक्षणों में लगातार कूल्हे का दर्द, लंगड़ापन, सूजन, अकड़न और जोड़ की गति में कमी शामिल है। इसका निदान एक्स-रे, एमआरआई, ब्लड टेस्ट एवं जोड़ से तरल पदार्थ की जांच द्वारा किया जाता है। प्रारंभिक अवस्था में एंटी-टीबी दवाओं से इलाज संभव है, जबकि गंभीर मामलों में सर्जरी की आवश्यकता होती है।

स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने सिविल अस्पताल खरसिया पहुंचे

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने आज खरसिया के सिविल अस्पताल तथा चपले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां व्यवस्थाओं की हकीकत जानी और अधिकारियों को आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल में जेनेरिक दवाइयों की उपलब्धता, डॉक्टरों व स्टाफ की तैनाती तथा मरीजों को मिल रही सुविधाओं की विस्तार से जानकारी ली।

सिविल अस्पताल खरसिया में कलेक्टर ने जनरल वार्ड, प्रसूति वार्ड, लैब, ब्लड बैंक और डायलिसिस सेंटर का निरीक्षण किया। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि यहां प्रतिमाह 70 से 80 महिलाओं का सुरक्षित प्रसव कराया जा रहा है, जबकि प्रतिदिन 150 से 200 मरीज ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचते हैं। डायलिसिस सेंटर में अब तक 270 मरीजों का सफल उपचार किया जा चुका है। कलेक्टर ने एनआरसी (पोषण पुनर्वास केन्द्र) का भी जायजा लिया। उन्होंने भर्ती बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति, उपलब्ध व्यवस्थाओं और दिए जा रहे पोषण आहार की जानकारी लेकर अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, आवश्यक निर्माण एवं मरम्मत कार्यों के संबंध में उन्होंने एसडीएम खरसिया को शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा।

जनसहयोग से बने पेईंग वार्ड की प्रशंसा

सिविल अस्पताल खरसिया में जनसहयोग से तैयार किए गए पेईंग वार्ड की व्यवस्था को देखकर कलेक्टर ने विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने स्थानीय नागरिकों की पहल की सराहना करते हुए कहा कि जनभागीदारी से स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलती है और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

चपले स्वास्थ्य केन्द्र की स्वच्छता की सराहना

चपले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने साफ-सफाई व्यवस्था पर संतोष जताया और नियमित रूप से इसी स्तर को बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मायनर ओटी को विकसित करने, पीडब्ल्यूडी के माध्यम से रिनोवेशन कार्य कराने तथा अस्पताल परिसर में पार्किंग और एम्बुलेंस रख-रखाव के लिए शेड निर्माण के निर्देश दिए।

दोपहिया वाहनों के साथ हेलमेट वितरण अब अनिवार्य

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश में जिला परिवहन कार्यालय में समस्त वाहन डीलरों एवं उनके प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा, वाहन पंजीयन प्रक्रिया में पारदर्शिता, कर एवं शुल्क की जानकारी, इलेक्ट्रिक व्हीकल व्यवस्था तथा शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और डीलरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए चार्जिंग स्टेशन की व्यवस्था जरूरी छ.ग. मोटरयान कर और पंजीयन शुल्क की जानकारी डिस्प्ले करना अनिवार्य सड़क सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर जिला परिवहन कार्यालय में डीलरों की हुई अहम बैठक

जिला परिवहन अधिकारी द्वारा मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 129 एवं मोटरयान नियम 1989 की धारा 138 के तहत सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु दोपहिया वाहन विक्रेताओं को वाहन के साथ हेलमेट अनिवार्य रूप से वितरित करने के निर्देश दिए गए। सभी डीलरों को यह भी निर्देशित किया गया कि वाहन को हेलमेट सहित सुपुर्द करते समय फोटो के माध्यम से जिला परिवहन कार्यालय को समय-समय पर जानकारी उपलब्ध कराएं। बैठक में सभी डीलरों को छत्तीसगढ़ मोटरयान कर एवं पंजीयन शुल्क की जानकारी अपने प्रतिष्ठान में स्पष्ट रूप से डिस्प्ले करना अनिवार्य किया गया। इलेक्ट्रिक व्हीकल डीलरों को पृथक चार्जिंग स्टेशन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डीलर पॉइंट रजिस्ट्रेशन से संबंधित लंबित आवेदनों की समीक्षा कर आगामी सप्ताह में निराकरण कर जिला परिवहन कार्यालय में आवेदन जमा करने को कहा गया। इसके साथ ही 'तुहर सरकार तुहर द्वार' योजना के अंतर्गत आधार कार्ड में दर्ज स्थायी पता अथवा क्रेता की सहमति से अन्य अस्थायी पते पर पंजीयन प्रमाण पत्र की घर पहुंच सेवा प्रदान की जाएगी, जबकि किसी भी स्थिति में डीलर का पता स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक में सब-डीलर प्रक्रिया को पूर्ण रूप से बंद करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि पंजीयन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे।

मोटरयान अधिनियम के तहत नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश

प्रतिभा खोज के तहत खेलवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन अंतर्गत प्रतिभा खोज के तहत खिलाड़ियों को खेलवृत्ति प्रदाय की जाएगी। योजना का उद्देश्य ओलंपिक, कामनवेल्थ, एशियाड और नेशनल गेम्स में राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना है। जिसके लिए जिला कार्यालय एवं संचालनालय में राज्य खेल संघों से प्रमाणिकरण संबंधित सहित आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 16 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई हैं। खिलाड़ी अपना आवेदन संचालनालय अथवा खेल एवं युवा कल्याण विभाग, रायगढ़ में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर उपस्थित होकर जमा कर सकते है। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

प्रेमी के हमले में घायल युवती ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

प्रेमी के हमले में गंभीर रूप से घायल 22 वर्षीय युवती ने सात दिनों तक मौत से संघर्ष करने के बाद मंगलवार को दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी में रखवा दिया है।

जूना बिलासपुर करबला निवासी निशा श्रीवास एक सैलून में काम करती थी। उसका संबंध सरकंडा के अशोक नगर निवासी शुभम नायडू (28) से था, जो एक निजी बैंक में कार्यरत था। दोनों ने प्रेम विवाह किया था और उनका एक बेटा भी है। परिजनों के अनुसार विवाह के कुछ समय बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया था।

3 फरवरी की रात शुभम, निशा को बाइक से कोरबा ले गया। भारतमाला मार्ग से उरगा होते हुए वह मड़वारानी मंदिर की ओर पहुंचा। आरोप है कि वहीं किसी बात को लेकर विवाद बढ़ा और हमला हुआ। रात करीब 2 बजे गंभीर रूप से घायल अवस्था में निशा ने अपनी सहेली को वीडियो कॉल कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजनों ने डायल 112 पर संपर्क किया और मौके पर पहुंचे। संदैल गांव के पास पुल के नजदीक पुलिस को दोनों घायल अवस्था में मिले। जांच में सामने आया कि शुभम की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। जबकि निशा की हालत अत्यंत नाजुक थी।

औषधीय वनस्पतियों पर आयोजित चिंतन शिविर में पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने और वैश्विक नेतृत्व हासिल करने के लिए दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया

- केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने नई दिल्ली में एनएमपीएफ चिंतन शिविर का उद्‌घाटन किया, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया
- प्रतापराव जाधव ने कहा कि औषधीय पादप क्षेत्र सतत विकास और वैश्विक नेतृत्व के माध्यम से विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाएगा
- एनएमपीएफ ने उद्‌घाटन सत्र के दौरान स्मृति पुस्तिकाएं, एक नई पादप किस्म जारी की और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) ने आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में औषधीय वनस्पतियों पर एक दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों, उद्योग जगत के नेताओं और राज्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया और स्थायी नियमों और नवाचार के माध्यम से औषधीय पादप क्षेत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से नीति, अनुसंधान और कार्यान्वयन रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने मुख्य अतिथि के रूप में चिंतन शिविर का उद्‌घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि औषधीय वनस्पति न केवल भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों की नींव हैं, बल्कि इसकी जैविक और आर्थिक विरासत का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आयुर्वेद और अन्य आयुष प्रणालियों को मिल रही बढ़ती वैश्विक स्वीकृति यह प्रदर्शित करती है कि भारत गुणवत्तापूर्ण औषधीय वनस्पतियों और पौधों पर आधारित स्वास्थ्य उत्पादों का एक प्रमुख वैश्विक आपूर्तिकर्ता बनने की क्षमता रखता है

उन्होंने कहा कि चिंतन शिविर का विषय सरकार के विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य सतत आजीविका के माध्यम से ग्रामीण समुदायों का सशक्तिकरण करना है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि औषधीय वनस्पतियों का क्षेत्र किसानों, उद्यमियों और शोधकर्ताओं को एक स्वस्थ और आत्मनिर्भर भारत के लिए सहयोग करने के अनूठे अवसर प्रदान करता है। उद्‌घाटन सत्र के दौरान, उन्होंने एनएमपीबी के 25 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में स्मारिका, टेरेस गार्डन पुस्तिका का विमोचन किया और सीएसआईआर-सीआईएमएपी, लखनऊ द्वारा विकसित एनासाइक्लस पाइरेथ्रम की एक नई किस्म का भी अनावरण किया। उन्होंने एनएमपीबी और एआईआईए के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर प्रक्रिया में भी भाग लिया।

जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार ने औषधीय वनस्पतियों की खेती और उनके सतत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई पहल शुरू की हैं। उन्होंने बताया कि एनएमबीपी जैसी संस्थाएं किसानों को विशेष रूप से वर्षा आधारित और कम उपजाऊ जमीन पर उच्च मूल्य वाली औषधीय फसलें उगाने में सहायता कर रही हैं। इन प्रयासों से न केवल किसानों की आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि यह पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और जन स्वास्थ्य सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

उन्होंने पिछड़े और अग्रगामी संबंधों को मजबूत करने, बाजार पहुंच को विस्तारित करने और आपूर्ति श्रृंखला में गुणवत्ता व प्रामाणिकता सुनिश्चित करने में एनएमपीबी के समर्पित प्रयासों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे एकजुट होकर ऐसे औषधीय वनस्पतियों के क्षेत्र को विकसित करने के लिए काम करते रहें, जो न केवल वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हो, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल और आर्थिक रूप से सशक्त भी हो, साथ ही देश के किसानों और समाज की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को भी पूरा कर सके। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने अपने संबोधन में इस बात पर बल दिया कि एनएमबीपी की रजत जयंती न केवल उपलब्धि है, बल्कि आत्मनिरीक्षण और नवाचार का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि अब अगले चरण में वैज्ञानिक प्रमाणीकरण, पता लगाने की क्षमता और जलवायु अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित करना होगा ताकि भारत की विविध औषधीय वनस्पतियों का संरक्षण और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उनका सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालय संबंधित हितधारकों के बीच बेहतर तालमेल के लिए क्षेत्रीय सुविधा केंद्रों, अनुसंधान साझेदारियों और डिजिटल संपर्कों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। शिक्षा जगत, उद्योग और किसानों के बीच सहयोग पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इस चिंतन शिविर से प्राप्त परिणाम इस क्षेत्र को अधिक उत्पादकता, समावेशिता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाने हेतु एक पंवर्षीय रोडमैप का आधार प्रदान करेंगे।

आयुष मंत्रालय के अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार होवेदा अब्बास ने एनएमपीएफ परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सुदृढ़ वित्तीय अनुशासन और समय पर निधियों की निकासी पर बल दिया। उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय प्रबंधन और स्थिरता के नवीन मॉडल अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, साथ ही औषधीय वनस्पतियों की खेती में लगे स्थानीय समुदायों तक पहुंच बढ़ाने का भी आग्रह किया। उन्होंने एनएमपीएफ की पहलों को लेकर मंत्रालय की ओर से निरंतर संस्थागत और वित्तीय समर्थन प्रदान करने का भरोसा दिलाया।

एनएमपीबी के सीईओ डॉ. महेश कुमार दाधीच ने मार्गदर्शन और मंत्रालय के निरंतर सहयोग के लिए मंत्री महोदय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि चिंतन शिविर की परिकल्पना पिछले 25 वर्षों की उपलब्धियों की समीक्षा करने और इस क्षेत्र के भविष्य के विकास की योजना बनाने के लिए की गई थी। संरक्षण, क्षमता निर्माण और अनुसंधान प्रोत्साहन में एनएमपीबी के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि बोर्ड नवाचार, हितधारकों की भागीदारी और स्थायी नियमों के माध्यम से खेती से लेकर बाजार तक संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

चिंतन शिविर के उद्‌घाटन सत्र के दौरान, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं और सहयोगात्मक कार्य किए गए। एनएमपीबी की 25 वर्षों की यात्रा को दर्शाने वाली स्मारक पुस्तिका का अंग्रेजी संस्करण और औषधीय वनस्पतियों के संवर्धन में उपलब्धियों और सर्वोत्तम विधियों को प्रदर्शित करने वाली टेरेस गार्डन पुस्तिका का विमोचन किया गया।

उच्च मूल्य वाली औषधीय फसलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए सीएसआईआर-सीआईएमएपी, लखनऊ द्वारा विकसित एनासाइक्लस पाइरेथ्रम की एक नई किस्म जारी की गई। इस कार्यक्रम में एनएमपीबी और अगरकर अनुसंधान संस्थान के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए जिससे औषधीय वनस्पतियों के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान और नवाचार को मजबूती मिलेगी।

चिंतन शिविर में अनुसंधान एवं विकास, पता लगाने की क्षमता और गुणवत्ता आश्वासन, उद्योग सहयोग तथा संरक्षण एवं खेती में सर्वोत्तम प्रथाओं जैसे विषयों पर तकनीकी सत्र और विशेषज्ञ पैनल चर्चाएं होंगी।

खान मंत्रालय अन्वेषण के लिए लाइसेंस नीलामी का दूसरा चरण प्रारंभ करेगा

नई दिल्ली। खान मंत्रालय 12 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली स्थित सिविल सर्विसेज ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट (सीएसओआई) में अन्वेषण के लिए लाइसेंस (ईएल) ब्लॉकों की नीलामी के दूसरे चरण का औपचारिक शुभारंभ करेगा। यह पहल खनिज अन्वेषण को सुदृढ़ बनाने और दीर्घकालिक खनिज सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भारत के सतत सुधारों का एक महत्वपूर्ण कदम है। विशेष रूप से, यह प्रयास महत्वपूर्ण व गहराई में स्थित खनिज संसाधनों के व्यवस्थित और वैज्ञानिक दोहन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

इस शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाएगा। इस अवसर पर खान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न राज्य सरकारों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के प्रमुख व्यक्ति और अन्य महत्वपूर्ण हितधारक भी उपस्थित रहेंगे, जिससे इस पहल को व्यापक सहयोग तथा सहभागिता प्राप्त होगी।

इस अवसर पर मंत्रालय भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के नेक्स्ट जेनरेशन डिजिटल पोर्टल का भी अनावरण करेगा। यह अत्याधुनिक पोर्टल डेटा अधिग्रहण, विश्लेषण, विजुअलाइजेशन और प्रसार की प्रक्रियाओं को एकीकृत करते हुए एक समेकित क्लाउड-आधारित मंच प्रदान करता है। यह पोर्टल एआई/एमएल आधारित उन्नत उपकरणों से सुसज्जित व राष्ट्रीय भूविज्ञान डेटा भंडार (एनजीडीआर) के साथ पूर्ण आपसी सहभागिता से समृद्ध है। यह खनिज अन्वेषण पारिस्थितिकी तंत्र में पारदर्शिता, दक्षता और डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत हितधारकों के लिए अन्वेषण लाइसेंस ढांचे, नीलामी पद्धति और खोजकर्ताओं हेतु उपलब्ध प्रोत्साहनों पर एक विस्तृत रोडशो आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से ई-नीलामी प्रक्रिया, नीलामी नियमों और राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट (एनएमईटी) योजना पर विस्तृत प्रस्तुतियां दी जाएंगी। उल्लेखनीय है कि एनएमईटी योजना के तहत पात्र अन्वेषण व्यय की आंशिक प्रतिपूर्ति का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, हितधारकों के प्रश्नों, सुझावों और विचारों के समाधान हेतु एक ओपन हाउस सत्र भी आयोजित किया जाएगा, जिससे संवाद एवं सहभागिता को बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय बजट 2026-27 ऐतिहासिक और भविष्योन्मुखी; पूर्वोत्तर क्षेत्र को मजबूत प्रोत्साहन: शिवराज सिंह चौहान

असम के लिए 60 हजार, 500 मीट्रिक टन रेपसीड (कैनोला)/सरसों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज गुवाहाटी में केंद्रीय बजट 2026-27 पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह बजट ऐतिहासिक और भविष्योन्मुखी है और इससे पूरे देश के साथ ही पूर्वोत्तर क्षेत्र में भी सकारात्मक बदलाव आएगा।

चौहान ने कहा कि बजट विकसित भारत की परिकल्पना को परिलक्षित करने के साथ ही 2047 तक आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध भारत के लिए मजबूत आधार स्थापित करता है। उन्होंने बल दिया कि बजट समावेशी विकास और सामाजिक समृद्धि पर केंद्रित है, जिससे समाज का हर वर्ग लाभान्वित हो।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए बताया कि बजट में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय को 6,812 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले बजट की तुलना में 897 करोड़ रुपये अधिक है। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई राशि पूर्वोत्तर में विकास को गति देने की केंद्र सरकार की प्राथमिकता स्पष्ट तौर पर दर्शाती है।

चौहान ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किए गए कुल कर राजस्व संग्रह में से एक निश्चित हिस्सा राज्य सरकारों को सौंपने संबंधी कर हस्तांतरण हेतु असम के लिए 49,725 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 से अब तक असम को कर हस्तांतरण द्वारा लगभग 3.12 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि बजट में घोषित स्वास्थ्य सेवा पहल में बायोफार्मा शक्ति (ज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा उन्नति की रणनीति) भी शामिल है, जिसके लिए पांच वर्ष में 10 हजार करोड़ रुपये का परिव्यय होगा। इसका उद्देश्य गैर-संचारी रोगों के बढ़ते बोझ से निपटने के लिए बायोलॉजिक्स और बायोसिमिलर्स में घरेलू क्षमता मजबूत करना है। बायोलॉजिक्स जीवित कोशिकाओं (जैसे प्रोटीन, ऊतक) से बनी जटिल दवाएं हैं, जिनका उपयोग कैंसर और ऑटोइम्यून बीमारियों के लिए किया जाता है। बायोसिमिलर, किसी मौजूदा (रेफरेंस) बायोलॉजिक के अत्यंत समान और सुरक्षित संस्करण हैं, जो समान प्रभावकारिता देते हैं पर आमतौर पर कम खर्चीले होते हैं। इस पहल के अंतर्गत, गुवाहाटी के राष्ट्रीय औषध विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीआर) जैसे मौजूदा संस्थानों को उन्नत बनाया जाएगा, जिससे क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और कुशल मानव संसाधन विकास हो।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि इस वर्ष कृषि बजट बढ़ाकर 1 लाख 32 हजार 561 करोड़ रुपये किया गया है, जो किसानों के कल्याण के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता दर्शाती है। उन्होंने कहा कि नवाचार और वैज्ञानिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए कृषि शिक्षा और अनुसंधान हेतु 9 हजार 967 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। किसानों को सस्ते दर पर उर्वरक उपलब्ध कराने और कृषि उत्पादन लागत कम करने के लिए 1 लाख, 70 हजार 944 करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी भी निर्धारित की गई है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय की चर्चा करते हुए चौहान ने बताया कि इस वर्ष इसके बजट में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अंतर्गत 'विकसित भारत – जी राम जी' अधिनियम के लिए 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है, जबकि पिछले मनरेगा अधिनियम के तहत केवल 86 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान था।

कृषि मंत्री ने घोषणा की कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने असम सरकार के रबी 2026 चक्र के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 60 हजार 500 मीट्रिक टन रेपसीड (कैनोला) /सरसों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इससे किसानों को लाभकारी मूल्य मिलेगा और उन्हें मजबूरी में अपनी फसल नहीं बेचनी पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत वित्त वर्ष 2026-27 के लिए असम को 104.17 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं ।

संवाददाता सम्मेलन में असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा और असम के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा मंत्री कृष्णेंदु पॉल भी उपस्थित थे।

श्रीलंका में ऐतिहासिक प्रदर्शनी के बाद भगवान बुद्ध के पवित्र देवनीमोरी अवशेष भारत वापस लाए गए

नई दिल्ली। भगवान बुद्ध के पवित्र देवनीमोरी अवशेष आज श्रीलंका से भारत वापस लाए गए। ये अवशेष कोलंबो के गंगारामया मंदिर में एक सप्ताह तक सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखे गए थे।

मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल और अरुणाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री चोवना मीन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल, वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं और अधिकारियों के साथ, इन पवित्र अवशेषों को वापस ला रहा है, जिन्हें पहली बार अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी के लिए विदेश भेजा गया था। इस अवसर पर श्रीलंका के मंत्रियों और भारत के श्रीलंका में उच्चायुक्त की उपस्थिति में भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर औपचारिक प्रस्थान समारोह आयोजित किया गया।

सात दिवसीय प्रदर्शनी के दौरान श्रीलंका भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगारामया मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। इस दौरान दस लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने सार्वजनिक दर्शन में भाग लिया, जिससे यह यह आयोजन एक

- **पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी में दस लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे**

अहम आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उपलब्धि के रूप में स्थापित हुआ। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री, कैबिनेट मंत्री, संसद सदस्य, पूर्व राष्ट्रपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित कई वरिष्ठ श्रीलंकाई नेताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रदर्शनी का उद्‌घाटन राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने किया। श्रीलंका सरकार ने इस ऐतिहासिक आध्यात्मिक आयोजन को संभव बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। भारत की ओर से उद्‌घाटन समारोह में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी उपस्थित थे।

जिसमें भारत और श्रीलंका के बीच साझा बौद्ध विरासत और सभ्यतागत संबंधों को प्रदर्शित किया गया।

प्रदर्शनी के विस्तार के रूप में, ₹पवित्र पिपरावा का अनावरण₹ और ₹समकालीन भारत के पवित्र अवशेष और सांस्कृतिक जुड़ाव₹ नामक विशेष प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। इन प्रदर्शनियों में भारत और श्रीलंका के बीच साझा बौद्ध विरासत और सभ्यतागत संबंधों को प्रदर्शित किया गया।

अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की श्रीलंका यात्रा के दौरान घोषित इस ऐतिहासिक प्रदर्शनी ने भारत और श्रीलंका के प्राचीन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को और गहरा किया है। इसने वैश्विक बौद्ध विरासत के संरक्षक के रूप में भारत की भूमिका और श्रीलंका के साथ जन-जन और सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को भी बल दिया है।

भारत से आया विशेष प्रतिनिधिमंडल भगवान बुद्ध के पवित्र देवनीमोरी अवशेषों को श्रद्धा और सम्मान के साथ लेकर स्वदेश के लिए रवाना हुआ। इस पावन अवसर के साथ, भारत और श्रीलंका के बीच साझा बौद्ध विरासत का एक ऐतिहासिक और भावनात्मक अध्याय पूर्ण हुआ।

बांग्लादेश के पूर्व राजदूत ने उठाए सवाल, कहा- इतिहास का सबसे खराब होगा ये चुनाव

ढाका। बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने जा रहे हैं। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद देश में यह पहला चुनाव है। जिस पर पूरी दुनिया की नजर है। इस बीच चुनावों से ठीक पहले निर्वासित पूर्व राजदूत मोहम्मद हारून अल राशिद ने बड़े आरोप लगाए हैं।

अनुभवी राजदूत (अब निर्वासित) मोहम्मद हारून अल राशिद ने चुनावों की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि बांग्लादेश के अब तक के इतिहास का ये 'सबसे बदसूरत' यानी खराब चुनाव होगा।

एक बड़े थिंक टैंक से बातचीत में मोहम्मद हारून अल राशिद ने चुनावों पर अपनी राय रखी। उन्होंने चेतावनी दी कि अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस, जो लंबे समय से खराब चीजों को अच्छाई के तौर पर रीपैकेज करके खुद को बचाए हुए हैं, अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते।

'इस बार यूनुस बच नहीं पाएंगे'

श्रीलंका के थिंक टैंक ट्रिंको सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज (टीएसएसटी) के साथ बातचीत में राशिद ने कहा, 'यूनुस हर चीज को

'खूबसूरत' कहते हैं, लेकिन मैं मानता हूं यह चुनाव बांग्लादेश के इतिहास का सबसे बदसूरत चेहरा दिखाएगा। मैं ऐसा कोई बढ़ा-चढ़ाकर बोलने के लिए नहीं कर रहा। यूनुस लंबे समय से घटिया चीजों को अच्छाई के तौर पर रीपैकेज कर खुद को बचा रहे हैं। इस बार, वह बच नहीं पाएंगे।'

उन्होंने आगे कहा कि जो हो रहा है वह असली चुनाव नहीं है, बल्कि 2024 के 'जिहादी गठबंधन' के दो गुटों के बीच मुकाबला है, जिसने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाकर सत्ता पर कब्जा जमाया है। उन्होंने तर्क दिया कि एक तरफ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके सहयोगी हैं, जबकि दूसरी तरफ कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी और उसके साथी हैं।

बीएनपी और जमात की इनसे की तुलना

टीएसएसटी से बात करते हुए राशिद ने कहा कि विचारधारा के हिसाब से बीएनपी मिस्र के मुस्लिम ब्रदरहुड जैसी है भले ही स्ट्रक्चर के हिसाब से नहीं, जबकि जमात फलस्तीन में हमास जैसी है। उन्होंने कहा कि दोनों में से कोई भी लोकतांत्रिक मूल्यों को सामने नहीं रखता और दोनों ही इस्लामिक कट्टरपंथ का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राशिद ने आगे कहा, 'किसी भी असली लोकतांत्रिक पार्टी को चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं दी गई है। यूनुस खुलेआम नतीजे को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वह अगली सरकार के केंद्र में बने रहें। उनके पसंदीदा साथी जमात और उससे जुड़े लोग हैं, जिसमें एनसीपी भी शामिल है। इसके कैडर ने 2024 की जिहादी हिंसा के दौरान तथाकथित कोटा मूवमेंट के नाम पर सुसाइड ऑपरेटिव के तौर पर काम किया था।'

रायपुर संभाग का युवा संवाद कार्यक्रम संपन्न

विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने वाला बजट - गुरु खुशवंत साहेब

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता युवा मोर्चा केन्द्रीय बजट 2026-27 की विशेषताओं को लेकर प्रदेश के युवाओं से लगातार संवाद कार्यक्रम कर जागरूक कर रहा है। रायपुर संभाग का युवा संवाद कार्यक्रम बुधवार को रावतपुरा सरकार युनिवर्सिटी धनेली रायपुर में संपन्न हुआ।

युवा संवाद को ऐतिहासिक आयोजन बताते हुए कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने वाले केंद्रीय बजट को लेकर युवाओं में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास देखने को मिल रहा है। बजट को युवा शक्ति का बजट बताते हुए इसे विकसित भारत की ओर बढ़ता सशक्त कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में छत्तीसगढ़ के लिए विशेष रणनीतिक प्रावधान किए गए हैं, जिसमें कनेक्टिविटी, जनजातीय कल्याण और औद्योगिक विकास को प्राथमिकता दी गई है। बजट को विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि कर सुधार, विनिर्माण और तकनीक पर केंद्रित यह बजट मध्यम वर्ग की आर्थिक क्षमता को सशक्त करेगा। 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को कर मुक्त करना, वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती बढ़ाकर 75 हजार रुपये करना और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कर कटौती की सीमा 1 लाख रुपये करना स्वागतयोग्य निर्णय हैं।

देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है - अखिलेश सोनी

प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने कहा कि यह बजट युवाओं के सपनों को उड़ान देने वाला है। ऑरेंज इकोनॉमी, पर्यटन, खेलो इंडिया मिशन जैसे क्षेत्रों के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए द्वार खुलेंगे। भारत को दुनिया का डेटा सेंटर हब बनाने के लिए टैक्स में दी गई छूट ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। यह बजट अवसरों का राजमार्ग है, जो स्किल, स्केल और सस्टेनेबिलिटी को मजबूती देता है।

केन्द्रीय बजट देश के भविष्य की दिशा तय करने वाला दस्तावेज है - राहुल टिकारिहा

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकारिहा ने कहा कि बजट में स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल स्किल्स, खेलो इंडिया और स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं को बढ़ावा दिया गया है, जिससे युवाओं को नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी का रोडमैप है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस बजट का लाभ उठाकर नवाचार, उद्यमिता और राष्ट्र की प्रगति के लिए तत्पर रहें। केंद्रीय बजट केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि देश के भविष्य की दिशा तय करने वाला दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि वर्तमान बजट में युवाओं, स्टार्टअप, कौशल विकास, शिक्षा, डिजिटल सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

इस दौरान युवा संवाद कार्यक्रम में अमन प्रताप सिंह देव, विशाल पांडेय, मोर्दवज़ पेकरा, लोकेश साहु,अभिषेक धनगर श्रेणिक बोथरा, अंकित द्विवेदी, अमित सिंघल, वाशु शर्मा, यशपाल लोधी, दीक्षा अग्रवाल और अन्नू ठेठवार मौजूद थे।

अन्नदाता का मान ही हमारी सरकार की पहचान

समर्थन मूल्य के अंतर की राशि होली के पहले एकमुश्त देने का निर्णय - मुख्यमंत्री साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि होली पर्व से पूर्व एकमुश्त प्रदान की जाएगी। इस निर्णय के तहत लगभग 10,000 करोड़ की राशि 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता भाइयों-बहनों की मुस्कान ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल धान की खरीदी नहीं करती, बल्कि किसानों के परिश्रम का उचित मूल्य सुनिश्चित करना और उनके सम्मान की रक्षा करना अपना दायित्व मानती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस निर्णय से किसानों को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही उत्सव का उल्लास बढ़ेगा।

उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में राज्य के 25 लाख 24 हजार 339 किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत बीते दो वर्षों में किसानों को धान मूल्य अंतर की राशि के रूप में 25,000 करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। होली से पूर्व किसानों के खाते में 10,000 करोड़ के भुगतान के साथ यह राशि बढ़कर 35,000 करोड़ से अधिक हो जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसान प्रदेश की आत्मा और अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव हैं। उनकी मेहनत और पसीने से ही राज्य की समृद्धि सुनिश्चित होती है।

होली स्पेशल ट्रेन की घोषणा

दुर्ग मधुबनी स्टेशन 1 मार्च को समवेद शिखर तीर्थ स्थान के लिए

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेल मंडल रायपुर के द्वारा दुर्ग से मधुबनी स्टेशन के लिए होली स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की गई है जिसकी मांग रेल सलाहकार समिति सदस्य विमल बाफ्ना के द्वारा की गई थी, क्योंकि मधुबनी जिसे पारसनाथ स्टेशन भी कहा जाता है समवेद शिखर जैन समाज के आस्था का प्रतीक प्राचीन तीर्थ

पवित्र स्थल है। जैन समाज के 24 तीर्थंकर में से 20 तीर्थंकरों का मोक्ष स्थान भी है 23 वे पार्श्वनाथ भगवान का पवित्र स्थल है जहां होली पर विशेष आयोजन समाज के द्वारा होता है जिसमें काफी संख्या में लोग पूजा अर्चना के लिए इस धार्मिक स्थान पर होली के समय ही इसका महत्व होने के कारण बड़ी संख्या में आना जाना रहता है। गाड़ी संख्या 05853 दुर्ग मधुबनी होली स्पेशल ट्रेन जो दुर्ग रायपुर बिलासपुर हटिया दरभंगा समस्तीपुर आदि स्टेशन होते हुए मधुबनी पहुंचेगी इस गाड़ी के चलने से जैन समाज के लोगों में हर्ष और उत्साह है, क्योंकि यह मांग लंबे अरसे से की जा रही थी जिसे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेल मंडल रायपुर के श्री दयानंद रेल प्रबंधक एवं अवधेश त्रिवेदी सीनियर डीसीएम का बहुत बड़ा सहयोग जैन समाज को प्राप्त हुआ साथ ही विमल बाफ्ना सदस्य रेल सलाहकार समिति दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेल मंडल रायपुर विमल का प्रयास को सफलता मिली।

आरंग में विकास की सौगात, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के प्रयासों से शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक स्वीकृति

1.53 करोड़ से अधिक की राशि से बनेंगे नवीन स्कूल भवन, बदलेगा शैक्षणिक परिदृश्य

आरंग, रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आरंग विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आरंग विधानसभा क्षेत्र की पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शालाओं के लिए नवीन स्कूल भवन निर्माण हेतु ?1 करोड़ 53 लाख 92 हजार से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह महत्वपूर्ण स्वीकृति आरंग विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी (कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग) के सतत प्रयासों एवं शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध दृष्टिकोण का परिणाम है। मंत्री जी के निरंतर प्रयासों से आरंग विधानसभा में शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए आधारभूत संरचना को मजबूत किया जा रहा है। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने इस स्वीकृति के लिए प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश के हर क्षेत्र में मजबूत शैक्षणिक ढांचा तैयार कर रही है। शिक्षा क्षेत्र को मिली नई दिशा स्वीकृत कार्यों के अंतर्गत आरंग विधानसभा क्षेत्र

की दर्जनों शासकीय पूर्व माध्यमिक शालाओं के लिए नवीन भवन निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक विद्यालय हेतु 11.84 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त शासकीय प्राथमिक शाला, इंदिरा कॉलोनी, मंदिर हसौद के लिए 11.48 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। नवीन भवनों के निर्माण से विद्यार्थियों को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त वातावरण प्राप्त होगा। इससे न केवल विद्यालयीन व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं शिक्षा की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

जिन विद्यालयों को मिली स्वीकृति

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला लोधीपारा (आरंग)

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सदर रोड (आरंग)

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पचेड़ा

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चकवे

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बिरबिरा

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गुल्लू

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कुहेरा

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बकतरा

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला खोरसी

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोरासी

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अरुंधति देवी (आरंग)

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भलेरा

शासकीय प्राथमिक शाला इंदिरा कॉलोनी, मंदिर हसौद

शिक्षा से मजबूत होगा आरंग

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि आरंग विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा को मजबूत करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मजबूत शैक्षणिक आधारभूत संरचना ही भविष्य की पीढ़ी को सशक्त बनाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवीन विद्यालय भवनों के निर्माण से आरंग विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा का स्तर और ऊंचा होगा तथा क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

सिंधी काउंसिल युवा विंग के नव नियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने की

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई युवा विंग की घोषणा की गई। प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने घोषणा की।

युवा विंग प्रदेश अध्यक्ष जीतू लोहाना ने बताया दो महामंत्री एक कोषाध्यक्ष एक सह कोषाध्यक्ष छह उपाध्यक्ष, छह सचिव, 14 सदस्य, कार्यकारणी सदस्य बनाए गए है। युवा विंग महामंत्री गौतम रेलवानी एवं आकाश मेघानी, युवा विंग कोषाध्यक्ष अनुराग वाधवानी, सह कोषाध्यक्ष पंकज देंगवानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विशाल सचदेव , उपाध्यक्ष रवि विजवानी, पवन लोहाना , अविनाश सेजवानी, रोशन ओछवानी, सूरज जसवानी, प्रदेश सचिव लवीश मोटवानी, विनय वाधवानी, किशन खेतपाल, मोलती रूपचन्दनी, विशाल पंचनानी, मयूर वाधवानी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सन्नी पंजवानी, अमित हिरवानी, मनोज उत्तमचंदनी, विशाल केशवानी, विक्की आडवाणी, जैकी बुलचंदानी, विपिन अजवानी, गोविंद आहूजा, अंकित रूपचंदानी , पंकज बच्चानी, सभी सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई युवा विंग के पदाधिकारी गण को बधाई एवं शुभकामनाएं।

सहयोग केन्द्र में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से मिले कार्यकर्ता

कार्यकर्ताओं के आवेदनों के निराकरण हेतु दिए संबंधित विभाग को निर्देश

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में सहयोग केन्द्र में बुधवार को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कार्यकर्ताओं के आवेदनों का निराकरण करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सहयोग केन्द्र के माध्यम से कार्यकर्ताओं के आ रहे आवेदनों को तत्काल संबंधित विभाग को भेजा गया है वहीं बहुत-से आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया। आज सहयोग केन्द्र में 250 से अधिक विषयों से संबंधित 162 आवेदन प्राप्त हुए इस दौरान 500 कार्यकर्ता सहयोग केन्द्र में अलग-अलग विषय लेकर पहुँचे।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी अशोक बजाज एवं सहयोग केन्द्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने मौजूद थे।

अन्य राज्यों की मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाए : आबकारी आयुक्त

मदिरा एवं मादक पदार्थों के अवैध संग्रहण, परिवहन और बिक्री पर कड़ी कार्रवाई करने के दिए निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आबकारी विभाग की सचिव सह आबकारी आयुक्त श्रीमती आर. शंगीता ने आज नवा रायपुर स्थित कार्यालय में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और आगामी महीनों के लिए जिलेवार विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी जिलों, उड़नदस्ता, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर सचिव सह आयुक्त ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति हेतु ठोस रणनीति अपनाने, दुकानवार समीक्षा करने और अनुशासन के साथ कार्य संपादन के निर्देश दिए।

सचिव सह आबकारी आयुक्त श्रीमती शंगीता ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं की मांग के अनुसार मदिरा स्कंध का संधारण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया किया मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं के मांग के अनुरूप मदिरा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री न हो। उन्होंने अधिकारियों को मदिरा दुकानों में नियम और अनुशासन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। दुकानों में उपलब्ध मदिरा को नियमानुसार दरों सहित रैकों में प्रदर्शित करने कहा गया, ताकि उपभोक्ताओं को पारदर्शिता और सुविधा मिल सके।

शंगीता ने बैठक में राजस्व लक्ष्य की जिलेवार समीक्षा करते हुए जिन जिलों ने जनवरी माह तक लक्ष्य की प्राप्ति की है, उन्हें सतत् कार्य जारी रखने के निर्देश दिए गए। वहीं लक्ष्य से पीछे चल रहे जिलों को इसके कारणों की दुकानवार समीक्षा कर कमी की पूर्ति हेतु विस्तृत कार्य-योजना बनाकर तत्परता से अमल में लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों को इस बात की स्पष्ट हिदायत दी कि मदिरा में किसी प्रकार की मिलावट न होने पाए। इसके लिए सभी जिला अधिकारी सप्ताह में कम से कम दो दिन आकस्मिक निरीक्षण करने और वहां पाई गई अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई और दोषी कर्मचारियों को तत्काल कार्यमुक्त कर ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, दुकानों में पेटीएम या अन्य कैशलेस भुगतान को बढ़ावा देने के लिए पृथक काउंटर की व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए।

सचिव सह आयुक्त ने प्रदेश में संचालित बारों, क्लबों, होटलों और ढाबों की आकस्मिक जांच करने तथा समय पश्चात संचालन अथवा अवैध मदिरा विक्रय करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध मदिरा एवं अन्य मादक पदार्थों के निर्माण, परिवहन, तस्करी और विक्रय पर सख्त नियंत्रण रखने हेतु आवश्यकता पड़ने पर पुलिस विभाग से सहयोग लेने के निर्देश दिए गए।

राज्य की अंतरराज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी जांच चौकियों को अन्य राज्यों की मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने और सीसीटीवी कैमरों के सुचारू संचालन की निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा विभाग में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई तथा कर्मचारियों के पेंशन और अनुकम्पा नियुक्ति से संबंधित प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेज कॉपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री पदुम सिंह एल्मा, विशेष सचिव आबकारी विभाग श्री देवेन्द्र सिंह भारद्वाज सहित मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, संभागीय व जिला आबकारी अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444